एमओएफएसएल की रिपोर्ट के अनुसार सोने की चमक कायम रहने की उम्मीद
- 10

सोशल मीडिया पोस्ट के साथ नाम और रजिस्ट्रेशन नंबर का उल्लेख जरूरी
- 10

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बोले- बंगाल में भाजपा जीती तो घुसपैठियों को बाहर निकालेंगे
- 11

रणजी फाइनल में कर्नाटक के खिलाफ जम्मू-कश्मीर बेहतर स्थिति में
- 12

आज का मौसम

29.0° अधिकतम तापमान

14.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.40

सूर्यास्त 06.11

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

फाल्गुन शुक्ल पक्ष एकादशी 10:33 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 27 फरवरी 2026, वर्ष 7, अंक 94, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

द केरल स्टोरी 2: रिलीज से एक दिन पहले फिल्म पर अंतरिम रोक

कोच्चि, एजेंसी

केरल हाईकोर्ट की एकल पीठ ने 'द केरल स्टोरी 2-गोज बियॉन्ड' के प्रदर्शन पर बृहस्पतिवार को अंतरिम रोक लगा दी। फिल्म 27 फरवरी को रिलीज होने वाली थी। कुछ ही घंटे बाद खंडपीठ ने रोक के खिलाफ अपील सुनी और फैसला सुरक्षित कर लिया।

न्यायमूर्ति बी. कुरियन थॉमस ने आदेश में कहा कि सेंसर बोर्ड ने सुनिश्चित नहीं किया कि यह फिल्म सामाजिक सद्भाव को भंग न करे। अदालत ने केंद्र को निर्देश दिया कि वह याचिकाकर्ता श्रीदेव नंबूदरी की ओर से दायर पुनरीक्षण याचिका पर दो सप्ताह के भीतर विचार कर आदेश पारित करे। कुछ ही घंटे बाद न्यायमूर्ति सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी और न्यायमूर्ति पी वी बालकृष्णन की पीठ ने अपील सुनी और फैसला सुरक्षित रख लिया। सवाल उठाया कि याचिकाएं जनहित याचिका की प्रकृति की थीं, एकल न्यायाधीश इसकी सुनवाई कैसे कर सकते हैं।

- केरल हाईकोर्ट की एकल पीठ के आदेश के खिलाफ खंडपीठ ने सुनी अपील, फैसला सुरक्षित रखा

'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' अध्याय वाली पुस्तक पर प्रतिबंध

एनसीईआरटी निदेशक और शिक्षा विभाग के सचिव को कारण बताओ नोटिस, आपराधिक अवमानना की कार्यवाही की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी की 8वीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की उस पुस्तक के भविष्य में किसी भी प्रकाशन, पुनर्मुद्रण या डिजिटल प्रसार पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है, जिसमें 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' नाम का खंड शामिल किया गया था। कोर्ट ने पुस्तक की सभी प्रतियां तुरंत जब्त करने और डिजिटल प्रतियां हटाने का निर्देश दिया। एनसीईआरटी के निदेशक और शिक्षा विभाग के सचिव को नोटिस जारी कर पूछा गया कि क्यों न अवमानना और दूसरी जरूरी कार्यवाही की जाए।

कोर्ट ने इस मामले में गहन जांच की मंशा जताते हुए स्पष्ट किया कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता और स्वायत्तता पर गंभीर परिणामों और स्थाई प्रभाव को ध्यान में रखते हुए ऐसा दुर्व्यवहार न्यायालय की अवमानना अधिनियम 1971 की धारा 2(सी) के अंतर्गत आपराधिक अवमानना के दायरे में आएगा। यह जानबूझकर किया गया कृत्य पाया जाता है तो न्यायिक प्रणाली में हस्तक्षेप के साथ संस्था को बदनाम करने का भी मामला होगा। कोर्ट ने उन बैठकों के ब्योरे का मूल रिकॉर्ड तलब किया, जिनमें आपत्तिजनक अध्याय पर विचार-विमर्श किया गया था और उसे अंतिम रूप दिया गया था।

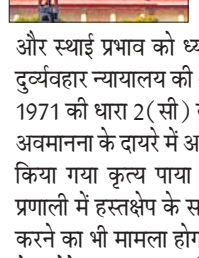

- उन बैठकों का मूल रिकॉर्ड तलब जिनमें अध्याय को विचार-विमर्श कर दी गई मंजूरी

न्यायपालिका के खिलाफ गहरी साजिश और सुनियोजित प्रयास: सीजेआई

सुनवाई के दौरान स्पष्ट रूप से नाराज नजर आ रहे सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, पुस्तक की सामग्री के प्रथम दृष्ट्या अवलोकन और निदेशक से प्राप्त प्रशासनिक प्रतिक्रिया के साथ इसे पढ़ने पर ऐसा प्रतीत होता है कि एक गहरी साजिश के तहत न्यायपालिका के संस्थागत प्राधिकार को कमजोर करने और उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाने का एक सुनियोजित प्रयास किया गया है। सीजेआई ने कहा, उन्होंने आघात किया है। न्याय पालिका इससे आहत है। न्यायिक संस्था के प्रमुख के रूप में मेरा कर्तव्य है कि मैं पता लगाऊं कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है। दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। पुस्तक में शब्दों और अभिव्यक्तियों का चयन महज अनजाने में हुई गलती या त्रुटि नहीं हो सकता।

सुधारों का पुस्तक में नहीं किया जिक्र

शीर्ष अदालत ने उल्लेख किया कि पुस्तक में वर्णित विवरण में न्यायालय द्वारा शुरू की गई किसी भी परिवर्तनकारी पहल और उपायों का उल्लेख नहीं किया गया है, जिनमें न्याय तक सुगम पहुंच को सुव्यवस्थित करना और लोकतांत्रिक तानेबाने के संरक्षण में न्यायपालिका का महत्वपूर्ण योगदान भी शामिल है। इस न्यायालय द्वारा अतीत में भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी और सार्वजनिक धन के गबन आदि के लिए निंदा किए गए उच्च पदस्थ अधिकारियों की भारी संख्या को देखते हुए यह चुप्पी विशेष रूप से निंदनीय है।

मामले में कार्रवाई की जाएगी : प्रधान

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने एनसीईआरटी की आठवीं की पुस्तक में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पर अध्याय शामिल करने को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने जवाबदेही तय करने और पाठ्यक्रम के विवादास्पद अंश को तैयार करने में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का वादा किया। प्रधान ने इस बात पर जोर भी दिया कि सरकार न्यायपालिका का पूरा सम्मान करती है और इस संस्था का अनादर करने का उसका कोई इरादा नहीं है। जो कुछ हुआ है उससे मैं बहुत दुखी हूं।

- पीठ ने कहा, पुस्तक में अत्यंत लापरवाही, गैरजिम्मेदाराना, अपमानजनक तरीके से लिखी बातों पर गौर करने के बजाय एनसीईआरटी निदेशक ने अपने जवाब में सामग्री का बचाव किया।
- पीठ ने कहा कि यदि यह बेरोकटोक होने दिया गया तो न्यायपालिका की शुचिता और आम लोगों के बीच उसकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचेगी, इससे भी महत्वपूर्ण है कि बच्चों के मन पर इसका गहरा प्रभाव पड़ेगा।

ब्रीफ न्यूज

हवाई अड्डे पर 24 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने थाईलैंड से आए दो भारतीय यात्रियों के पास से 23.9 किलोग्राम संदिग्ध मादक पदार्थ जब्त किया है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 24 करोड़ रुपये है। आधिकारिक बयान के मुताबिक यात्री 22 फरवरी को टर्मिनल 3 पर पहुंचे जहां उन्हें आव्रजन क्षेत्र के ग्रीन चैनल पर रोका गया। उनके सामान की पहले एक्स-रे जांच और बाद में विस्तृत जांच की गई। तलाशी में हरे रंग के संदिग्ध मादक पदार्थ से भरी पॉलीथीन की 14 थैलियां बरामद की गई जिनमें से आठ एक ट्रॉली बैग में और छह दूसरे बैग में छिपाई गई थीं।

महाराष्ट्र में लव जिहाद कानून का मसौदा तैयार

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने कथित 'लव जिहाद' के मामलों को रोकने के मकसद से प्रस्तावित कानून का एक मसौदा तैयार किया है। विधि एवं न्यायपालिका विभाग ने मसौदा कानून को अंतिम रूप दे दिया है। सत्तारूढ़ दल के विधायकों की तरफ से जबरदस्ती, धोखाधड़ी या लालच देकर किए गए धर्म परिवर्तन को अपराध मानने के लिए एक सख्त कानून की मांग बढ़ रही थी। इसके जवाब में राज्य सरकार ने इस मामले की संवेदनशील प्रकृति को देखते हुए एक उच्च-स्तरीय समिति बनाई थी। कई भाजपा शासित राज्यों ने पहले ही धर्म परिवर्तन विरोधी कानून बना दिए हैं।

राकांपा की अध्यक्ष बनीं सुनेत्रा पवार

मुंबई। महाराष्ट्र में उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। उनके बड़े बेटे पार्थ पवार को जल्द ही राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किए जाने की संभावना है। यह आधिकारिक घोषणा वर्ली में आयोजित पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन 2026 के दौरान की गई। राकांपा प्रमुख रहे अजित पवार के असामयिक निधन के बाद पार्टी की कमान संभालने के लिए सुनेत्रा पवार के नाम का प्रस्ताव वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल ने रखा, जिसे सभी नेताओं ने सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया। पार्टी के नए संगठनात्मक ढांचे में कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल, प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे को शामिल किया गया है।

भारत-इजराइल के संबंधों का नया दौर

विशेष रणनीतिक साझेदारी की घोषणा

मोदी की यात्रा के दौरान कृषि, ऊर्जा और डिजिटल भुगतान के क्षेत्रों में 17 समझौते

- सैन्य उपकरणों के संयुक्त विकास और उत्पादन की दिशा में काम करेंगे दोनों देश

यरुशलम, एजेंसी

भारत और इजराइल ने बृहस्पतिवार को समय की कसौटी पर खरे साबित हुए संबंधों को एक विशेष रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक आगे बढ़ाया और पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते को जल्द ही अंतिम रूप देने पर सहमति व्यक्त की। मोदी और नेतन्याहू के बीच हुई वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने व्यापार, कृषि, ऊर्जा, साइबरस्पेस और डिजिटल भुगतान के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए 17 समझौतों पर हस्ताक्षर किए। विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के लिए 10 घोषणाएं की गईं। इनमें भारत की डिजिटल भुगतान प्रणाली यूपीआई को इजराइल में भी लागू करने का करार भी शामिल है।

भारत और इजराइल ने प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के ढांचे के तहत सैन्य उपकरणों के संयुक्त विकास और संयुक्त उत्पादन की दिशा में काम करके अपनी पहले से ही घनिष्ठ रक्षा साझेदारी का विस्तार करने का भी संकल्प लिया। साथ ही भारत और इजराइल ने आपसी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने की प्रतिबद्धता जताई है। यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गाजा शांति पहल का जोरदार समर्थन करते हुए कहा कि मानवता को कभी संघर्ष का शिकार नहीं बनना चाहिए। मीडिया बयान में मोदी ने कहा कि भारत का सुरक्षा हित पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता से जुड़ा है।

यरुशलम में प्रधानमंत्री मोदी और नेतन्याहू की मौजूदगी में किए गए समझौतों पर हस्ताक्षर।

उभरती प्रौद्योगिकियों की साझेदारी की भी घोषणा

प्रधानमंत्री मोदी ने एआई, क्वांटम तकनीक और महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्रों में सहयोग को नई गति देने के लिए महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों की साझेदारी की स्थापना की भी घोषणा की। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि इजराइल में यूपीआई के उपयोग के लिए एक समझौता हो गया है। भारत और इजराइल के बीच भारत-पश्चिम एशिया यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) के कार्यान्वयन और आई2यू2 (भारत-इजराइल-यूएई-अमेरिका) के ढांचे के तहत सहयोग पर भी चर्चा हुई।

मोदी की झप्पी पूरी दुनिया में अब मशहूर: नेतन्याहू

इजराइली संसद नेसेट में अपने भाषण में नेतन्याहू ने 'मोदी झप्पी' शब्द का प्रयोग किया। नेतन्याहू ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का व्यक्तिगत रूप से गले मिलना कुछ खास है और इसे पूरी दुनिया में अब 'मोदी झप्पी' के नाम से जाना जाता है। उन्होंने कहा कि जब आप किसी को इतने करीब से गले लगाते हैं तो पता चलता है कि यह वास्तविक है। नेसेट में जोरदार तालियों के बीच नेतन्याहू ने कहा कि वह यह 'झप्पी' वापस लौटाना चाहते हैं।

भारत रवाना हुए मोदी

प्रधानमंत्री मोदी इजराइल की यात्रा समाप्त करने के बाद बृहस्पतिवार को भारत के लिए रवाना हो गए। इससे मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि भारत-इजराइल साझेदारी आने वाले वर्षों में नई ऊंचाइयों को छूती रहेगी।

रणनीतिक साझेदारी का नया इतिहास रचेंगे यूपी-जापान

- यामानाशी के गवर्नर का 200 जापानी सीईओ के साथ अगस्त में यूपी दौरे का प्रस्ताव
- ग्रीन हाइड्रोजन, उद्योग व तकनीक पर एमओयू को सीएम योगी ने बताया ऐतिहासिक

योगी ने यामानाशी में फैनुक कॉर्पोरेशन का दौरा किया।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश और जापान के यामानाशी प्रांत के बीच रणनीतिक साझेदारी की पहल हुई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जापान दौरे के दौरान गुरुवार को यामानाशी प्रांत के गवर्नर कोटारो नागासाकी ने 200 जापानी सीईओ के साथ अगस्त में यूपी का दौरा करने का प्रस्ताव दिया, जिसका योगी ने स्वागत किया। इसे प्रदेश में निवेश, तकनीकी साझेदारी व औद्योगिक विस्तार के लिए बड़ा संकेत माना जा रहा है।

इस दौरान उत्तर प्रदेश सरकार और यामानाशी प्रांत के बीच उद्योग, पर्यटन, व्यावसायिक शिक्षा और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे भावी क्षेत्रों में सहयोग को लेकर एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इसमें स्वच्छ ऊर्जा नवाचार, तकनीकी आदान-प्रदान और मानव संसाधन विकास को प्राथमिकता दी गई है। मुख्यमंत्री ने बताया, आईआईटी कानपुर को ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जा रहा है। यह पहल राज्य को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाएगी।

उत्तर प्रदेश में निवेश का निमंत्रण

यामानाशी में आयोजित यूपी इन्वेस्टमेंट रोड शो के दौरान गुरुवार को मुख्यमंत्री ने जापानी उद्योग जगत को उत्तर प्रदेश में निवेश का आमंत्रण दिया। कहा, प्रदेश के उच्च तकनीकी संस्थानों के छात्र जापान में प्रशिक्षण लेगें और सीखी गई तकनीक को प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में लागू किया जाएगा।

ग्रीन हाइड्रोजन भविष्य का आधार

मुख्यमंत्री ने यामानाशी स्थित अत्याधुनिक हाइड्रोजन संयंत्र का दौरा किया। उन्होंने पावर-टू-गैस प्रणाली को नजदीक से देखा और विशेषज्ञों से इसकी कार्यप्रणाली की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मॉडल स्वच्छ ऊर्जा और हरित विकास की दिशा में उत्तर प्रदेश के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा।

अनिल अंबानी से ईडी ने की नौ घंटे पूछताछ, सीबीआई ने ठोंका नया केस

नई दिल्ली। बैंक धोखाधड़ी मामले में अनिल अंबानी बृहस्पतिवार को ईडी के समक्ष पेश हुए। उनसे नौ घंटे पूछताछ के साथ उनका बयान दर्ज किया गया। इस बीच सीबीआई ने अंबानी एवं रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) के खिलाफ 2013-17 के दौरान बैंक ऑफ बड़ौदा से कथित धोखाधड़ी कर बैंक को 2,220 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान पहुंचाने के आरोप में नया मामला दर्ज किया है।

ईडी ने पूछताछ के लिए अंबानी को शुक्रवार को भी तलब किया है। यह जांच उनकी कंपनी आरकॉम द्वारा 40,000 करोड़ की बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले से संबंधित है। उधर, सीबीआई ने नया मामला दर्ज कर अनिल अंबानी के आवास और रिलायंस कम्युनिकेशन के पंजीकृत कार्यालयों पर छापेमारी कर ऋण लेनदेन से जुड़े कई दस्तावेज बरामद किए। सीबीआई के प्रवक्ता के मुताबिक यह मामला मंगलवार को बैंक से मिली शिकायत पर दर्ज किया गया है।

- बैंक ऑफ बड़ौदा ने की थी सीबीआई से 2,220 करोड़ की धोखाधड़ी की शिकायत

अफगानिस्तान का पाकिस्तान पर बड़ा जवाबी हमला

पाकिस्तान की 19 चौकियों पर कब्जे के साथ 55 सैनिकों को ढेर करने का दावा

काबुल/इस्लामाबाद, एजेंसी

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने गुरुवार रात डूरंड लाइन के पास पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों और प्रतिष्ठानों के खिलाफ बड़े पैमाने पर आक्रामक अभियान शुरू करने की घोषणा की है। अफगान रक्षा मंत्रालय और सैन्य अधिकारियों का दावा है कि उन्होंने पाकिस्तान की 19 अग्रिम चौकियों पर कब्जा कर लिया है। पाकिस्तान के करीब 55 सैनिक मारे गए हैं और कई सैनिकों को जिंदा पकड़ा गया है।

तालिबान के प्रवक्ता जबिहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि यह कार्रवाई पाकिस्तानी सेना की ओर से अफगान क्षेत्र में बार-बार हवाई हमलों के जवाब में की गई है। पूर्वी प्रांतों नंगरहार, कुनार और पक्तिया में भारी संघर्ष की खबरें हैं। फर्स्ट पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, तालिबान ने कई पाकिस्तानी सैनिकों को मारने और कुछ को बंदी बनाने का भी दावा किया है।

अफगान पक्ष ने इस अभियान में लेजर-गाइडेड सिस्टम से लैस विशेष इकाइयों का उपयोग करने की बात कही है। पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय ने इन हमलों को बिना उकसावे की फायरिंग करार दिया है और कहा है कि पाकिस्तानी सैनिकों ने जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी है। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी पहाड़ी इलाकों में दो घंटे से अधिक समय तक भीषण गोलाबारी जारी रही।

- पाकिस्तान के हवाई हमलों के जवाब में कार्रवाई, सीमा पर भीषण जंग

पाकिस्तान ने कहा- हमले का दे रहे हैं कड़ा जवाब

पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि अफगानिस्तान ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा के कई स्थानों पर बिना उकसावे के गोलीबारी की है। इस कार्रवाई का पाकिस्तान के सुरक्षा बलों द्वारा तत्काल और प्रभावी तरीके से जवाब दिया जा रहा है। पाकिस्तान ने भी अफगान पक्ष को भारी नुकसान का दावा किया है।

कर्ज में डूबे फरीदपुर के व्यापारी ने जहरीला पदार्थ खाकर जान दी

संवाददाता, फरीदपुर,

अमृत विचार : कर्ज में डूबे किराना व्यापारी ने बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र के रजऊ परसपुर में पहुंचकर जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने व्यापारी का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करने के बाद परिजनों को सौंप दिया।

फरीदपुर नगर के मोहल्ला महादेव निवासी किशन लाल (46) की रामलीला मैदान के सामने किराने की दुकान है। परिजनों के अनुसार बुधवार को रोज की तरह किशनलाल अपनी दुकान खोलने के लिए घर से निकले और शाम तक वापस नहीं आए। परिजनों ने काफी तलाश किया, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लगा फोन भी बन्द जा रहा था। परिजन काफी परेशान हो गए। परिजनों को गुरुवार को किशन लाल का शव रजऊ परसपुर में शव पड़े होने की सूचना मिली। रोते बिलखते परिजन मौके पर पहुचे तो उनके होश उड गए।

परिवार के लोगों ने बताया किशन पर कर्जा होने के कारण कर्ज वापस के लिए तकादा करने वाले उसे परेशान करते थे। व्यापारी ने जहर खाकर आत्महत्या भी कर ली। व्यापारी की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

किशन लाल (फाइल)

- घर से निकलकर रजऊ परसपुर पहुंच कर खा लिया जहर
- पुलिस ने परिजनों को सूचना देने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया

बड़ी राहत | डीजीसीए ने किया नियमों में संशोधन, एयरलाइन कंपनियों को 14 दिन के अंदर रिफंड करने का निर्देश

हवाई टिकट बुकिंग 48 घंटे में रद्द करने पर पूरा पैसा वापस

नई दिल्ली, एजेंसी

विमान यात्री अब बुकिंग के 48 घंटों के भीतर बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के हवाई टिकट रद्द करा सकेंगे या उसमें बदलाव कर सकेंगे। नागर विमानन नियामक डीजीसीए ने कुछ शर्तों के साथ टिकट किराया वापसी के नियमों में संशोधन किया है। एयरलाइन कंपनियों को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया है कि पैसे वापस करने की प्रक्रिया 14 कार्य दिवसों के भीतर पूरी हो जाए।

डीजीसीए ने यह भी कहा है कि यदि यात्री बुकिंग के 24 घंटों के भीतर नाम में किसी प्रकार की गलती को बताता है और टिकट सीधे एयरलाइन की वेबसाइट के माध्यम से बुक किया गया है तो एयरलाइन कंपनियों को उसी व्यक्ति के नाम पर सुधार के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लेना चाहिए। डीजीसीए ने साफ किया है कि ट्रैवल एजेंट या पोर्टल के माध्यम से टिकट खरीदने की स्थिति में भी पैसे वापसी की जिम्मेदारी एयरलाइन कंपनियों की होगी क्योंकि एजेंट उनके नियुक्त प्रतिनिधि होते हैं। इसके अलावा, चिकित्सा आपात स्थिति के कारण यात्रियों के टिकट रद्द करने के नियमों में भी बदलाव किए गए हैं। संशोधित नियम 24 फरवरी को जारी किए गए थे। नियामक ने कहा, 48 घंटे के अंदर यात्री बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के टिकट रद्द या संशोधित कर सकते हैं। लेकिन जिस संशोधित उड़ान के लिए टिकट लेना चाहते हैं, उसके किराये में जो अंतर है, वह देना होगा।

समय पर रिफंड न मिलने की बढ़ती शिकायतों को देखते हुए ये संशोधन किए गए हैं। अनुसूचित विमानन कंपनियों को दिसंबर 2025 में यात्रियों से संबंधित कुल 29,212 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 7.5 प्रतिशत रिफंड से संबंधित थीं।

घरेलू उड़ानों में 7, अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों में 15 दिन से कम समय होने पर राहत नहीं

डीजीसीए ने कहा, जब टिकट सीधे एयरलाइन की वेबसाइट से बुक किया जाता है, यह सुविधा उन उड़ानों के लिए उपलब्ध नहीं होगी जिनकी प्रस्थान तिथि घरेलू उड़ानों के मामलों में बुकिंग की तारीख से सात दिन से कम और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए 15 दिन से कम है। बुकिंग समय के 48 घंटे बाद यह विकल्प उपलब्ध नहीं होगा और यात्री को संशोधन के लिए टिकट रद्द कराने को लेकर संबंधित शुल्क का भुगतान करना होगा।

चिकित्सा आपात स्थिति में भी कंपनियां करेंगी पैसा वापस या देना होगा क्रेडिट का विकल्प

चिकित्सा आपात स्थिति के कारण टिकट रद्द होने पर कंपनी पैसा लौटा सकती है या 'क्रेडिट' विकल्प दे सकती हैं। यदि यात्री या उसी पीएनआर में सूचीबद्ध कोई सदस्य यात्रा के दौरान अस्पताल में भर्ती होता है तो यह नियम लागू होगा। अन्य परिस्थितियों में यात्री की फिटनेस का प्रमाण पत्र एयरलाइन के एयरोस्पेस मेडिसिन विशेषज्ञ/डीजीसीए द्वारा सूचीबद्ध एयरोस्पेस मेडिसिन विशेषज्ञ से प्राप्त होने के बाद पैसे वापस किए जाएंगे।

न्यूज ब्रीफ

हर जिले में विकसित होंगे 100 मॉडल तालाब

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश के हर जिले में 100-100 तालाबों को 'मॉडल तालाब' के रूप में विकसित किया जाएगा। इन तालाबों को ग्रे वाटर और प्लास्टिक मुक्त बनाया जाएगा, जिससे जल गुणवत्ता सुधरेगी और मच्छरजनित बीमारियों में कमी आएगी। ग्रामीण क्षेत्रों में तालाब केवल जल संग्रहण का साधन नहीं, बल्कि भू-जल रिचार्ज, सिंचाई, जैव विविधता संरक्षण और सामाजिक गतिविधियों के प्रमुख केंद्र रहे हैं। लेकिन बीते वर्षों में प्लास्टिक अपशिष्ट और घरेलू ग्रे वाटर (स्नान, रसोई व कपड़े धोने से निकला पानी) सीधे तालाबों में जाने से जल प्रदूषण बढ़ा है, जिसका सीधा असर ग्रामीण स्वास्थ्य और पर्यावरण पर पड़ा है। इसी चुनौती को देखते हुए स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत पंचायती राज विभाग ने मॉडल तालाब विकसित करने की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। पंचायती राज निदेशक अमित कुमार सिंह के अनुसार, चयनित तालाब के चारों ओर नो-प्लास्टिक जोन घोषित किया जाएगा और ग्राम पंचायत से प्लास्टिक न फेंकने का प्रस्ताव पारित कराया जाएगा। तालाब में गिरने वाली नालियों पर प्लास्टिक ट्रैप जाली और फिल्टर चैंबर लगाए जाएंगे। वहीं, ग्रे वाटर के उपचार के लिए नालियों के अंतिम सिरे पर बायो-फिल्टर सिस्टम विकसित किया जाएगा, जिसमें कंकड़, रेत और केली-केना जैसे पौधों का उपयोग होगा। इससे पानी प्राकृतिक रूप से शुद्ध होकर तालाब में पहुंचेगा।

सीधे जनता से हो जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव

अमृत विचार, लखनऊ : आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव बैलेट पेपर से कराने के साथ इसबार जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव सीधे जनता से कराने की मांग उठाई। उनका कहना है कि मतदान बैलेट पेपर से होने पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष बन सके। उन्होंने यूजीसी के मुद्दे पर भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि 'बांटो और राज करो' की राजनीति कर रही है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए गुरुवार को सांसद संजय सिंह ने कहा कि मौजूदा व्यवस्था में जनता की सीधी भागीदारी नहीं है, जिससे जनादेश कमजोर होता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सत्ता के दुरुपयोग के जरिए जिला पंचायत चुनावों को प्रभावित करती है। अगर सरकार वास्तव में लोकतंत्र में विश्वास रखती है, तो जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव जनता से कराए और बैलेट से मतदान सुनिश्चित करे।

अफसरों की गोपनीय रिपोर्ट होगी डेटा आधारित

अमृत विचार, लखनऊ : शासन ने अधिकारियों की वार्षिक गोपनीय प्रविष्टि (एसीआर) प्रणाली में बड़ा बदलाव करते हुए इसे पूरी तरह डेटा आधारित बनाने का निर्णय लिया है। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने गुरुवार को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि अब केवल सामान्य टिप्पणी नहीं, बल्कि लंबित मामलों, नए वादों और निस्तारित प्रकरणों की संख्या (डेटा) को एसीआर का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाएगा। शासनादेश के अनुसार यह व्यवस्था भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और उत्तर प्रदेश सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा/पीसीएस) के सभी अधिकारियों पर लागू होगी। अधिकारियों को अब स्पैरो पोर्टल पर अपनी वार्षिक गोपनीय प्रविष्टि के लिए स्व-मूल्यांकन करते समय यह डेटा अनिवार्य रूप से दर्ज करना होगा। मुख्य सचिव ने आदेश में कहा है कि रिपोर्टिंग अधिकारी, समीक्षा अधिकारी, स्वीकृति अधिकारी तीनों को अधिकारी द्वारा दर्ज किए गए लंबित, नए और निस्तारित मामलों के डेटा को संज्ञान में लेते हुए ही अपना मूल्यांकन करना होगा।

सिंगापुर से जापान तक 'महाराज' का डंका

अभूतपूर्व सफलता से भरा रहा योगी का दौरा, 1.5 लाख करोड़ के एमओयू, 2.5 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सिंगापुर और जापान का चार दिवसीय विदेश दौरा निवेश, तकनीक और वैश्विक साझेदारी के लिहाज़ से अभूतपूर्व रूप से सफल रहा। इस दौरान हुए उच्चस्तरीय निवेश संवादों में उत्तर प्रदेश सरकार ने 1.5 लाख करोड़ के समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए, जबकि 2.5 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। यह दौरा वर्ष 2029-30 तक उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में एक निर्णायक उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

जापान दौरे के दौरान कृषि मशीनरी, ऑटोमोबाइल, सेमीकंडक्टर, ग्रीन हाइड्रोजन, डेटा सेंटर, लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग जैसे भविष्य के क्षेत्रों में बड़े निवेश प्रस्ताव सामने आए। जापान में जिन प्रमुख कंपनियों के साथ एमओयू हस्ताक्षरित हुए, उनमें कुबोटा कॉरपोरेशन, स्पार्क मिंडा (टोयो डेन्सो के सहयोग से), जापान एविएशन इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री और नागासे एंड कंपनी लिमिटेड शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, बी 2जी (सरकार से सरकार) बैठकों में सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन, होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड, कोनोइके ट्रांसपोर्ट कंपनी लिमिटेड, मित्सुई एंड कंपनी लिमिटेड, रैपिडस कॉरपोरेशन, मारुबेनी कॉरपोरेशन, सुमितोमो रियलिटी एंड डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड और एमयूएफजी बैंक जैसी दिग्गज कंपनियों ने सहभागिता की। इन कंपनियों ने उत्तर प्रदेश को एशिया का उभरता हुआ निवेश केंद्र बताते हुए राज्य में दीर्घकालिक निवेश में रुचि जताई।

जापान दौरे की एक बड़ी उपलब्धि के रूप में ग्रीन हाइड्रोजन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की घोषणा की गई। यह केंद्र यूनिवर्सिटी ऑफ यामानाशी, यामानाशी हाइड्रोजन कंपनी, आईआईटी कानपुर, हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी, आईआईटी बीएचयू और मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सहयोग से स्थापित किया जाएगा। इससे स्वच्छ ऊर्जा, तकनीकी अनुसंधान और कौशल विकास को नई दिशा मिलेगी।

'जापान सिटी' और ऑटो क्लस्टर की योजना

- यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में 500 एकड़ में 'जापान सिटी' विकसित की जाएगी, जहां जापानी कंपनियों के लिए विशेष औद्योगिक वातावरण तैयार होगा। इसके साथ ही ऑटो ओईएम और कंपोनेंट निर्माताओं के लिए डेडिकेटेड ऑटो क्लस्टर और आरएंडडी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। 'इन्वेस्ट यूपी' में जापान डेस्क को और मजबूत किया जाएगा, जिसकी निगरानी सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा की जाएगी। मुख्यमंत्री ने एल-जीरो सीरीज मैग्लेव ट्रेन की यात्रा और फानुक कॉरपोरेशन के रोबोटिक्स व फैक्ट्री ऑटोमेशन संयंत्र का भी दौरा किया। फानुक ने उत्तर प्रदेश में निवेश और एमएसएमई सेक्टर के तकनीकी उन्नयन में सहयोग की इच्छा जताई।

सिंगापुर में भी मिला निवेशकों का भरोसा

- सिंगापुर में आयोजित इन्वेस्टर रोड शो के दौरान एमआरओ, कार्गो हब, सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर, लॉजिस्टिक्स, स्किलिंग और फिनटेक क्षेत्रों में व्यापक सहयोग पर सहमति बनी। विशेष रूप से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) को एमआरओ और कार्गो हब के रूप में विकसित करने पर सकारात्मक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री के इस दौरे ने यह स्पष्ट कर दिया है कि उत्तर प्रदेश आज वैश्विक निवेश मानचित्र पर मजबूत उपस्थिति दर्ज करा चुका है। 1.5 लाख करोड़ के एमओयू और 2.5 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव इस बात का प्रमाण हैं कि प्रदेश का वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी का लक्ष्य अब ठोस धरातल पर आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जापान दौरे के दौरान गुरुवार को यामानाशी प्रांत में दुनिया की अत्याधुनिक सुपरकंडक्टिंग मैग्लेव हाई-स्पीड ट्रेन की सवारी की, जो परीक्षण के दौरान 500 किलोमीटर प्रतिघंटा तक की रफ्तार हासिल करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इतनी तेज गति के बावजूद ट्रेन बेहद स्थिर, सुरक्षित और आरामदायक रही।

निवेश प्रस्तावों से 5 लाख से अधिक रोजगार की उम्मीद

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि चार दिवसीय सिंगापुर और जापान दौरा रोजगार, निवेश और तकनीकी साझेदारी के लिहाज से ऐतिहासिक साबित हुआ है। इस विदेश यात्रा के दौरान प्रदेश सरकार को कुल 1.5 लाख करोड़ के एमओयू और लगभग 2.5 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इन निवेश प्रस्तावों के धरातल पर उतरने से प्रदेश में 5 लाख से अधिक युवाओं के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने बताया कि जापान में 90 हजार करोड़ के एमओयू और करीब 1.5 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव, जबकि सिंगापुर में 60 हजार करोड़ के एमओयू और लगभग 1 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन सभी समझौतों और प्रस्तावों को इन्वेस्ट यूपी और अन्य संबंधित विभाग समयबद्ध ढंग से लागू करेंगे, ताकि रोजगार सृजन का लाभ शीघ्र जमीन पर दिख सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह यात्रा केवल समझौतों तक सीमित नहीं है, बल्कि टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, स्किलिंग और औद्योगिक निवेश के जरिए प्रदेश के युवाओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने का माध्यम बनेगी। जापान और सिंगापुर दोनों देशों ने युवाओं के प्रशिक्षण, कौशल विकास और एमएसएमई सेक्टर में तकनीकी सहयोग के लिए सकारात्मक रुख दिखाया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि यामानाशी के गवर्नर अगस्त माह में लगभग 200 जापानी सीईओ के साथ उत्तर प्रदेश का दौरा करेंगे, जिससे निवेश प्रस्तावों को अंतिम रूप मिलेगा और रोजगार सृजन की प्रक्रिया तेज होगी।

आईटीबी बर्लिन में दिखेगी यूपी पर्यटन की सशक्त मौजूदगी

- 60 वर्षों की गौरवशाली विरासत के वैश्विक उत्सव में उत्तर प्रदेश का भव्य प्रदर्शन
- एडवेंचर, वेलनेस, मेडिकल से लेकर लग्जरी टूरिज्म तक दिखेगा यूपी पर्यटन विजन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः विश्व पर्यटन उद्योग के सबसे प्रतिष्ठित मंच आईटीबी बर्लिन में उत्तर प्रदेश अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, विविध पर्यटन सर्किट और आधुनिक पर्यटन संभावनाओं के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सशक्त उपस्थिति दर्ज कराने जा रहा है। जर्मनी की राजधानी बर्लिन में 3 से 5 मार्च तक आयोजित होने वाले इस तीन दिवसीय आयोजन में उत्तर प्रदेश पर्यटन वैश्विक पर्यटन विशेषज्ञों, निवेशकों और नीति-निर्माताओं से सीधा संवाद करेगा।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि आईटीबी बर्लिन-2026 का आयोजन बर्लिन एक्सपो सेंटर सिटी, मेसे डैम-22 में किया जाएगा। वर्ष 1966 से आयोजित हो रहा आईटीबी बर्लिन इस बार अपने 60 वर्षों की गौरवशाली विरासत का उत्सव मना रहा है। मंत्री ने कहा कि इस वैश्विक मंच पर उत्तर प्रदेश अपने पर्यटन विजन और निवेश संभावनाओं के साथ दुनिया से संवाद करेगा। उन्होंने बताया कि आईटीबी बर्लिन-2026 की थीम "डिस्कवर द स्टोरीज बिहाइंड 60 इयर्स ऑफ लेगेसी" रखी गई है, जो वैश्विक पर्यटन उद्योग की यात्रा, नवाचार, साझेदारी और भविष्य की दिशा को एक साथ प्रस्तुत करती है। यह थीम अतीत की विरासत को सम्मान देने के साथ-साथ आने वाले वर्षों की रूपरेखा तय करने का भी संदेश देती है।

बदलती प्राथमिकताओं के अनुसार प्रदर्शनी

- आईटीबी बर्लिन-2026 में प्रदर्शनी को पारंपरिक पर्यटन तक सीमित न रखकर एडवेंचर टूरिज्म, बिजनेस ट्रैवल, एलजीबीटीक्यू ट्रैवल, लग्जरी ट्रैवल, मेडिकल टूरिज्म और ट्रैवल टेक्नोलॉजी जैसे विविध सेगमेंट्स में विभाजित किया गया है। इसका उद्देश्य बदलती वैश्विक प्राथमिकताओं और यात्रियों की नई अपेक्षाओं को मंच प्रदान करना है। जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश पर्यटन का भव्य पवेलियन इस आयोजन का प्रमुख आकर्षण होगा। पवेलियन में अंग्रेजी और स्थानीय भाषा में साइनेज, रचनात्मक डिस्प्ले, वीवीआईपी लाउंज, हस्तशिल्प, कलाकृतियां और ओडीओपी को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा। इसके साथ ही पर्यटन विभाग की वेबसाइट्स, मोबाइल एप्लीकेशन, पर्यटन सर्किट, वेलनेस और मेडिकल टूरिज्म की भी व्यापक प्रस्तुति की जाएगी।

11 करोड़ नकद, जेवर, महंगी घड़ियां और बेनामी संपत्तियों के दस्तावेज मिले

बसपा विधायक पर एक हजार करोड़ की टैक्स चोरी करने की आशंका

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः बलिया के रसड़ा से बसपा के इकलौते विधायक उमाशंकर सिंह और उनके नजदीकियों कि ठिकानों पर दूसरे दिन भी आयकर विभाग की कार्रवाई जारी रही। सूत्रों का दावा है कि अभी तक 11 करोड़ से अधिक नकद बरामद हुए हैं, वहीं काफी मात्रा में जेवर, महंगी घड़ियों के साथ ही लेनदेन और करोड़ों की बेनामी संपत्तियों के दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं। विधायक द्वारा किए कारोबार में करीब एक हजार करोड़ रुपए के टैक्स चोरी की भी आशंका व्यक्त की जा रही है। हालांकि आयकर विभाग की ओर से अधिकारिक तौर पर पुष्टि नही की गई है। छापेमारी के दौरान पुलिस का कड़ा पहरा रहा।

आयकर विभाग की टीम ने बुधवार को बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के लखनऊ के विपुलखंड स्थित आवास के साथ ही बलिया, कौशांबी, सोनभद्र के ठिकानों के साथ ही मिजार्पुर और प्रयागराज में सहयोगियों के कई ठिकानों पर छापा मारा था। यह कार्रवाई दूसरे दिन भी जारी रही। बुधवार की रात करीब 11 बजे विधायक के लखनऊ स्थित आवास से तो कार्रवाई समाप्त कर दी गई, लेकिन विपुलखंड में ही स्थित छात्र शक्ति कंस्ट्रक्शन कंपनी के कारपोरेट आफिस में पहुंच कर टीम ने जांच शुरू कर दी। बलिया स्थित विधायक के गांव खनवर स्थित आवास के साथ ही रसड़ा स्थित होटल स्काई के अलावा विधायक के खास लोगों में शुमार भूपेन्द्र सिंह और प्रवीण सिंह के यहां पर छापेमारी की गई। सोनभद्र में साईराम इंटर प्राइजेज के साथ ही ठेकेदार के फैजी के ठिकानों पर भी कार्रवाई जारी रही। इसके अलावा सोनभद्र में अन्य खनन कारोबारी जो कि किसी न किसी रूप में विधायक से जुड़े रहे उन सभी के यहां पर भी छापेमारी जारी रही।

भाजपा के छापे सरकारी डकैती होते हैं

- बसपा प्रमुख मायावती और योगी सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह के बाद अब अखिलेश यादव भी बसपा विधायक के समर्थन में उतर आए हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा कि भाजपा के छापे लोगों के कमाए गए पैसों को लूटने के काम करते हैं। भाजपाई जहां भी देखते हैं कि कहीं धन-दौलत जमा होने की संभावना हैं, वहीं एजेसियां लेकर पहुंच जाते हैं। भाजपाई ह्दयहीन हैं, इसलिए संवेदनहीन भी हैं।

डायरी खोलेगी सत्ता और सियासत की सांठगांठ का सच

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के यहां छापे में नकदी, जेवर के साथ ही कथित तौर पर एक डायरी भी मिली है। डायरी में जहां शासन और प्रशासन के कई बड़े अफसरों को लेन-देन का ब्यौरा है, वहीं कई नौकरशाहों की ब्लैक मनी भी खनन और ठेकों में एडजस्ट करने के दस्तावेज भी मिले हैं। साफ है कि डायरी में एक तरह से सत्ता और सियासत की सांठगांठ का सच दर्ज है। उधर डायरी मिलने की खबर फैलने के साथ ही कई अफसरों और सफेदपोशों की बैचेनी बढ़ती जा रही है।

विधायक उमाशंकर सिंह ने जब से सियासत में कदम रखा, तब से उनके रसूख के साथ ही संपत्ति भी अमरबेल की तरह बढ़ती रही। विधायक बनने के बाद तो संपत्तियों में काफी इजाफा होता रहा। उनके रसूख का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि भले ही वह बसपा से तीन बार के विधायक हैं, लेकिन सत्ता चाहे सपा की रही हो या फिर भाजपा की। उनसे संबंधित कंपनियों को सड़क निमार्ण के साथ ही खनन के ठेके भी मिलते रहे हैं। यहां तक कि नियमों को ताक पर रखकर भी ठेके दिए जाते रहे। सपा सरकार में जहां वह एक कद्दावर मंत्री के ठेकों में पार्टनर रहे, वहीं अगस्त 2025 में उमाशंकर सिंह से जुड़ा पत्थर खनन का मामला सामने आया था। उमाशंकर की पत्नी की कंपनी छात्र शक्ति इंफ्रा कंस्ट्रक्शन ने सोनभद्र में खनन का पट्टा लिया था। कंपनी ने 3,000 रुपए प्रति घनमीटर के रेट से पत्थर खनन का का पट्टा लिया था, जबकि रायल्टी दर 160 रुपए प्रति घनमीटर थी। आरोप लगा था उमाशंकर की पत्नी की कंपनी ने 33,604 घनमीटर गिट्टी का अवैध खनन किया था। यदि नीलामी की दर से वसूली होती तो कंपनी को करीब दस करोड़ की धनराशि सरकारी खजाने में देनी होती। इससे सरकारी खजाने को काफी नुकसान पुहंचा। अब सवाल यह है कि यह रेट और रायल्टी के खेल बिना किसी आला नौकरशाही और कद्दावर सफेदपोश के वरदहस्त बगैर नहीं सकता। इसी तरह के कई अन्य मामले हैं, जोकि विवादों में रहे। उमाशंकर सिंह से जुड़े नेताओं और अफसरों को खुद के घिरने की चिंता सता रही है। यही कारण हैं कि छापे के दूसरे दिन भी छात्र शक्ति कंपनी के कारपोरेट आफिस के बाहर महंगी गाड़ियों से लोग आते रहे। बाहर से ही छापे की अपने तरीके से जानकारी ली और चलते बने।

विधायक के बेटे ने कहा: हम पूरा सहयोग कर रहे हैं

- विधायक उमाशंकर सिंह के बेटे प्रिंस युकेश सिंह ने गुरुवार को चुप्पी तौड़ी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया कि कल गोमतीनगर आवास पर इनकम टैक्स विभाग की ओर से जांच की गई। उनके पिता, वह स्वयं और परिवार के अन्य सदस्य विभाग के अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग कर रहे हैं। इनकम टैक्स अधिकारी भी पूरी प्रक्रिया में सहयोग कर रहे हैं।

छापे के पीछे कौन

- **अमृत विचार :** विधायक के साथ ही मैनेजमेंट में माहिर माने जाने वाले उमाशंकर सिंह के यहां छापा पड़ा है तो तमाम सवाल उठ रहे हैं। इसमें अहम सवाल यह है कि आखिरकार बसपा बसपा विधायक के यहां आयकर के छापे के पीछे कौन हैं? ऐसी कौन सी बड़ी शक्ति है, जिसके इशारे पर बसपा प्रमुख मायावती के सबसे खास रहे विधायक के यहां कार्रवाई हुई। वह भी जब विपक्ष बसपा को कथित तौर पर भाजपा की बी टीम बताता रहा है। हालांकि सरसरी तौर पर पत्थर खनन में कैग की रिपोर्ट और विजीलेंस की जांच को ही छापे के पीछे असल वजह माना जा रहा है, लेकिन लोगों के गले से यह बात नहीं उतर पा रही है।

मानचित्र स्वीकृति से बढ़ी जिला पंचायतों की आय

अमृत विचार, लखनऊः प्रदेश में जिला पंचायतों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में योगी सरकार के प्रयास असर दिखाने लगे हैं। ग्रामीण और अर्द्धशहरी क्षेत्रों में भवन निर्माण के लिए मानचित्र स्वीकृति की प्रक्रिया को सख्ती और पारदर्शिता के साथ लागू किए जाने से जिला पंचायतों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2025 से जनवरी 2026 तक जिला पंचायतों द्वारा 2883 मानचित्र स्वीकृत किए गए, जिससे 57.42 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है।

सरकार के निर्देश पर जिला पंचायतों ने अपने-अपने क्षेत्रों में भवन निर्माण से पूर्व मानचित्र स्वीकृति को अनिवार्य कर दिया है। पहले बड़ी संख्या में लोग बिना स्वीकृति के निर्माण करा लेते थे, जिससे न केवल नियोजन प्रभावित होता था बल्कि पंचायतों को राजस्व की हानि भी होती थी।

असाध्य रोगियों के मुफ्त इलाज को 30.11 करोड़ मंजूर

- चार बड़े चिकित्सा संस्थानों कानपुर, लखनऊ, आगरा और सहारनपुर को धन आवंटित
- उपयोगिता प्रमाणपत्र व लाभार्थी सूची अनिवार्य, सख्त शर्तों के साथ आदेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः प्रदेश सरकार ने गुरुवार को वित्तीय वर्ष 2025-26 में असाध्य रोगों से ग्रसित मरीजों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 30.11 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। यह स्वीकृति पुनर्विनियोग के माध्यम से चार बड़े चिकित्सा संस्थानों कानपुर, लखनऊ, आगरा और सहारनपुर को दी गई है।

शासन ने उपयोगिता प्रमाणपत्र व लाभार्थी सूची अनिवार्य करते हुए सख्त शर्तों के साथ धन खर्च करने का आदेश दिया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग विशेष सचिव कृतिका शर्मा की ओर से जारी शासनादेश के अनुसार यह धनराशि अनुदान संख्या-31 के अंतर्गत 2210-चिकित्सा एवं लोक स्वास्थ्य शीर्ष के तहत "असाध्य रोगों के इलाज हेतु निःशुल्क चिकित्सा सुविधा" मद में स्वीकृत की गई है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह धन केवल निर्धारित मदों में और नियमों के अनुरूप ही व्यय किया जाएगा। शासनादेश में यह भी उल्लेख है कि इससे पूर्व सरोजनी नायडू चिकित्सालय, आगरा अपर इंडिया शुगर एक्सचेंज प्रसूति चिकित्सालय, कानपुर संक्रामक रोग चिकित्सालय, कानपुर तथा मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर आदि के लिए वेतन, महंगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता, विद्युत देय और जल प्रभार मदों से पुनर्विनियोग कर धनराशि उपलब्ध कराई गई थी, जिसके उपरांत कुल व्यवस्था को असाध्य रोगियों के उपचार से जोड़ा गया है। कहा गया है कि अगली किश्त तभी जारी होगी, जब उपयोगिता प्रमाणपत्र और लाभार्थियों की सूची शासन को उपलब्ध कराई जाएगी।

इन संस्थानों को मिली धनराशि

- हृदय रोग संस्थान, कानपुर – 19.86 करोड़
- डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ – 6 करोड़
- राजकीय मेडिकल कॉलेज, आगरा – 4 करोड़
- राजकीय मेडिकल कॉलेज, सहारनपुर – 25 लाख

50 हजार का इनामी गो-तस्कर वाराणसी से गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊः एसटीएफ ने 50 हजार के इनामी गो-तस्कर को वाराणसी के लोहता से गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ चंदौली में दो वर्ष पूर्व एफआईआर दर्ज की गई थी। तभी से फरार चल रहा था। आरोपी पर पुलिस ने इनाम घोषित किया था। एसटीएफ के मुताबिक बुधवार देर रात को विशेष ऑपरेशन के दौरान आरोपी मो. अशरद को गिरफ्तार किया गया है। एसटीएफ के डिप्टी एसपी शैलेश प्रताप सिंह के मुताबिक पकड़ा गया गो-तस्कर मो. अशरद वाराणसी स्थित सिगरा के लहंगपुरा का रहने वाला है। उसके खिलाफ चंदौली में दो वर्ष पूर्व गो-तस्करी की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। बुधवार देर रात को सूचना मिली कि मो. लोहता के धमरियों मैदान के पास है। वह भागने की तैयारी कर रहा है। टीम ने घेराबंदी कर रात 10 बजे दबोच लिया। वह क्षेत्र में लोगों को धमकाने व मारपीट करने के मामलों में आरोपी है।

शराब बरामद, तीन गिरफ्तार

लखनऊ , अमृत विचार : होली में खपाने के लिए बिहार शराब ले जा रहे तीन तस्करों को एसटीएफ ने बलिया के बैरिया दबोच लिया। उनके पास से 471 पेटी शराब, बियर, पिकअप, तीन मोबाइल व नकदी बरामद की गई है। यूपी से बिहार भेजने के लिए तस्करों ने गंगा नदी के रास्ते का प्रयोग किया।

एसटीएफ के डिप्टीएसपी अवनीश्वर चंद्र श्रीवास्तव के मुताबिक यूपी से बिहार शराब तस्करी की सूचनाएं मिल रही थी। होली में बड़े पैमाने पर तस्करी का इनपुट मिला था। टीम ने गुरुवार सुबह 4.30 बजे बलिया के बैरिया स्थित पूर्वी भवन टोला गंगा किनारे बंधे के पास से वाहन रोककर तलाशी ली।

दसवां संस्कार/त्रयोदशी/श्राद्ध

मेरे पूज्य पिताजी **श्री रविकांत शर्मा (एडवोकेट)** का आकस्मिक गोलोकवास दिनांक 17.02.2026, दिन मंगलवार को हो गया। जिनका दसवाँ संस्कार दिनांक 27.02.2026, दिन शुक्रवार को अपराह्न 03:00 बजे से 04:00 बजे तक स्थान :- राम स्वरूप बाग, निकट गढ़ी, पुलिस चौकी में सम्पन्न होगा।

त्रयोदशी/श्राद्धः- दिनांक 28.02.2026, शनिवार, ब्रह्मभोज :- अपराह्न 12:30 बजे, प्रसादी:- अपराह्न 01:00 बजे, स्थान :- निज निवास, 78, सिद्धार्थ नगर, निकट हार्ट मैन कॉलेज रोड, बरेली।

स्व. रविकांत शर्मा (एडवोकेट)

शोकाकुल परिवार :-

पत्नी श्रीमती अनीता शर्मा, पुत्र प्रियंक कांत वशिष्ठ, मयंक कांत वशिष्ठ, भाई :- शशि कांत शर्मा एडवोकेट, शचि कांत शर्मा, शरद कांत शर्मा, (पूर्व प्रधानाचार्य श्री विष्णु इण्टर कालेज) कमल कांत शर्मा, नवनीत कांत शर्मा एडवोकेट। भतीजे सुरेश चन्द्र शर्मा, नीरज, नितिन,शान्त, रितेश,प्रियदर्शी हिमांशु वशिष्ठ एडवोकेट हाई कोर्ट, समग्र, शुभम शुभांकर, शुभ्रम शोभनम, अर्पित, प्रफुल्ल

एवं समस्त वशिष्ठ परिवार

मो. 9411920098, 9456625579, 9410404091

कोडीन सिरप रैकेट पर कार्रवाई, 9.5 करोड़ की संपत्ति जब्त

कानपुर,एजेंसीः कानपुर में पुलिस ने कोडीन आधारित कफ सिरप से जुड़े एक गिरोह के खिलाफ जांच के तहत अचल संपत्तियों, वाहनों और बैंक खातों सहित 9.5 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर ली है। पुलिस ने आरोपी विनोद अग्रवाल को नेटवर्क का सरगना बताया है। पुलिस उपायुक्त (अपराध) श्रवण कुमार सिंह ने कहा कि स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस) की धारा 68-एफ के तहत अग्रवाल से जुड़ी पांच अचल संपत्तियों को जब्त कर लिया गया है। करीब 23 लाख रुपये कीमत की कार कुर्क की गई है और लगभग 42 लाख की राशि वाले छह बैंक खातों को भी फ्रीज किया गया है।

सांझी रेखा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के समूह ने आटा और मंदिरों के चढ़े फूलों ने तैयार किया हर्बल गुलाल

अयोध्या व काशी में मक्का के गुलाल से खेली जाएगी होली

- खराब नहीं होगी त्वचा, आंख व मुंह में जाने पर नहीं होगा नुकसान

प्रशांत सक्सेना, लखनऊ

अमृत विचार : अयोध्या और वाराणसी में मक्का का आटा और मंदिरों में चढ़े फूलों के अर्क से बने शुद्ध हर्बल गुलाल से होली खेली जाएगी। इससे त्वचा खराब नहीं होगी और आंख व मुंह में जाने पर स्वास्थ्य को नुकसान नहीं पहुंचेगा। बच्चे हो या बुजुर्ग सभी इसका इस्तेमाल कर सकेंगे। गुलाल राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत लखनऊ के चिनहट की ग्राम उत्तरधौना में संचालित सांझी रेखा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने नाबार्ड के सहयोग से प्रशिक्षण पाकर इसे तैयार किया है।

इनके हर्बल गुलाल हरा, पीला और गुलाबी तीन रंग में उपलब्ध हैं। तीनों ही मक्का के आटे में फूल व सब्जियों से निर्मित किए गए हैं। इनमें हरा रंग देने के लिए आटा में धनिया और पालक के पत्ते मिलाए गए हैं। जबकि पीला रंग का गुलाल आटा में गेंदा के फूल की पंखुड़ी से तैयार किया है और गुलाबी गुलाल चुकंदर व गुलाब के फूल की कलियों से बनाया है। शुद्धता के साथ सुगंध भी लोगों को प्राकृतिक है।

गुलाल की कीमत (रुपया प्रति किलो)

- गुलाल-थोक – 350-400
- गुलाल-फुटकर – 500
- गुलाल-200 ग्राम – 100

चिनहट के उत्तरधौना में सुखाया जाता गुलाल और टोकरियों में रखा तैयार गुलाल।

> एक तरफ महिलाओं ने स्वास्थ्य को देखते हुए हर्बल गुलाल बनाया है तो दूसरी तरफ इस कार्य से उन्हें रोजगार मिला है। लोग इस हैंडमेड सामग्री को खरीद कर उत्पादन को बढ़ावा दें।
>
> **-अजीत कुमार सिंह,** जिला विकास अधिकारी, लखनऊ

मंदिरों से एकत्र किए फूल महिलाएं लाईं सब्जियां

- समूह की अध्यक्ष वंदना सिंह ने बताया कि इस कार्य में 18 समूह की महिलाएं जुड़ी हैं। मक्का किसानों से खरीदकर आटा बनाया है, जबकि फूल मंदिरों के चढ़े हुए एकत्र किए हैं। महिलाएं खेती-बाड़ी से जुड़ी हैं, इनके द्वारा धनिया, पालक, चुकंदर एकत्र किया गया है। कोषाध्यक्ष सोनी सिंह बताती हैं कि 40 फीसद तक बचत होती है। एक स्टॉल में चार से पांच हजार की बिक्री हो रही है।

सात क्विंटल तक भेजी गुलाल की खेप

- 20 क्विंटल उत्पादन लक्ष्य के सापेक्ष 15 क्विंटल तक गुलाल तैयार किया है। इसमें अयोध्या, वाराणसी के खासकर काशी और मिर्जापुर में सात क्विंटल गुलाल बिक चुका है और भी मांग आई है। इसके अलावा अंबेडकर नगर, बस्ती, सोनभद्र, लखीमपुर, हरदोई व कानपुर से मांग आने पर खेप भेजी जा रही है। लखनऊ में भी महिलाएं स्वयं थोक व फुटकर स्टॉल लगाकर बिक्री कर रही हैं। 28 फरवरी से विकास भवन, कलेक्ट्रेट, विश्वविद्यालय समेत अन्य सरकारी परिसरों में स्टॉल लगाए जाएंगे।

न्यूज ब्रीफ

कमला को मारने वाला बाघ होगा ट्रैंकुलाइज

हल्द्वानी। पनियाली के जंगल में बीते रोज कठघरिया निवासी कमला फर्त्याल (53) को निवाला बनाने वाले बाघ को ट्रैंकुलाइज कर पकड़ने की अनुमति मिल गई है। इसके बाद बाघ को पकड़ने के लिए पशु चिकित्सक के साथ वन टीम ने प्रभावित क्षेत्र में कॉम्बिंग शुरू कर दी है। बाघ को पकड़ने के लिए पिंजड़े और मूवमेंट पर निगरानी के लिए ट्रैपिंग कैमरा भी लगाए गए हैं। बता दें कि ग्रामीणों के तीखे आक्रोश के बाद डीएफओ डीएस मर्तोलिया ने उच्च अधिकारियों से बाघ को ट्रैंकुलाइज करने की अनुमति मांगी थी।

बंदरों के हमले में छह लोग घायल

बिलासपुर, अमृत विचार : बंदरों ने छह लोगों पर हमलाकर उन्हें घायल कर दिया। जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। मोहल्ला टांडा हुरमतनगर निवासी मुनीश दिवाकर और किशन समेत अन्य निवासियों ने बताया कि बंदरों का झुंड न केवल राहगीरों को निशाना बना रहा है, बल्कि घरों की खिड़कियों व दरवाजों से अंदर घुसकर महिलाओं और बच्चों पर हमला कर रहा है। बंदरों के हमलों में तीन दिन के भीतर सुमेश कुमार कलावती, नन्हें राम, किशन, पप्पू राठौर, प्रेमीलाल समेत आधा दर्जन लोग घायल हुए हैं। घायलों को उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है, जहां कई लोगों को एंटी-रेबीज इंजेक्शन लगवाने पड़े हैं।

थाने में सिपाही ने युवक को लात-घूंसों से पीटा

अमरोहा, अमृत विचार : नौगावां सादात थाना में तैनात एक हेड मोहर्रिर ने युवक को लात-घूंसों से पीटा। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस महकमे में खलबली मच गई है। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी अमित आनंद ने आरोपी सिपाही को लाइन हाजिर करते हुए जांच के आदेश दे दिए हैं। बुधवार को नौगावां सादात थाने में हेड मोहर्रिर दिनेश यादव का युवक से मारपीट करने का वीडियो सामने आया है। इसके अलावा तीन और वीडियो सिपाही द्वारा मारपीट के वायरल हो रहे हैं।

धामी आज पूर्णागिरि मेले का करेंगे शुभारंभ

टनकपुर : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज शुक्रवार को चम्पावत के एक दिवसीय भ्रमण पर रहेंगे। इस दौरान वे मां पूर्णागिरि मेले का शुभारंभ करेंगे तथा विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण करेंगे। डीएम मनीष कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री प्रातः 11 बजे टनकपुर हेलीपैड पर पहुंचेंगे। यहां से कार द्वारा 11:20 बजे दुलीगाड़ मुख्य कार्यक्रम स्थल पहुंचकर 'मां पूर्णागिरि मेला–2026' का विधिवत उद्घाटन करेंगे।

गैंगरेप का साजिशकर्ता निकला देवर

रुद्रपुर, अमृत विचार : 22 फरवरी को महिला के साथ हुए गैंगरेप की घिनौनी वारदात को पर्दाफाश करते हुए कोतवाली पुलिस ने जहां देवर सहित तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है। गुरुवार को गैंगरेप कांड का पर्दाफाश करते हुए एसएसपी अजय गणपति कुंभार ने बताया कि भदईपुरा की रहने वाली एक महिला ने मुकदमा दर्ज करवाते हुए बताया था कि 22 फरवरी की शाम 9 बजे वह अपने देवर के साथ सरस आजीविका मेला देखकर लौट रही थी। इस बीच दो बाइक पर सवार तीन युवक आये और देवर को किनारे लेकर बातचीत की। थोड़ी देर बाद युवकों ने डरा धमकाकर उसे बाइक पर बैठाया और किच्छा बाईपास पर ले गए।

आपराधिक न्याय प्रणाली में विकास और सुधार की आवश्यकता

व्यापक आत्ममंथन, ठोस सुधारात्मक कदम समय की मांग :हाईकोर्ट

विधि संवाददाता,प्रयागराज

अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पत्नी और तीन बच्चों की हत्या के आरोप में लगभग 23 वर्ष जेल में बिताने वाले एक व्यक्ति को साक्ष्यों के अभाव में बरी करते हुए कहा कि अभियोजन आरोपों को संदेह से परे सिद्ध करने में विफल रहा है। कोर्ट ने आपराधिक न्याय प्रणाली पर गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा कि केवल सम्मेलन और बैठकों से स्थिति नहीं सुधरेगी, बल्कि जजों की संख्या, सहायक स्टाफ और आधारभूत ढांचे में वास्तविक वृद्धि आवश्यक है।

कोर्ट ने माना कि यह प्रकरण आपराधिक न्याय वितरण प्रणाली पर दुखद टिप्पणी है और इसमें व्यापक आत्ममंथन तथा ठोस सुधारात्मक कदम समय की मांग हैं। उक्त आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति जय कृष्ण उपाध्याय की खंडपीठ ने रईस की आपराधिक अपील पर सुनवाई करते हुए पारित किया। प्राथमिकी में अभियुक्त के विरुद्ध आईपीसी की धारा 302 के तहत पुलिस स्टेशन भोजपुर, मुरादाबाद में मुकदमा दर्ज किया गया था।

मामले के अनुसार 29-30 अगस्त 2003 की रात घरेलू विवाद के बाद आरोपी रईस ने कथित रूप से अपनी पत्नी और तीन बच्चों की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी थी। मृतिका के मामा की तहरीर पर मुकदमा दर्ज हुआ और ट्रायल कोर्ट ने चारों हत्याओं के लिए आरोपी को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। आरोपी ने इस निर्णय के विरुद्ध हाईकोर्ट में वर्तमान अपील दाखिल की थी।

कोर्ट ने अभियोजन के साक्ष्यों की गहन जांच करते हुए एकमात्र कथित प्रत्यक्षदर्शी, आरोपी के उस समय के पांच वर्षीय पुत्र अजीम की गवाही को अविश्वसनीय पाया। जिरह के दौरान बाल गवाह ने स्वीकार किया कि उसने सूचना देने वाले व्यक्ति और एक सरकारी वकील के कहने

● पुलिस स्टेशन भोजपुर, मुरादाबाद में मुकदमा दर्ज हुआ था

पर बयान दिया था तथा ऐसा न करने पर घर से निकाल देने की धमकी दी गई थी। बाल गवाह ने यह भी बताया कि घटना के समय उसका पिता गांव से बाहर भूसा बेचने गया था और हत्या की सूचना मिलने के बाद अगले दिन लौटा। शवों को देखकर रोने के दौरान उसके कपड़ों पर खून लग गया था, जिसके बाद कहासुनी होने पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

कोर्ट ने भूमि विवाद को लेकर सूचना देने वाले और आरोपी के बीच पूर्व शत्रुता का भी संज्ञान लिया। अभियोजन द्वारा पेश कथित अतिरिक्त न्यायिक स्वीकारोक्ति को भी अविश्वसनीय मानते हुए कोर्ट ने कहा कि दो माह की अस्पष्ट देरी के बाद दर्ज बयान स्वाभाविक प्रतीत नहीं होते और यह विश्वास करना कठिन है कि आरोपी किसी दूसरे गांव के अपरिचित व्यक्तियों के सामने अपराध स्वीकार करेगा। इसके अलावा पोस्टमार्टम रिपोर्ट में घाव भारी धारदार हथियार से किए जाने का उल्लेख था, जिससे गर्दन लगभग धड़ से अलग हो गई थी। कोर्ट ने कहा कि इससे अभियोजन का यह सिद्धांत कमजोर पड़ता है कि साधारण चाकू से वार कर हत्या की गई।

अंत में कोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि अपराध जघन्य अवश्य है, किंतु उपलब्ध साक्ष्य यह सिद्ध नहीं करते कि अपराध अपीलकर्ता ने ही किया। संदेह का लाभ देते हुए उसे बरी कर तत्काल रिहाई का आदेश दिया गया। कोर्ट ने यह भी माना कि आरोपी की वास्तविक पीड़ा अब शुरू होगी। संभव है उसके माता-पिता और भाई-बहन जीवित न हों। पत्नी और तीन बच्चे पहले ही मर चुके हैं।

नंदगांव में होली

मथुरा के नंदगांव में श्री नंद बाबा मंदिर के पास होली खेली गई। इस दौरान उत्सव में सैकड़ों लोग शामिल हुए। ● एजेंसी

छात्रा से अश्लील हरकत करने वाला शिक्षामित्र गिरफ्तार

सुलतानपुर, एजेंसी : जिले में कोतवाली देहात थानाक्षेत्र के एक सरकारी स्कूल में दूसरी कक्षा की एक छात्रा के साथ अश्लील हरकत करने के आरोप में एक शिक्षामित्र को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि बुधवार देर रात मुकदमा दर्ज करने के बाद यह कार्रवाई की गई। कोतवाली देहात के प्रभारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि पीड़िता के परिजनों ने शिक्षामित्र वत्सल प्रसाद मिश्रा पर छात्रा को कई बार अनुचित तरीके से स्पर्श करने का आरोप लगाया है। छात्रा ने आरोप लगाया कि एक बार उसके गाल पर दांत से काटा गया था तथा 14 फरवरी को दोबारा ऐसा करने पर उसने अपनी मां को पूरी घटना बताई। उसके बाद परिवार में आक्रोश फैल गया। थाना प्रभारी के मुताबिक छात्रा के पिता ने पहले भी प्रधानाध्यापक राजेश कुमार त्रिपाठी से शिक्षा मित्र के खिलाफ शिकायत की थी, लेकिन उस समय कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि 23 फरवरी को दोबारा लिखित शिकायत मिलने पर प्रधानाध्यापक ने बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) को पत्र भेजकर विभागीय कार्रवाई की सिफारिश की। यह मामला मीडिया में आने के बाद शिक्षा विभाग और पुलिस सक्रिय हुई। खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ-दुबेपुर) राम तीरथ वर्मा ने विद्यालय पहुंचकर परिजनों और प्रधानाध्यापक के बयान दर्ज किए एवं अपनी रिपोर्ट भेजी।

सोशल मीडिया पर न्यायपालिका के खिलाफ गाली-गलौज बर्दाश्त नहीं

विधि संवाददाता,प्रयागराज

● स्वतंत्रता के अधिकार के अंतर्गत सुरक्षित नहीं : हाईकोर्ट

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सोशल मीडिया पर न्यायपालिका के विरुद्ध अपमानजनक टिप्पणियों पर कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर न्यायपालिका या न्यायाधीशों के खिलाफ गाली-गलौज, अपमानजनक भाषा या व्यक्तिगत हमले करना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के अंतर्गत सुरक्षित नहीं माना जाएगा। किसी न्यायालय के फैसले की तार्किक, शालीन और तथ्यपरक आलोचना करना वैध है, लेकिन अशोभनीय शब्दों, आरोपों या अपमानजनक टिप्पणियों का प्रयोग करना निष्पक्ष आलोचना नहीं, बल्कि न्यायालय की अवमानना है।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अगर ऐसे मामलों में अवमानना अधिकारिता के तहत संज्ञान लिया गया तो दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश न्यायमूर्ति जे.जे. मुनीर और न्यायमूर्ति प्रमोद कुमार श्रीवास्तव की खंडपीठ ने दिया।

मामले के गुण-दोष पर विचार करते हुए कोर्ट ने पाया कि अवमानना करने वाला अधिवक्ता न्यायालय के समक्ष उपस्थित हुआ, उसने अपने आचरण को अनुचित माना और घटना के समय व्यक्तिगत तनाव में होने की बात कही।

इस पर कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वह बार का अनुभवी और शिक्षित सदस्य है, जिसे न्यायालयी शिष्टाचार का ज्ञान है तथा उसके विरुद्ध पूर्व में कोई शिकायत नहीं रही है। अतः कोर्ट ने अधिवक्ता द्वारा तत्काल और व्यक्त किए गए खेद को वास्तविक पश्चाताप मानते हुए स्वीकार कर लिया और अवमानना कार्यवाही समाप्त कर दी।

विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगे 15 लाख, मुकदमा दर्ज

अमेठी, एजेंसी: जिले में विदेश में नौकरी का झांसा देकर एक युवक से 15 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जायस थाना क्षेत्र के सराय महेश गांव निवासी सोहेल अहमद से कनाडा में फ्रूट पैकिंग की नौकरी दिलाने के नाम पर 15 लाख रुपये की ठगी की गयी है।

पीड़ित के अनुसार फेसबुक पर विदेश में रोजगार का एक विज्ञापन देखकर उसने विज्ञापन में दिए गए नंबर पर फोन किया जिसके बाद उसके पास विदेशी नंबरों से कॉल आने लगे। अहमद ने आरोप लगाया है कि जालसाजों ने बड़ी चालाकी से उसे विश्वास में लिया और सुविधा शुल्क के नाम पर 30 हजार रुपये की मांग की, जिसे सोहेल ने क्यूआर कोड के माध्यम से प्रेषित कर दिया। बाद में और रकम दी गई थी।

डंपर की टक्कर से कार में आग महिला सिपाही व बेटे की मौत

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: बुधवार देर रात थाना गंज क्षेत्र के काशीपुर आंगा गांव के पास डंपर की टक्कर से कार में आग लगने से महिला सिपाही और उसके एक साल के बेटे की मौत हो गई। दोनों कार में जिंदा जल गए, जबकि गाड़ी में मौजूद पति व देवर बुरी तरह झुलस गए। परिवार नैनीताल से घूमकर वापस रामपुर जिले के मिलक में अपने गांव बेहटरा लौट रहे थे।

मिलक क्षेत्र के बेहटरा गांव में दान सिंह यादव का परिवार रहता है। वह किराए पर गाड़ियां चलवाने का काम करते हैं। दान सिंह यादव सिपाही पत्नी लता (25), 2 साल के बेटे लट्टू और ममेरे भाई रवि के साथ बुधवार सुबह नैनीताल घूमने गए थे। बुधवार शाम को नैनीताल से लौट रहे थे। दान सिंह कार चला रहे थे, जबकि भाई रवि आगे की सीट पर था। पत्नी लता बेटे लट्टू के साथ पीछे की सीट पर बैठी थी। रात 11 बजे काशीपुर के आंगा गांव के पास पहुंचे थे, तभी सामने से आए डंपर ने कार को साइड से टक्कर मार दी। टक्कर से कार की पेट्रोल टंकी फट गई, इससे आग लग गई। टक्कर के तुरंत बाद कार में आग लग गई। दान सिंह और रवि किसी तरह गेट खोलकर बाहर निकल आए। डंपर ने पीछे के गेट पर टक्कर मारी थी, इसलिए गेट लॉक हो गए। महिला सिपाही अपने दो साल के बेटे के साथ कार में फंस गई।

गांव में रोते बिलखते परिजन। ● अमृत विचार

कुंड में नहाते समय दो नाबालिग लड़के डूबे, एक का शव बरामद

मथुरा, एजेंसी: जिले में बरसाना की लट्ठमार होली देखकर कोसीकलां लौट रहे दो नाबालिग दोस्त नन्दगांव क्षेत्र में स्थित आशेश्वर महादेव मंदिर के निकट बने कुण्ड में नहाते समय डूब गए। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण क्षेत्र) सुरेश चंद्र रावत ने बताया कि बुधवार को लट्ठमार होली देखने के लिए बरसाना गए कोसीकलां कस्बे के मीना नगर निवासी तीन दोस्त सक्षम (15), रवि (17) और कार्तिक शाम को वहां से लौटते समय आशेश्वर मंदिर के दर्शन के लिए रुके थे।

रावत ने बताया कि इसी बीच रवि और सक्षम नहाने के लिये कुण्ड में उतर गए। उन्होंने बताया कि गहरे पानी में चले जाने से वे दोनों डूबने लगे। कार्तिक ने घर जाकर उनके परिजन को घटना के बारे में बताया। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि परिजन और पुलिस मौके पर पहुंचे लेकिन तब तक दोनों लड़के डूब चुके थे।

9 क्विंटल गोमांस ले जा रहे दो तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता, पाकबड़ा (मुरादबाद)

अमृत विचारः कार में 9 क्विंटल गोमांस भरकर ले जा रहे दो तस्करों को पाकबड़ा पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ लिया। कार की तलाशी में उसमें गोमांस भरा था। पुलिस दोनों को कार समेत थाने ले आई। तलाशी पर आरोपियों के पास से दो तमंचा भी बरामद किया गया। दोनों को पुलिस ने कार्रवाई कर जेल भेज दिया। मास्टरमाइंड के साथ उसका एक फरार साथी की पुलिस तलाश कर रही है।

पाकबड़ा थाना क्षेत्र के गांव यूसुफपुर नगलिया के पास बुधवार की रात डींगरपुर रोड पर बंद पड़े एस्सार पेट्रोल पंप के पास चेकिंग के दौरान एक लाल रंग की कार आते दिखी तो पुलिस ने रोका। देखा तो कार में गोमांस भरा हुआ था। दो लोग कार में सवार थे।

पुलिस की गिरफ्त में कार में गोमांस ले जाने वाले तस्कर। ● अमृत विचार

दोनों डींगरपुर की ओर से कार में 9 क्विंटल गोमांस भरकर पाकबड़ा की ओर लेकर जा रहे थे। पुलिस ने दोनों से कड़ाई से पूछताछ की तो जानकारी मिली कि कार के आगे और पीछे के नंबर प्लेट अलग-अलग है।

तलाशी के दौरान दोनों के पास से एक-एक 315 बोर का तमंचा और छह जिंदा कारतूस और चार फर्जी आधार कार्ड मिले हैं। पूछताछ में पकड़े गए आरोपियों ने दाऊद कुरैशी पुत्र खुर्शीद कुरैशी निवासी नहर बस्ती मदीना मस्जिद के पास थाना चरथावल, मुदस्सिर कुरैशी पुत्र यामीन निवासी मोहल्ला खालापार चौकी तकिया वाली गली फतेहपुरी मस्जिद के पास थाना खालापार जिला मुजफ्फरनगर बताया। दोनों ने बताया कि अशफाक उर्फ भूरा पुत्र अखलाक निवासी मकान नंबर

● फर्जी नंबर प्लेट लगाकर करते थे गोमांस की तस्करी

● पकड़े गए आरोपी मुजफ्फरनगर के रहने वाले हैं

48, 49 गली नंबर 22 ब्रह्मपुरी थाना उस्मानपुर दिल्ली, अशफाक उर्फ मामा निवासी बरगैन थाना पटियाली जनपद कासगंज दिल्ली के साथ मिलकर कुछ दिन पहले यह कार दिल्ली से चुराई थी। उसके बाद फर्जी नंबर प्लेट लगाकर इससे गोमांस लादकर ले जाने का काम करते थे। पुलिस ने गुरुवार को मुकदमा पंजीकृत कर दाऊद कुरैशी व मुदस्सिर कुरैशी को जेल भेज दिया। मास्टरमाइंड अशफाक उर्फ भूरा और उसके साथी अशफाक उर्फ मामा की पुलिस तलाश में जुटी है। दोनों पर अलग-अलग थानों में कई आपराधिक मुकदमें दर्ज हैं।

यौन शोषण के मामले में आरोपी सिपाही गिरफ्तार, जेल भेजा

सुलतानपुर, एजेंसी: जिले के बल्दीराय थानाक्षेत्र की एक महिला ने आपातकालीन पुलिस नंबर डायल 112 के एक आरक्षी पर यौन शोषण का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। बल्दीराय थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला ने आपातकालीन पुलिस नंबर डायल 112 पर तैनात सिपाही आमिर फिरदौस पर यौन शोषण का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है।

महिला की तहरीर पर बल्दीराय थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। उसके बाद थाना प्रभारी नारद मुनि सिंह की टीम ने सिपाही आमिर को गिरफ्तार कर लिया।

बागेश्वर में मां ने की 22 दिन की बच्ची की हत्या

संवाददाता, हल्द्वानी

● सास-ससुर के साथ था झगड़ा ससुर ने दर्ज कराया मुकदमा

अमृत विचार: बागेश्वर जिले के बैजनाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत जैसर गांव में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहां 22 दिन की नवजात बच्ची की उसकी मां ने गला दबाकर हत्या कर दी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी बच्ची की मौत गला दबाने से होने की पुष्टि हुई है। पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बच्ची के दादा केशर सिंह ने बहू के खिलाफ तहरीर दी। परिजनों के अनुसार, शादी के कुछ माह बाद से ही सास-बहू के बीच विवाद शुरू हो गया था। मायके पक्ष के हस्तक्षेप से पारिवारिक तनाव बढ़ता गया। मामले को लेकर महिला हेल्पलाइन के माध्यम से काउंसलिंग भी चल रही थी, लेकिन आरोपी महिला उसमें नियमित रूप से शामिल नहीं हुई। घटना के दिन वन स्टॉप सेंटर की टीम ने दोनों पक्षों की काउंसलिंग कराई थी, जिसमें महिला ने अलग रहने की इच्छा जताई थी। शाम को नवजात की मौत हो गई। संदेह होने पर पोस्टमार्टम कराया गया, जिससे हत्या का खुलासा हुआ।

घटना से गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है। पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

डीएम की हिदायत

क्यूआरटी तैनात करें और जरूरत पड़े तो शूटर बुलाएं, शूट एट साइट भी संभव

फिर बाघ को देखते ही गोली मारने का होगा आदेश

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: डीएम ललित मोहन रयाल ने पीपल पोखरा एवं पनियाली में आदमखोर वन्यजीव के हमलों में दो महिलाओं की मौत के बाद रामनगर डीएफओ को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। डीएम के मुताबिक, आदमखोर हो चुके बाघ की निरंतर ट्रैकिंग, ट्रैप कैमरा-ड्रोन व थर्मल तकनीक तथा विशेषज्ञों की मौजूदगी में ट्रैंकुलाइज व कैप्चर अभियान चलाया जाए। जरूरत पड़ने पर शूटर की तैनाती के लिए उच्च स्तर से अनुमति लेने के भी निर्देश दिए गए हैं। इस स्थिति में शूट-एट-साइट भी संभव है।

डीएम ने कहा कि जंगलों से सटे गांवों में दिन-रात गश्त को क्यूआरटी तैनाती, ग्रामीणों को एस्कॉर्ट, स्कूल जाने वाले बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा के विशेष

सीसी टीवी कैमरे में कैद हुआ गुलदार। ● अमृत विचार

प्रबंध किए जाएं। मुनादी से अलर्ट, रात में अनावश्यक आवाजाही पर रोक और भीड़ नियंत्रण के लिए राजस्व-पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई भी की जाए। डीएम ने कहा कि राजस्व, पुलिस व वन विभाग का संयुक्त कंट्रोल रूम बनाकर प्रतिदिन रिपोर्ट भी दी जाए। दीर्घकालिक समाधान में सोलर फेंसिंग, चेतावनी तंत्र की कार्ययोजना बनाई जाए। स्पष्ट किया कि मानव वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं में किसी भी स्तर पर शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बीती 25 फरवरी को पनियाली के जंगलों में घास लेने गई कमला फर्त्याल (53) निवासी कठघरिया को निवाला बना लेने वाले बाघ को पकड़ने के लिए वन विभाग ने पशु चिकित्सक डॉ. हिमांशु पांगती के नेतृत्व में एक टीम जंगलों में उतार दी है। घटना स्थल के समीप दो अलग-अलग स्थानों पर पिंजड़े लगाए गए हैं। इसी के साथ ही बाघ के मूवमेंट की निगरानी के लिए 26 ट्रैपिंग कैमरा भी लगाए गए हैं। इसी के साथ वन विभाग ने पनियाली से सटे जंगलों में गश्त तेज कर दी है।

दोनों को निवाला बनाने वाला एक ही हो सकता है बाघ

वन अधिकारियों को आशंका है कि पीपलपोखरा व पनियाली के जंगलों में महिलाओं को निवाला बनाने वाला दो नहीं वरन एक ही बाघ हो सकता है। वन टीम इस एंगिल को ध्यान में रखकर जंगल में बाघ की तलाश कर रही है हालांकि इसकी पुष्टि बाघ के पकड़ने के बाद उसकी जांच के बाद ही हो सकेगी। वन विभाग का दावा है कि बाघ को पकड़ने के बाद भी ढिलाई नहीं बरती जाएगी और जंगल में गश्त जारी रहेगी।

फर्जी दस्तावेज हासिल करने के आरोप में रोहिंग्या गिरफ्तार

सहारनपुर, एजेंसी : आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने भारत में रहने के लिए कथित तौर पर जाली दस्तावेज तैयार करने के आरोप में एक संदिग्ध रोहिंग्या नागरिक को सहारनपुर जिले से गिरफ्तार किया है। कुतुबशेर के थाना प्रभारी एच एन सिंह ने बताया कि आरोपी को बुधवार देर रात एकता कॉलोनी से पकड़ा गया था, उससे पहले ऐसी जानकारी मिली थी कि कुछ रोहिंग्या मूल के लोग जिले में मांस कारखानों में काम कर रहे हैं। सिंह ने बताया कि आरोपी ने अपनी पहचान सैय्यद अकबर के 42 वर्षीय बेटे शहाबुद्दीन और नदीम कॉलोनी के निवासी के रूप में बताई। थाना प्रभारी के अनुसार तलाशी के दौरान एटीएस देवबंद इकाई ने उसके पास से एक जियो सिम कार्ड, एक आधार कार्ड और एक संपत्ति बिक्री विलेख आदि की एक फोटोकॉपी के साथ एक ओप्पो फोन बरामद किया।

मौत के एक माह बाद कराया बीमा फर्जीवाड़ा कर हड़प ली रकम

कार्यालय संवाददाता,संभल/ओबरी

● बीमा कंपनी की ओर से मुकदमा दर्ज कराया गया

अमृत विचार: बीमा के नाम पर फर्जीवाड़े के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। मृत या गंभीर रूप से बीमार लोगों का बीमा कराकर क्लेम की धनराशि हड़पने वाले गिरोहों पर कार्रवाई के बावजूद नए-नए मामले उजागर हो रहे हैं। ताजा मामला थाना असमोली क्षेत्र से सामने आया है, जहां एक व्यक्ति की मौत के करीब एक माह बाद फर्जी दस्तावेजों के आधार पर प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत बीमा कराकर क्लेम की राशि हड़प ली गई।

मामला सामने आने के बाद बीमा कंपनी की ओर से मुकदमा दर्ज कराया गया है। इंडिया फर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस कंपनी के उप उपाध्यक्ष अजय मुसले की ओर से दर्ज कराई गई रिपोर्ट में बताया गया कि कंपनी प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत बीमा कवर उपलब्ध कराती है। जांच में सामने आया है कि कुछ लोग दस्तावेजों का दुरुपयोग कर मृत व्यक्तियों या गंभीर रूप से बीमार लोगों का बीमा करा रहे हैं और फिर नॉमिनी की जानकारी के बिना क्लेम की राशि हड़प ले रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार असमोली थाना क्षेत्र के हीरापुर निवासी भूरे खां के नाम से बीमा पॉलिसी अक्टूबर 2021 में जारी कराई गई थी। इसके बाद उनकी पत्नी शाहजहां ने बीमा क्लेम के लिए दावा किया और बताया कि उनके पति की मृत्यु 2 जनवरी 2022 को हुई है। दस्तावेजों के आधार पर कंपनी ने बीमा क्लेम की धनराशि का भुगतान भी कर दिया।

हालांकि बाद में हुई जांच में बड़ा खुलासा हुआ। जांच में पाया गया कि भूरे खां की वास्तविक मृत्यु 30 सितंबर 2021 को ही हो चुकी थी। इसके बावजूद फर्जीवाड़ा कर उनकी बीमा पॉलिसी अक्टूबर 2021 में जारी कराई गई और इसके बाद क्लेम की रकम हड़प ली गई। मामला सामने आने पर कंपनी ने इसे गंभीर धोखाधड़ी बताते हुए असमोली थाने में मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और फर्जीवाड़े में शामिल लोगों की तलाश की जा रही है। आशंका जताई जा रही है कि इस तरह के मामलों के पीछे संगठित गिरोह काम कर रहे हैं। पुलिस जांच में यह भी पता लगाया जा रहा है कि इस फर्जी बीमा और क्लेम में किन-किन लोगों की भूमिका रही है।

अमृत विचार

बरेली , शुक्रवार,27 फरवरी 2026

बरेली देहात

न्यूज ब्रीफ

सड़क पर लगाना शुरू की सफेद पट्टी व संकेतक

मानपुर, अमृत विचार : विभाग ने नींद से जागकर शीशगढ़ – बहेड़ी रोड पर सफेद पट्टी व संकेतक लगवाना शुरू कर दिया है। कोहरे के समय रात में बहेड़ी शीशगढ़ मार्ग पर सफेद पट्टी व संकेतक न बने होने से वाहन चालकों को वाहन चलाने में दिक्कत उठाना पड़ रही थी। इस कारण दुर्घटनाओं का भी भय बना हुआ था।

500 से अधिक लोगों पर हुई निरोधात्मक कार्रवाई

क्योलडिया, अमृत विचार : प्रभारी निरीक्षक वेद सिंह ने बताया क्षेत्र में चार होली जुलूस निकाले जाएंगे सभी जुलूस की ड्रोन द्वारा निगरानी की जाएगी। 500 से अधिक लोगों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई की गई है जिसमें 52 लोगों को 5 लाख से मुचलके में पाबंद किए गए हैं और 450 लोगो को पचास हजार रुपए के मुचलके में पाबंद किया गया है। होलिका स्थल की निगरानी सीसीटीवी से की जाएगी। उन्होंने सभी से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की ।

आंवला में नष्ट कराई 94 लीटर अवैध शराब

आंवला, अमृत विचार : थाना आंवला पुलिस ने ऑपरेशन क्लीन 3 .0 अभियान के तहत दर्ज 29 मामलों में जब्त 94 लीटर अवैध शराब को न्यायालय के आदेशानुसार गुरुवार को नष्ट किया। पुलिस टीम की मौजूदगी में अवैध शराब को नियमानुसार गड्ढा खुदवाकर नष्ट किया गया।

शराब से भरा छोटा हाथी पलटा

भमोरा,अमृत विचार :बरेली से आंवला शराब की पेटियां ले कर जा रहे छोटा हाथी, बाइक को बचाने के चक्कर में 10 फीट गहरी खाई में गिर गया इससे ड्राइवर बाल बाल बच गया। भुता थाना क्षेत्र के गांव मगरासा निवासी डोरी लाल ने बताया कि वह 250 पेटी शराब लेकर छोटा हाथी से कुसमरा व मनौना देसी शराब भट्टी पर सप्लायर विपिन कुमार अग्रवाल की शराब उतारने जा रहा था कि भमोरा आंवला रोड पर भरताना मोड के पास सामने से आ रहे। विपरीत दिशा मे बाइक सवार को बचाने के चलते छोटा हाथी अनियंत्रित हो 10 फीट गहरी खाई में पलट गया। इससे कई पेटी शराब नष्ट हो गई।

गरीबों को वितरित किए बीस हजार कपड़े

कैंट, अमृत विचार : चनेहटी स्थित बाजार में गुरुवार को सीता रसोई की ओर से गरीब लोगों को 20 हजार कपड़े, बर्तन खिलौने आदि वितरित गरीबों को खिचड़ी भोज भी कराया गया।इस दौरान सीता रसोई के अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, प्रभात किशोर, रमेश चंद्र अग्रवाल एडवोकेट, सुभाष अग्रवाल, प्रधानपति चनेहटी रवि साहू, राजेश अग्रवाल सर्राफ, रजत अग्रवाल, दिनेश भाटिया समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

मटकापुर रसूला के पास रात हुए हादसे में दो लोग घायल

संवाददाता, भुता

अमृत विचार । थाना क्षेत्र के गांव मटकापुर रसूला के पास बुधवार रात एक अज्ञात वाहन ने बाइक सवार के टक्कर मार दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस से बाइक पर सवार दोनों घायलों को अस्पताल भेजा। जहां इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई है। दूसरे युवक का उपचार चल रहा है।

सहदेव पुत्र लेखराज थाना बरखेड़ा ,पीलीभीत व उसका दोस्त हरिनंदन निवासी कटिया थाना हाफिजगंज घर से ग्राम पड़ोली में एक रिश्तेदार के यहां शादी समारोह में आए हुए थे। दावत के बाद देर रात में ही दोनों बाइक से अपने घर के लिए लौटने लगे। तभी मटकापुर रसूला के पास तेज गति से आ रहे अज्ञात वाहन ने सामने से टक्कर मार दी। जिससे दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने दोनों को अस्पताल भेजा। जहां इलाज के दौरान सहदेव पुत्र लेखराज थाना बरखेड़ा पीलीभीत की मृत्यु हो गई।

पुलिस ने मृतक का शव सील कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इधर पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश कर रही है। मामले की रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई है।

पिकअप से टकराई कार, पांच लोग घायल

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : बाईपास हाइवे पर स्विमिंग पूल के पास शनिवार दोपहर एक तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़ी पिकअप में जा घुसी। हादसे में कार सवार एक ही परिवार के पांच लोग घायल हो गए, जबकि पिकअप चालक को भी चोटें आई हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। जानकारी के अनुसार कार चालक कयूम अली परिवार के साथ पासपोर्ट कार्यालय, बरेली से काम निपटाकर दोपहर बाद घर टांडा मुड़िया लौट रहे थे। जैसे ही कार फतेहगंज पश्चिमी बाईपास पर स्विमिंग पूल के पास पहुंची, सड़क किनारे खड़ी पिकअप से टकरा गई और अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। हादसे में कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कार में सवार मल्लू हसन पुत्र इस्माइल निवासी टांडा मुड़िया, थाना भगतपुर, मुरादाबाद, उनकी पत्नी इमामद, बेटी शावना, नातिन रेहाना और नाती फरहान घायल हो गए। पिकअप चालक कृष्ण सिंह पुत्र राजेंद्र सिंह निवासी सिंधौली, शाहजहांपुर से रामपुर जा रहे थे। टक्कर में उन्हें भी चोटें आईं। पिकअप में लदा सामान भी क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस ने क्रेन की मदद से दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर थाने में खड़ा करा दिया है। मामले की जांच की जा रही है।

दूसरी घटना में मीरपुर गांव निवासी भगवान दास पुत्र मंगलसेन खिरका सीएचसी से दवा लेकर अपनी मोपेड से घर वापस जा रहे थे। जैसे ही वह दीपक भट्ठा के पास पहुंचे, तभी रामपुर की ओर से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही भगवान दास सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि उनकी मोपेड भी क्षतिग्रस्त हो गई।

ट्रेन में मंगलसूत्र गायब हुआ तो मचा बवाल

फरीदपुर, अमृत विचार : बिहार से भगवंतापुर गांव में अपनी बहन के साथ घर आ रही महिला का ट्रेन में मंगलसूत्र खींच लेने के मामले में दो सगी बहनों ने शक के आधार पर गोरखपुर निवासी एक महिला को पकड़ कर पितांबरपुर रेलवे स्टेशन पर उतार लिया और उसे लेकर कोतवाली पहुंची।

दोनों बहनें मंगलसूत्र के एवज में उसे 15000 अपने परिजनों से उनके अकाउंट में मगाने की जिद पर पड़ी थी लेकिन यह रुपये देने से परिजन ने भी इंकार कर दिया। आरोपी महिला के बेटे ने चेतावनी दी कि यदि उसकी मां के साथ अनहोनी हुई तो दोनों बहनों के खिलाफ कार्रवाई करेगा। इसके बाद दोनो बहनें अपना मंगलसूत्र भूल गई और कार्यवाही से बचती नजर आईं। जिला बिहार के निवासी प्रतिमा सिंह अपनी बहन सुनीता के घर भगवंतपुर जा रही थी उनके रास्ते में किसी ने मंगलसूत्र खींच लिया सुनीता और खुशी ने पास में बैठी गोरखपुर निवासी विद्यावती को पड़कर फरीदपुर के पितांबरपुर स्टेशन पर उतार लिया और फिर उसे कोतवाली ले आई लेकिन मामला उलझता देख दोनों महिलाएं कोतवाली पहुंची जहां फरीदपुर प्रभारी निरीक्षक अपराध चमन सिंह भडाना ने मामला जीआरपी का बात कर उन्हें जीआरपी भेज दिया।

जमीन का सीमांकन टलने पर भड़के समिति अध्यक्ष

नगर के बीच मार्ग पर लग रही है सब्जी मंडी । ● अमृत विचार

संवाददाता,नवाबगंज

● समिति ने एसडीएम से की कार्रवाई की मांग

अमृत विचार: तहसील परिसर के सामने स्थित सब्जी मंडी की भूमि के सीमांकन को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। गाटा संख्या 563 एनजेडए, की जमीन पर कच्ची तूदाबंदी व पैमाइश कराने के लिए श्रीराम चरित मानस सेवा समिति के अध्यक्ष नानक चंद शर्मा ने एसडीएम कोर्ट में वाद दायर किया था।

कोर्ट के आदेश पर नायब तहसीलदार के नेतृत्व में 26 फरवरी को मौके पर पैमाइश कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। आरोप है कि निर्धारित तिथि पर राजस्व टीम ने त्योहार का हवाला देकर सीमांकन की कार्रवाई करने से इंकार कर दिया। इससे नाराज शिकायतकर्ता ने एसडीएम से मिलकर मामले में कार्रवाई की मांग की है।समिति अध्यक्ष का कहना है कि उक्त भूमि पर 'चन्द्र मुखी योग साधना केंद्र' का निर्माण प्रस्तावित है। बताया इस जमीन पर कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर सब्जी मंडी लगानी शुरू कर दी है। राजस्व विभाग शीघ्र पैमाइश कराकर भूमि का सीमांकन सुनिश्चित करे, ताकि प्रस्तावित निर्माण कार्य में कोई बाधा न आए।तहसीलदार दुष्यंत प्रताप सिंह ने बताया की सब्जी मंडी का मामला नगरीय है । इसलिए इसमें नगर पालिका की भी टीम जाएगीनगर पालिका टीम के साथ होली बाद सीमांकन कराया जायेगा।

अधिवक्ता के परिजन पर किया जानलेवा हमला

घायल रचना । ● अमृत विचार

मीरगंज, अमृत विचार: अधिवक्ता के भाई की पत्नी पर पड़ोस में रहने वाली महिला ने लोहे की रॉड से हमला कर दिया। पीड़ित ने मामले की तहरीर दी है। अधिवक्ता बार एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष रह चुके हैं।

एडवोकेट अरविंद कुमार ने बताया कि सोमवार को उसके छोटे भाई मिथुन कुमार की पत्नी रचना छत पर कपड़े डालने गई थी। तभी पड़ोसी महिला ने अचानक पीछे से आकर लोहे की रॉड से जानलेवा हमला कर दिया, जिससे रचना का सिर फट गया और वह बेहोश होकर जमीन पर गिर गई। उक्त पड़ोसी महिला ने घर में सभी को रॉड से मारा । पीड़ित ने थाने में तहरीर दी। पुलिस ने महिला को लहूलुहान अवस्था में प्राथमिक उपचार के लिए सीएचसी भेजा। जहां सिर व कान से खून बहना नहीं रुक पाने से उन्हें जिला अस्पताल भेजा गया। जहां उसकी हालत काफी गंभीर बनी हुई है।इस जानलेवा घटना को लेकर बार एसोसिएशन मीरगंज के अधिवक्तागण आक्रोशित हैं।

बच्चों को बेहतर माहौल और शिक्षा दें शिक्षक

कार्यशाला में मौजूद सांसद छत्रपाल गंगवार व अन्य।

संवाददाता, शेरगढ़

अमृत विचार : शिक्षक बच्चों के प्रति संवेदनशील बनें,उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराएं,अपने बच्चों की तरह स्कूली बच्चों की चिंता कर बेहतर माहौल में उन्हें शिक्षा दें। बच्चों को अखबार की ताजा खबरें बताएं,उनके सामने अखबारों की चर्चा करें,अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में पढ़ाएं। यह बात सांसद छत्रपाल गंगवार ने कही। वह बीआरसी डेलपुर में उन्मुखीकरण कार्यशाला को सम्बोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम में सांसद से क्षेत्र के गांव रहपुरा घनश्याम में विद्यालय की चाहर दीवारी बनवाने, बीआरसी परिसर में हाईमास्ट लाइट लगाने की मांग की गई। कार्यक्रम में शिक्षकों,शिक्षामित्रों,अनुदेशकों को कैशलेश चिकित्सा सुविधा के लिए सांसद और सरकार का आभार जताया गया । कार्यक्रम के तहत ग्राम प्रधानों से विद्यालयों में बच्चों के नामांकन में बढ़ोतरी को सारथी की भूमिका निभाने पर जोर दिया गया। बीईओ मुकेश कुमार भारती ने ग्राम प्रधानों से शिक्षा के शैक्षिक विकास में सहयोग मांगा।

समूह की रकम हड़पने का आरोप मुकदमा दर्ज

नवाबगंज,अमृत विचार: ग्राम हरदुआ किफायतुल्ला निवासी प्रवेश की तहरीर पर थाना नवाबगंज पुलिस ने 1.25 लाख रुपये हड़पने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्रवेश ने बताया कि वह गांव-गांव जाकर स्वयं सहायता समूह बनाने का कार्य करती है। इसी दौरान ईध जागीर निवासी गौरी भी समूह संचालन का काम करती थी। कुछ समय पूर्व गौरी के समूह की 1,25,000 रुपये की धनराशि त्रुटिवश प्रवेश के समूह खाते में आ गई थी। ब्लॉक कर्मचारियों के निर्देश पर उक्त रकम वापस करने की बात कही गई।

आरोप है कि गौरी ने समूह संचालन बंद करने की बात कहते हुए अपनी रकम लौटाने को कहा। इस पर 1.25 लाख रुपये प्रवेश के निजी खाते में ट्रांसफर कर दिए गए। प्रवेश का कहना है कि जब वह बाद में ईध जागीर पहुंची और गौरी से रुपये मिलने की पुष्टि की तो गौरी ने साफ इनकार कर दिया।

सीएम की फोटो पर अभद्र कमेंट करने वाले युवक को भेजा जेल

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी।

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार: नवाबगंज कोतवाली के उपनिरीक्षक योगेन्द्र सिंह ने बुखारपुर के रहने वाले युवक पर उसकी इंस्ट्राग्राम आई डी से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के फोटो के नीचे अभद्र कमेंट करने वाले युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

गांव बुखारपुर निवासी राहुल ने अपनी इंस्ट्राग्राम आईडी पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का फोटो लगाकर कमेंट में अभद्र कमेंट किए थे,साथ ही सरकार बदलने पर जान से मारने की भी धमकी दी गई। यह फोटो वायरल हुई तो पुलिस में भी हड़कंप मच गया। जांच के बाद पता चला कि कोतवाली क्षेत्र के युवक द्वारा यह हरकत की गई। उपनिरीक्षक योगेन्द्र सिंह ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी राहुल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराकर जेल भेज दिया

न्यूज डायरी

एनएसएस स्वयंसेवकों ने किया थाने का भ्रमण

मीरगंज, अमृत विचार : राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर के तहत स्वयंसेवकों ने मीरगंज थाना परिसर का शैक्षिक भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों को पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली, कानून व्यवस्था के संचालन तथा नागरिकों की सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई। । महिला एनएसएस स्वयंसेविकाओं ने महिला थाना का भ्रमण किया। यहाँ थाना प्रभारी उपनिरीक्षक नीतू गौतम तथा वरिष्ठ निरीक्षक जयपाल सिंह द्वारा महिला सुरक्षा, महिलाओं से संबंधित अपराधों की शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया तथा पीड़ित महिलाओं को मिलने वाली कानूनी सहायता के विषय में जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को बताया कि कोई समस्या या उत्पीड़न की स्थिति में बिना भय के महिला थाना अथवा संबंधित पुलिस अधिकारियों से संपर्क करना चाहिए। भ्रमण के दौरान स्वयंसेवकों को शिकायत दर्ज कराने की संपूर्ण प्रक्रिया, प्राथमिकी (एफआईआर) लिखवाने के चरण, ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यमों से शिकायत दर्ज करने के तरीके तथा विभिन्न टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई।

बाल वाटिका के लिए एडुकेटर्स का किया आह्वान

क्योलड़िया अमृत विचार : गुरुवार को ब्लॉक संसाधन केंद्र क्योलड़िया पर विकास खंड भदपुरा द्वारा हमारा आंगन हमारे बच्चे उत्सव-2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ खण्ड शिक्षा अधिकारी विजय कुमार द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। प्राथमिक विद्यालय ठिरिया बन्नो जान के बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई तत्पश्चाप एआरपी डॉक्टर मधुरेश दीक्षित द्वारा इस कार्यक्रम के उद्देश्य और निपुण भारत के परिप्रेक्ष्य में पूर्व प्राथमिक शिक्षा पर विस्तार पूर्वक चर्चा की। डॉ लक्ष्मीकांत शुक्ला द्वारा माता उन्मुखीकरण कार्यक्रम पर प्रस्तुतीकरण किया गया। बीईओ ने कहा बाल वाटिका का संचालन बेहतरीन और प्रभावपूर्ण तरीके से किया जाए जिससे 5 से 6 वर्ष के बच्चे लाभान्वित हो सके। कार्यक्रम का संचालन राखी गंगवार द्वारा किया गया।

ईओ पर गबन व फर्जी मुकदमे के आरोप, निलंबन की मांग

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : भाजपा नेता आशीष अग्रवाल ने नगर विकास मंत्री ए .के . शर्मा से मुलाकात कर नगर पंचायत सैफनी में तैनात रहे अधिशासी अधिकारी (ईओ) पर गबन, अनियमितताओं और फर्जी मुकदमा दर्ज कराने के आरोप में निलंबन की मांग की। यह मांग विधानपरिषद की संसदीय सामाजिक सद्भावना समिति के समक्ष भी रखी गई। उन्होंने बताया कि मंडलायुक्त मुरादाबाद की जांच आख्या में ईओ व चेयरमैन पर लाखों रुपये के गबन के आरोप सिद्ध हुए हैं। साथ ही, भाजपा नेता पर दर्ज मुकदमे को त्रिस्तरीय जांच समिति ने झूठा बताया है, लेकिन अब तक मुकदमा निरस्त नहीं किया गया। समिति ने नगर विकास विभाग के विशेष सचिव को रामपुर और बरेली के अधिकारियों की रिपोर्ट पर शीघ्र कार्रवाई कर अगली बैठक में अवगत कराने के निर्देश दिए हैं। आशीष ने आरोप लगाया कि ईओ ने पद का दुरुपयोग कर रिश्वत मांगने और विरोध करने पर फर्जी मुकदमा दर्ज कराया। उन्होंने दोषी अधिकारी के खिलाफ कठोर कार्रवाई मांग की गई है।

स्कूल में ग्रेजुएशन सेरेमनी, बच्चों ने दिखाया जौहर

मीरगंज,अमृत विचार : रंगारंग ग्रेजुएशन सेरेमनी समारोह में बच्चों को औपचारिक रूप से ग्रेजुएशन सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। बी डी एम पब्लिक स्कूल में नन्हें-मुन्नों की मुस्कान, रंग-बिरंगे परिधान और उत्साह ने पूरे माहौल को भावुक और उत्सवमय बना दिया। नन्हे विद्यार्थियों की पासिंग आउट परेड ने सभी को भावुक कर दिया। बच्चों द्वारा प्रस्तुत नृत्य बम बम बोले ने सभी का मन मोह लिया। विद्यालय के वाईस प्रेसिडेंट अचल मिश्रा ने वर्तमान समय में अभिभावकों से बच्चों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने और स्वयं आदर्श प्रस्तुत करने की अपील की। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के कल्चरल कोऑर्डिनेटर कृष्णा, अनामिका गुप्ता, नीतू गंगवार एवं किंडर गार्डन के सभी शिक्षकों का सहयोग रहा।

युवक की हत्या में आरोपी महिला गिरफ्तार

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार: जहर देकर युवक की हत्या करने के मामले में पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है तथा अन्य नामजद आरोपियों की तलाश जारी है।

उरला निवासी रामवीर सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका बेटा रजत चौहान 25 फरवरी की सुबह करीब 9:15 बजे बाइक से आंवला जा रहा था। आरोप है कि आंवला-वजीरगंज रोड स्थित पचपेड़ा के पास कुछ लोगों ने उसे रोक लिया और मारपीट करने के बाद जबरन जहर खिला दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और गंभीर अवस्था में रजत को उपचार के लिए अस्पताल ले गए, जहां सुबह करीब 11:15 बजे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के पिता की तहरीर पर अनुराधा पत्नी अनुज, अनुज, अरविंद, विनोद और सुबोध के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। गुरुवार को पुलिस ने बहोडा निवासी अनुराधा को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार महिला ने अपने ऊपर लगे आरोपों से इंकार करते हुए कहा है कि उसे और उसके परिवार को झूठा फंसाया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बिशारतगंज में चोरों ने काटी केबल चार गांव की जलापूर्ति बाधित

बिशारतगंज, अमृत विचार : हर घर जल योजना के अंतर्गत बनाए गए ओवरहेड टैंक परिसर में लगे सूर्य पैनल की केबिल को अज्ञात चोर काट ले गए जिससे पिछले तीन दिनों से चार गांव की जल आपूर्ति ठप है।

ऑपरेटर ने पुलिस को तहरीर दी है। निसोई गांव के ऑपरेटर विशेष कुमार ने बताया कि 22 फरवरी रात चोर पैनल से रूम तक जाने वाली केबल काट ले गए जिससे गांव में जलापूर्ति ठप है। वहीं जलाल नगर गांव के ऑपरेटर लालता प्रसाद गिद्धौली के ऑपरेटर आदेश मौर्य ने बताया कि हमारे गांव के अलावा पड़ोसी गांव बेहटा बुजुर्ग की भी केबिल अज्ञात चोर काट ले गए हैं जिस कारण चारों गांव में जलापूर्ति ठप है । जल निगम के जेई अमरीश कुमार ने बताया कि निसोई गिद्धौली जलाल नगर और बेहटा बुजुर्ग गांव की केबिल अज्ञात चोर काट ले गए हैं इसे मंगाने में करीब 3 सप्ताह का समय लगता है।

अमृत विचार
Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ... नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
नि : शुल्क परामर्श
महीने के प्रत्येक रविवार को
समय : सुबह 10 से 5 बजे तक
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
डॉ. दीपक माहेश्वरी
MBBS., MD, Consultant Physucuan & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
प्रेमलोक हॉस्पिटल नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली। 9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :- बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा। TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जांच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 1 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
डॉ. आदित्य त्यागी MBBS, DOMS, DNB, MNAMS CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपनी पुत्री के पुत्र प्रवेन्द्र पुत्र अशोक से उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार से क्षुब्ध होकर उससे अपने सम्बन्ध विच्छेद कर लिये हैं। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। चन्द्रकली पत्नी रामलाल निवासी ग्राम बरकलीगंज थाना कैण्ट जिला बरेली

सूचना
मैंने अपने पुत्र माधव पाठक को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उसे अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। आलोक पाठक पुत्र जितेन्द्र पाठक निवासी ग्राम नूरपुर पिनौनी थाना- इस्लामनगर तह. बिल्सी जिला बदायूं

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे आधार कार्ड 689801492198 में मेरा नाम हरि नंदन (Hari Namdan) दर्ज था। किन्तु अब मैने अपने आधार कार्ड में संशोधन करवाकर अपना सही नाम हरि नन्दन (Hari Nandan) दर्ज करा लिया है। जो वास्तविक व सही नाम है। हरिनन्दन पुत्र श्री हेतराम निवासी मोहम्मदी पुठी सराय जिला बदायूं

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पासपोर्ट सं. U3541146 में मेरा नाम भूलवश Jasvindar Kaur दर्ज हो गया है जबकि मेरा वास्तविक नाम Jasvinder Kaur है। आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों में भी Jasvinder Kaur ही दर्ज है। जसविन्दर कौर पत्नी सवेंदर सिंह निवासी पोस्ट आफिस जटपुरा, जिला पीलीभीत।

आवश्यकता है
प्राचार्य / असि. प्रो. एलएल.बी. व बी.ए. एलएल.बी. विधि, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी व इतिहास विषयों के लिए। इच्छुक अभ्यर्थी 7 दिन के अन्दर अपने सम्पूर्ण शैक्षिक अभिलेखों सहित बायोडाटा भेजें।
योग्यता व वेतन UGC मानकानुसार ।
E-mail: lbslaw50@gmail.com
एल.बी. एस. कॉलेज ऑफ लॉ
नवाबगंज (बरेली) मो. नं. 9412360790

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यूज ब्रीफ

पति को जान से मारने की धमकी का आरोप

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : चुनावी रंजिश को लेकर एक महिला ने अपने गांव के युवक पर घर में घुसकर गाली गलौज और पति को जान से मारने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। पुलिस जांच कर रही है। गांव माधौपुर के माजरा इस्लामनगर निवासी महिला बिस्मिल्ला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया उनके गांव का एक युवक घर के सामने उनके पति नत्थू को गाली गलौज करते हुए कह रहा था। पीड़िता ने विरोध कर दिया। जिस वह लाठी डंडा लेकर घर में घुसकर उनके पति को जान से मारने के लिए तलाशने लगा। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस जांच कर रही है।

युवती को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप

हाफिजगंज, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के एक गांव से 20 वर्षीय युवती को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। पीड़ित पिता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी ससुराल न्यूरिया थाना क्षेत्र के एक गांव में है, जहां रिश्तेदारी के कारण उसकी 20 वर्षीय पुत्री का आना-जाना था। 23 फरवरी को वह रिश्तेदारी में गए हुए थे और घर पर उनकी पुत्री अकेली थी। आरोप है कि इसी दौरान नामजद लोग घर पहुंचे और उसकी पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गए। पिता की तहरीर पर हाफिजगंज थाना पुलिस ने संजीव राजपूत, राजेश, धर्मेंद्र व किरन निवासी रूपपुर वनकटी, थाना न्यूरिया के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

गोवंश ले जाने का विरोध करने पर मारपीट, धमकी

आंवला अमृत विचार। बदायूं रोड पर गाय ले जाने का विरोध करने पर कुछ लोगों ने एक व्यक्ति के साथ मारपीट कर दी और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित पुष्पेंद्र सिंह गौ रक्षा प्रमुख विश्व हिंदू परिषद निवासी मौहल्ला लठैता का आरोप है कि आरोपी 10-15 लोगों के साथ मौके पर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए हमला कर दिया। मोहल्ले के लोगों ने बीच-बचाव कर उसे बचाया। पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

जीएसटी विभाग ने मनाया स्थापना दिवस

बरेली, अमृत विचार : राज्य कर विभाग के स्थापना दिवस पर जोनल कार्यालय परिसर में गोष्ठी और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसका शुभारंभ अपर आयुक्त ग्रेड-एन आशीष निरंजन ने किया। महिला अधिकारियों और कर्मचारियों ने फूलों से रंगोली बनाई। अपर आयुक्त ग्रेड-वन ने वित्तीय र्ष 2025-26 में विभाग में अपने दायित्वों को पूर्ण निष्ठा और समर्पण भाव से निर्वाहन करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया। बैडमिन्टन, कैरम, क्रिक्रेट और शतरंज की प्रतियोगिताओं के विजेताओं व उपविजेताओं को पुरस्कृत किया गया। बैडमिंटन में योगेश कुमार मौर्य उपायुक्त विजेता और आशीष गुप्ता अधिवक्ता उप विजेता रहे। पुरुष डबल में केके गुप्ता संयुक्त आयुक्त, योगेश कुमार विजेता रहे। आशीष गुप्ता अधिवक्ता, आरसी अग्रवाल अधिवक्ता उपविजेता रहे। महिला वर्ग में शोभना तोमर सहायक आयुक्त विजेता और मनु तिवारी उप विजेता रहीं।

तमंचे के साथ गिरफ्तार

मीरगंज, अमृत विचार : चेकिंग में पुलिस ने युवक को पकड़ा तलाशी में उसके पास से तमंचा और कारतूस बरामद हुआ। उसने रिजवान निवासी जनैटा थाना बनियाठेर संभल बताया है।

रंग बचे पर खो गए राग, गांवों से गायब हो रही होली पर ढोलक की थाप और फाग

- महंगाई, पलायन और मोबाइल की चमक में फीकी पड़ी फाग की परंपरा

जयपाल श्रीवास्तव

होली में गीत गाते हुरियारे। (फाइल फोटो)

शेरगढ़, अमृत विचार : होली का पर्व नजदीक है। बाजारों में रंग-गुलाल सजने लगे हैं। घरों में साफ-सफाई चल रही है। घर आंगन और बाहर धूप में कचरी पापड़ बनाकर सुखते नजर आने लगे हैं। किसी किसी मोहल्ले में घरों से पकवानों के बनने की खूशबू आने लगी है, लेकिन गांव की गलियों में अब वह मधुर गूंज सुनाई नहीं देती जो कभी बसंत पंचमी से ही माहौल को रंगीन बना देती थी। ढोलक-मंजीरे की थाप पर गूंजने वाले पारंपरिक होली गीत अब धीरे-धीरे इतिहास बनते जा रहे हैं।

एक समय था जब गांवों में समूह बनाकर कालीदय पे खेलन आयो रे बारो सो कन्हैया और मैं होली कैसे खेलूं रे जा सांवरिया के संग जैसे गीत गूंजते थे। महिलाएं टोली बनाकर कई दिन पहले से ही फाग गाकर उत्सव का माहौल बना देती थीं। लेकिन अब दृश्य नहीं नजर आता है।

महिलाओं की टोली भी हुई विरल

सुपरवाइजर शिवांगी शुक्ला कहती हैं, बीते समय में महिलाएं समूह में एकत्र होकर काफी दिन पहले से घरों में होली गीत गाकर खुशियों का इजहार करती थीं। लेकिन अब वह नज़ारा देखने को नहीं मिलता। पुरानी परंपराओं को जीवंत रखने के लिए युवा पीढ़ी को आगे आना चाहिए। महिलाओं की सक्रिय भागीदारी कभी होली की जान हुआ करती थी, जो अब कम होती जा रही है। कई बसंत देख चुके चेयरमैन बुद्धसेन मौर्य बताते हैं कि होली गीत अब भी हो रहे हैं लेकिन जो उत्साह पहले था। अब नहीं है। वे बताते हैं कि नई पीढ़ी रूचि ले तो यह परंपरा फिर से पुराने दौर में आ सकती है। ग्राम स्तर पर होली महोत्सव, स्कूलों में लोकगीत प्रतियोगिता और सामूहिक सांस्कृतिक आयोजन इस दिशा में सार्थक कदम हो सकते हैं। स्कूलों में निबंध प्रतियोगिता की तरह लोकगीत होली गीत, फाग की प्रतियोगिताएं होनी चाहिए। साल भर न हो लेकिन होली के पहले तीन चार माह में ऐसा करके परपंरा को बचाया रखा जा सकता है। होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। ढोलक की वह थाप और फाग की मधुर तान फिर से गांव की गलियों में गूंजे। इसके लिए सभी को प्रयास करना होगा। मौजूदा पीढ़ी को अपनी विरासत से जोडे रखने के लिए सार्थक प्रयास करने होगें। इसमें सभी को भूमिका निभानी होगी।

समय और महंगाई का असर

शिक्षिका संगीता गंगवार बताती हैं, महंगाई के दौर में हर कोई अपनी आजीविका चलाने में व्यस्त है। लोगों के पास समय का अभाव है। ज्यादातर लोग बाहर जीवन गुजार रहे हैं। अब तो बमुश्किल होली के दिन ही होली गीत गाने की औपचारिकता निभाई जाती है। उनके अनुसार, आजीविका की भागदौड़ ने त्योहारों की आत्मीयता को प्रभावित किया है।

बुजुर्गों के जाने से टूटी कड़ी

प्रबंधक भूपराम श्रीवास्तव का कहना है कि पुराने बुजुर्ग होली गीत गाने में विशेष भागीदारी निभाते थे। अब पहले जैसी होली गीत गाने वाली महान शख्सियतें हमारे बीच नहीं हैं। युवा पीढ़ी जिम्मेदारी निभाने में कोई रुचि नहीं दिखा रही है। ऐसे में होली गीतों की पुरानी परंपरा दम तोड़ती जा रही है। बुजुर्गों की अगुवाई में जो परंपरा पीढ़ी दर पीढ़ी चलती थी, वह अब कमजोर पड़ती दिख रही है। डॉ. केपी सिंह मानते हैं, सोशल मीडिया के दौर में टीवी और मोबाइल गांवों में जरूर पहुंच गए हैं। फिर भी युवा वर्ग को पारंपरिक एवं सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए ताकि बुजुर्गों की होली गीत जैसी बहुमूल्य धरोहर सुरक्षित हो सके। डिजिटल साधनों ने मनोरंजन के नए विकल्प दिए हैं, लेकिन इससे लोक संस्कृति की भागीदारी घटी है।

नो एंट्री बताकर चालान करने का आरोप

जनसेवा ई रिक्शा ऑटो चालक संगठन के पदाधिकारी पहुंचे एसपी ट्रैफिक कार्यालय।

संवाददाता, बरेली

अमृत विचारः जनसेवा ई रिक्शा ऑटो चालक संगठन ने गुरुवार को एसपी ट्रैफिक कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया। संगठन ने आरोप लगाया कि ट्रैफिक पुलिस गलत तरीके से नो एंट्री की बात कर ई रिक्शा चालकों के चालान कर रही है।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ब्रज क्षेत्र के क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष मनजीत सिंह बिट्टू ने जनसेवा ई रिक्शा ऑटो चालक संगठन की तरफ से गुरुवार को पुलिस लाइन स्थित एसपी ट्रैफिक कार्यालय में ज्ञापन दिया। ज्ञापन के माध्यम से बताया कि ट्रैफिक पुलिस ई रिक्शा और ऑटो के लिए गलत तरीके से नो एंट्री बनाकर 20000 के चालान का डर दिखाकर अवैध वसूली कर रही है, ज्ञापन में कहा कि जिस तरह ऑटो वालों को 16 किलोमीटर परिधि में जाने की छूट है इस तरह ई रिक्शा वालों को भी 16 किलोमीटर परिधि की छूट मिलनी चाहिए। रूट बहुत ज्यादा घूमावदार, लंबे और सुनसान जगह से दिए गए हैं जिसकी वजह से सवारी बहुत कम मिल रही है। जंक्शन पर दातागंज, सिरौली और बदायूं की बसों की एंट्री बंद किया जाए। इससे जाम लगता है।

ऑनलाइन कंपनियों के खिलाफ खोला मोर्चा

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल ने सांसद को सौंपा ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की महानगर इकाई ने ऑनलाइन व्यापार पर अंकुश लगाने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सांसद छत्रपाल गंगवार को सौंपा।

महानगर महामंत्री राजेश जसोरिया ने कहा कि ऑनलाइन कंपनियों की आक्रामक बिक्री नीति से छोटे व्यापारियों की कमर टूट रही है। किराना, सब्जी, फल, कपड़ा, फुटवियर, दवा और इलेक्ट्रॉनिक कारोबार से जुड़े हजारों व्यापारी प्रभावित हैं। कई प्रतिष्ठान बंद होने की कगार पर पहुंच चुके हैं। यदि समय रहते ठोस नीति नहीं बनी तो स्थानीय बाजार व्यवस्था चरमरा जाएगी। राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य राजेंद्र गुप्ता ने सांसद से आग्रह किया कि

सांसद छत्रपाल गंगवार को ज्ञापन देते व्यापारी नेता। ● अमृत विचार

- पदाधिकारियों ने आनलाइन व्यापार पर अकुंश लगाने की मांग की

इस गंभीर विषय को केंद्र सरकार के समक्ष संवेदनशीलता से उठाया जाए। अनियंत्रित ऑनलाइन व्यापार से भविष्य में व्यापक बेरोजगारी और आर्थिक असंतुलन पैदा हो सकता है। सांसद छत्रपाल गंगवार ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि वे जल्द ही इस मुद्दे को प्रधानमंत्री कार्यालय के संज्ञान में लाएंगे और लोकसभा में विशेषज्ञ समिति गठित करने का अनुरोध करेंगे। इस दौरान अवधेश अग्रवाल डब्बू, मनमोहन सभरवाल, मुकेश खटवानी, आशुतोष गोयल, समित अग्रवाल, विपिन कोहली समेत कई व्यापारी मौजूद रहे।

संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण की मांग उठाई

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- उत्तर प्रदेश रोडवेज कर्मचारी संघ ने सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

अमृत विचारः भारतीय मजदूर संघ के आह्वान पर उत्तर प्रदेश रोडवेज कर्मचारी संघ ने मुख्यमंत्री और परिवहन मंत्री को संबोधित ज्ञापन कलेक्ट्रेट में सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। जिसमें कहा गया कि 5 जुलाई 2025 को उपमुख्यमंत्री और परिवहन मंत्री के समक्ष 12 सूत्रीय मांगों पर सहमति बनी थी, लेकिन अभी तक निगम प्रबंधन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

ज्ञापन में संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण, ईपीएफ और ईएसआई सुविधाओं का लागू होना, महंगाई भत्ता और वेतन कटौती में रोक लगाने की मांग की गई है। निजीकरण की गलत नीतियों और निगम की कार्यशालाओं को निजी हाथों में देने के विरोध का भी उल्लेख किया गया।

संघ के रवि प्रकाश का कहना है कि कानपुर की डॉ. राम मनोहर लोहिया और केन्द्रीय कार्यशाला को पूरी क्षमता के साथ संचालित करना निगम और कर्मचारियों दोनों के हित में है। कर्मचारियों को बोनस, कैशलेस चिकित्सा सुविधा और सभी श्रेणियों में नियमित भर्ती की मांग की गई।

कलेक्ट्रेट में ज्ञापन देने पहुंचे परिवहन निगम के कर्मचारी। ● अमृत विचार

टीईटी से छूट की मांग, किया प्रदर्शन

कलेक्ट्रेट गेट पर प्रदर्शन करते शिक्षक। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के नेतृत्व में शिक्षकों ने बुलंद की आवाज
- प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन कलेक्ट्रेट में अपर नगर मजिस्ट्रेट को सौंपा

अमृत विचार : उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष शिवस्वरूप शर्मा के नेतृत्व में जिले के शिक्षकों ने वर्ष 2011 से पहले नियुक्त शिक्षकों को टीईटी से मुक्त रखने, पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग उठाई। प्रदर्शन कर शिक्षकों ने प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन कलेक्ट्रेट में अपर नगर मजिस्ट्रेट को सौंपा।

पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन ने 1921 से अब तक तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर संघर्ष किया है और शिक्षकों के हितों की रक्षा के लिए आगे भी मजबूती से लड़ाई जारी रखेगा। धरना-प्रदर्शन के दौरान मुकेश सिंह चौहान, सुनील शर्मा, कांता प्रसाद, संजीव चौहान, रोहित सिंह, मनोज गंगवार, ऋचा तिवारी, पूनम गंगवार, शशिभूषण, प्रवेश कुमारी, राजेन्द्र प्रसाद, हरिपाल गंगवार, जैनेंद्र उपाध्याय, विजय कुमार सिंह, डा. संजय शर्मा, चन्द्र शेखर, अभिषेक शर्मा, देव कुमार पटेल, प्रेम शंकर , राघवेंद्र गुप्ता, वासिफ अली, रामचंद्र, अब्दुल राशिद, संतोष पांडेय, अरुणेश शर्मा, अमित सिंह, केदार सिंह, विवेक त्रिवेदी, सचिन शर्मा, तनवीर आलम सहित विभिन्न ब्लॉकों और तहसीलों के पदाधिकारियों ने एकजुटता दिखाई। कहा कि 2011 से पहले नियुक्त शिक्षकों पर टीईटी की अनिवार्यता थोपना न्यायसंगत नहीं है और पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल करना कर्मचारियों के भविष्य की सुरक्षा के लिए आवश्यक है। यदि मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं हुआ तो आंदोलन को व्यापक रूप दिया जाएगा। बता दें कि संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा के नेतृत्व में यह मांगें उठाई जा रही हैं।

माफिया पर दर्ज मुकदमों में कार्रवाई कर भेजें जेल

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- डीआईजी ने समीक्षा बैठक में रेंज के एसएसपी व एसपी को दिए निर्देश

अमृत विचार : डीआईजी अजय कुमार साहनी ने गुरुवार को परिक्षेत्रीय कार्यालय में रेंज के जिले बरेली, बदायूं, पीलीभीत और शाहजहांपुर के एसएसपी और एसपी के साथ समीक्षा बैठक की। जिसमें माफिया पर दर्ज मुकदमों में तत्काल कार्रवाई कर जेल भेजने के निर्देश दिए।

उन्होंने मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक में लिए गए निर्णय को प्राथमिकता से आगे बढ़ाने को कहा। साथ ही कहा कि हत्या, लूट, डकैती, बलात्कार, दहेज हत्या, पॉक्सो एक्ट, अपहरण, गोकशी, धर्मांतरण जैसे मामले में तत्काल कार्रवाई की जाए। ऑपरेशन कन्विक्शन, ऑपरेशन क्लीन, ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत की गयी कार्रवाई की जानकारी ली। साइबर हेल्प-डेस्क के क्रियान्वयन और साइबर क्राइम के प्रभावी रोकथाम पर बल दिया। आईजीआरएस, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, मुख्यालय स्तर-, शिकायती प्रार्थना पत्रों के समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के आदेश दिए। होलिका दहन स्थलों को चिन्हित करने और पूर्व में विवादित स्थलों का भ्रमण कर पर्याप्त पुलिस बल लगाने को कहा।

रेंज के पुलिस कप्तानों के साथ बैठक करते डीआईजी अजय कुमार साहनी।

अठारहवां बसन्तोत्सव 1 मार्च को

कार्यक्रम की जानकारी देते अखिल भारतीय उत्तराखंड महासभा के पदाधिकारी।

बरेली, अमृत विचार : अखिल भारतीय उत्तराखंड महासभा की ओर से अठारहवां बसन्तोत्सव का आयोजन 1 मार्च को कुमाँचल नगर स्थित भोलेनाथ मंदिर पर किया जाएगा। आयोजन को लेकर महासभा की ओर से बृहस्पतिवार को कुमाँचल में प्रेसवार्ता की गई। महासभा के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद घिल्डियाल ने बताया कि आयोजन का प्रमुख उद्देश्य समाज में सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करना है। विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, प्रतिभा सम्मान समारोह तथा समाज हित के विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। मुख्य अतिथि उत्तराखंड सरकार में स्वास्थ्य और शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत रहेंगे। विशिष्ट अतिथि उत्तराखंड सरकार के मंत्री गणेश जोशी, वीरेंद्र दत्त सेमवाल, वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार, महापौर डॉ. उमेश गौतम और महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भवानी सिंह रावत होंगे।

189 वर्षों की विरासत को पहचान की आस

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- प्राचार्य ने सांसद छत्रपाल गंगवार को शिविर में सौंपा ज्ञापन
- बरेली कॉलेज को केंद्रीय विवि बनाने की मांग ने जोर पकड़ा

अमृत विचार : बरेली के शिक्षा जगत में मील का पत्थर माने जाने वाले बरेली कॉलेज को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिलाने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ रही है। कॉलेज में बुधवार को आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के मंच से इस मांग ने फिर उठाया गया। प्राचार्य प्रो. ओपी राय ने सांसद छत्रपाल गंगवार को ज्ञापन देते हुए कहा कि 189 वर्षों का बरेली कॉलेज अपने पड़ाव की मांग कर रहा है।

एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय से संबद्ध बरेली कॉलेज की अपनी विशिष्ट पहचान है। कॉलेज में वर्तमान में भारत के अन्य प्रदेशों व प्रदेश के जिलों से विद्यार्थी पढ़ने के लिए आते हैं। कॉलेज में सभी विषय और संकाय के विभाग हैं। कॉलेज को केंद्रीय विश्वविद्यालय बनाने के लिए मांग लंबे समय से चल रही है। इसके लिए महाविद्यालय के कर्मचारी संघ के साथ-साथ छात्र-छात्राएं भी मांग कर चुके हैं। बीते दिनों एमएलसी एमएलसी बहोरन लाल मौर्य और विधान सभा में विधायक संजीव अग्रवाल इस कॉलेज को केंद्रीय विश्वविद्यालय बनाने का मुद्दा उठा चुके हैं। वहीं, एनएसएस के शिविर में प्राचार्य ने सांसद छत्रपाल गंगवार को ज्ञापन देते हुए कॉलेज को केंद्रीय विश्वविद्यालय बनाने की मांग संसद में रखने के लिए कहा। सांसद ने उन्हें आश्वासन दिया। प्राचार्य ने बताया कि कॉलेज की ओर से प्रस्ताव बनाकर शासन को भेज दिया गया है। बरेली कॉलेज के केंद्रीय विश्वविद्यालय बनने से कॉलेज की एतिहासिकता में बढ़ोतरी होगी। क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ. सुधीर कुमार ने बताया कि विधान परिषद के प्रश्न के सवाल पर शासन की ओर से मांगे गए प्रस्ताव पर कॉलेज को प्रस्ताव देने के लिए कहा गया था। कॉलेज प्रशासन की ओर से दिए गए प्रस्ताव को शासन को भेजा गया है।

कमरे में फंदे से लटका मिला युवक का शव

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- दो दिन बाद दुर्गंध आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को दी सूचना
- किला क्षेत्र के कुचा सीताराम की घटना, जांच शुरू

अमृत विचार : किला क्षेत्र में युवक का शव छत पर बने कमरे में फंदे से लटका मिला। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

किला थाना क्षेत्र के कुचा सीताराम निवासी संजीव गुप्ता (38) घर पर मां के साथ रहते थे। पुलिस ने बताया कि संजीव की मां बाहर गई हुईं थीं। दो दिन तक संजीव भी पड़ोसियों को दिखाई नहीं दिए। गुरुवार को पड़ोसियों को छत पर बने कमरे से तेज दुर्गंध आने लगी तो अनहोनी की आशंका हुई। सूचना पर पुलिस जब छत पर पहुंची तो कमरा अंदर से बंद था। दरवाजा खुलवाकर देखा तो संजीव का शव गमछे के सहारे कुंडी से लटका मिला। पुलिस ने शव उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। संजीव अविवाहित थे। वह फोटोग्राफर के साथ हेल्पर का काम करते थे। यह भी चर्चा है कि आर्थिक वजहों से भी संजीव परेशान रहते थे। काम भी हल्का चल रहा था। चिंताग्रस्त संजीव ने यह आत्मघाती कदम उठा लिया।

दो लाख की मांग कर विवाहिता को घर से निकाला

बिशारतगंज, अमृत विचारः लगभग 21 माह पूर्व हुई शादी के बाद से विवाहिता को दहेज के लिए प्रताड़ित करते हुए मारपीट कर घर से निकाल दिया गया। दो लाख नगद और चार पहिया वाहन की मांग पूरी करने पर घर में आने की बात ससुराल वालों ने कही है। तहरीर मिलने के बाद पुलिस ने सास सुमन, पति अमित सिंह व ससुर जितेंद्र सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। बिशारतगंज के निसोई निवासी प्रेमपाल की पुत्री सोनम की शादी मई 2024 को रायबरेली निवासी जितेन्द्र सिंह के पुत्र अमित सिंह के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही ससुराल वाले प्रताड़ित करते थे।

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 27 फरवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

पिकअप की टक्कर से किशोर की मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : कोतवाली गोला क्षेत्र की नानक चौकी के आगे अपने दो बच्चों और पत्नी के साथ ससुराल से बाइक पर सवार होकर खुटार स्थित घर लौट रहे परिवार को पिकअप ने टक्कर मार दी। हादसे में किशोर की मौत हो गई, जबकि पत्नी और एक बच्चा और युवक घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शाहजहांपुर जिले के थाना खुटार क्षेत्र के खुटार निवासी कलीम मंगलवार को गोला अपनी ससुराल आए थे। बताते हैं कि बुधवार की शाम करीब पांच बजे वह अपने 10 वर्षीय बड़े बेटे हसनेन, छह वर्षीय हसन और पत्नी के साथ बाइक से घर वापस लौट रहे थे। नानक चौकी के आगे पिकअप की टक्कर से हसनेन की मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

दुल्हन निकली ठग, 1.70 लाख और जेवर ले गई

बिल्सी, अमृत विचार : कोतवाली बिल्सी क्षेत्र के गांव खैरी में फर्जी शादी के जरिए ठगी का मामला सामने आया है। तीन दिन पहले ब्याहकर आई दुल्हन नकदी और जेवर समेटकर फरार हो गई। पीड़ित परिवार ने एसएसपी से शिकायत कर प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग की है। ग्राम खैरी निवासी पूजा पत्नी दयाशंकर ने कहा कि उनके देवर मोहन की शादी 19 फरवरी को बिल्सी कस्बा के देववाणी मंदिर में गांव नैथुआ निवासी तीन लोगों के माध्यम से कराई गई थी। आरोप है कि शादी से पहले ससुर भगवान स्वरूप से घरेलू जरूरत के नाम पर 1.70 लाख रुपये लिए गए।

रामपुर में दो प्लाईवुड फैक्ट्रियों पर आयकर का पड़ा छापा

पूर्व सांसद एसटी हसन के समधी नईम खान की है प्लाईवुड फैक्ट्री

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: आयकर विभाग दिल्ली की टीम ने गुरुवार को रामपुर में नैनीताल हाईवे स्थित दो प्लाईवुड फैक्ट्रियों पर छापामार कार्रवाई की है। यह फैक्ट्री मुरादाबाद के पूर्व सांसद और सपा नेता एचटी हसन के समधी नईम खां और उनके पार्टनर मुनन खां की हैं। सीआरपीएफ के जवानों के साथ पहुंची आयकर विभाग की टीम ने सुबह करीब साढ़े दस बजे फैक्ट्री में छानबीन शुरू की, जो देर रात तक चलती रही। टीम ने दोनों के आवासों पर भी डेरा डाला है।

गुरुवार सुबह 10 बजे आयकर विभाग दिल्ली की टीम करीब 10 से ज्यादा गाड़ियों में नैनीताल रोड स्थित नईम खां व पार्टनर मुनन खां की दोनों प्लाईवुड फैक्ट्री पहुंची। एक टीम मोहसिन ए आजम कॉलोनी स्थित नईम खान व शौकत अली रोड स्थित मुनन खां के आवासों पर पहुंच गई। मुनन खां और नईम खान दोनों पार्टनरशिप में फैक्ट्री चलाते हैं। दोनों के आवासों पर आयकर विभाग दिल्ली की टीमों ने डेरा डाला हुआ है। टीम वित्तीय लेनदेन, कंप्यूटर, खातों की लगातार जांच कर रही है। किसी को भी अंदर या बाहर आने की अनुमति नहीं दी गई है। फैक्ट्री और दोनों पार्टनरों के आवासों पर एक साथ छापे से हड़कंप मच गया। मुरादाबाद के पूर्व सांसद एसटी हसन की बेटी का निकाह नईम खान के बेटे से हुआ है। जबकि मुनन खान की बेटी की शादी नईम के दूसरे बेटे के साथ हुई है। यानी, नईम और मुनन भी समधी हैं।

नैनीताल रोड स्थित फैक्ट्री के अंदर बैठा सीआरपीएफ का जवान।

फैक्ट्रियों के बाद घर पहुंची टीम

दोनों फैक्ट्री के बाद टीम मोहसिन-ए-आजम कॉलोनी स्थित नईम की कोठी और शौकत अली रोड स्थित मुनन की कोठी पर पहुंची। टीम ने परिवार के सदस्यों को बाहर निकलने से मना कर दिया। टीम अंदर जांच कर रही है। आयकर विभाग ने छापेमारी से जुड़ी हुई कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। आयकर विभाग की टीमें फैक्ट्री से जुड़े दस्तावेज, खातों और लेनदेन की जांच कर रही हैं।

महिला से सोने की चेन छीनने के आरोप में दो मेडिकल छात्र गिरफ्तार

पिथौरागढ़,एजेंसी: उत्तराखंड के हल्द्वानी स्थित सुशीला तिवारी मेडिकल कॉलेज के एक छात्र और एक छात्रा को पिथौरागढ़ जिले के जौलजीबी क्षेत्र में एक महिला के गले से सोने की चेन तथा मोबाइल फोन छीनने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। पिथौरागढ़ के पुलिस अधीक्षक अक्षय प्रहलाद कोंडे ने बताया कि तोली गांव में ममता देवी से सोने की चेन छीनने के आरोपियों की पहचान दिल्ली के पश्चिम विहार निवासी सन्नी सिंह (25) तथा तोली गांव की ही रहने वाली हिमानी बोरा (23) के रूप में हुई है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि रेडियोलॉजी की छात्रा बोरा, सिंह को अपना गांव घुमाने के लिए लायी थी। उन्होंने बताया कि बुधवार की सुबह घूमते समय उन्होंने खेत में काम करने जा रही देवी को रोककर उससे उसका मोबाइल फोन तथा सोने की चेन छीन ली। घटना के बाद पीड़िता जौलजीबी पुलिस थाने पहुंची तथा प्राथमिकी दर्ज करायी जिसके बाद पुलिस ने गोरी नदी के पुल के पास दोनों छात्रों को पकड़ लिया।

युद्धाभ्यास

पठानकोट स्थित ध्यान चंद स्टेडियम में सेना की पश्चिमी कमान की क्षमताओं को प्रदर्शित किया गया। इस दौरान भारतीय सेना के जवानों ने अपनी युद्ध क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया और दुश्मन को अपनी ताकत का एहसास कराया।

कोर्ट ने प्रदेश में बंदरों के आतंक पर नियंत्रण के लिए कार्य योजना मांगी

प्रयागराज, एजेंसी, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने प्रदेश में बंदरों के आतंक के संबंध में दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए इस संबंध में गठित जिला स्तरीय समिति को इस समस्या पर नियंत्रण के लिए कार्य योजना और उपाय पेश करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति कुणाल रवि सिंह की खंडपीठ ने उक्त निर्देश पारित करते हुए इस जनहित याचिका पर अगली सुनवाई की तिथि छह अप्रैल तय की। गाजियाबाद के विनीत शर्मा और एक अन्य व्यक्ति द्वारा दायर इस जनहित याचिका में बंदरों की बढ़ती संख्या, मानव-बंदर के बीच बढ़ते टकराव आदि जैसे मुद्दे उठाए गए हैं। अदालत ने 17 फरवरी को अपने आदेश में कहा कि प्रस्तावित अध्ययन को देखते हुए हमारा आदेश है कि अधिकारी, जिला गाजियाबाद और मथुरा में मौजूद व्यवस्था के तहत कार्य योजना से इस अदालत को अगली सुनवाई से पहले या सुनवाई के दिन अवगत कराएं। अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल ने कहा कि बंदरों की संख्या जानने और उन क्षेत्रों की पहचान करने के लिए एक व्यवस्थित क्षेत्रीय सर्वेक्षण की जरूरत है जहां इनकी संख्या अधिक है। उन्होंने अदालत को आश्वस्त किया कि मौजूदा व्यवस्था के तहत जिला स्तरीय समिति द्वारा इस समस्या पर नियंत्रण के लिए हर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

हत्या के आरोप में 23 वर्ष जेल में बिताए, हाईकोर्ट ने किया बरी

विधि संवाददाता,प्रयागराज

- **2003 में भोजपुर थाने में पत्नी सहित चार लोगों की हत्या का मुकदमा दर्ज हुआ था**

अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पत्नी और तीन बच्चों की हत्या के आरोप में लगभग 23 वर्ष जेल में बिताने वाले एक व्यक्ति को साक्ष्यों के अभाव में बरी किया।

न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति जय कृष्ण उपाध्याय की खंडपीठ ने रईस की अपील पर सुनवाई करते हुए आपराधिक न्याय प्रणाली पर गंभीर टिप्पणी की। कहा कि केवल सम्मेलन और बैठकों से स्थिति नहीं सुधरेगी, बल्कि जजों की संख्या, सहायक स्टाफ और आधारभूत ढांचे में वास्तविक वृद्धि आवश्यक है। कोर्ट ने माना कि यह प्रकरण आपराधिक न्याय वितरण प्रणाली पर दुखद टिप्पणी है और इसमें व्यापक आत्ममंथन तथा ठोस सुधारात्मक कदम समय की मांग हैं।

प्राथमिकी में अभियुक्त के विरुद्ध आईपीसी की धारा 302 के तहत पुलिस स्टेशन भोजपुर, मुरादाबाद में मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले के अनुसार 29-30 अगस्त 2003 की रात आरोपी रईस ने अपनी पत्नी और तीन बच्चों की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी थी। ट्रायल कोर्ट ने आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। आरोपी ने हाईकोर्ट में अपील की थी। हाईकोर्ट ने साक्ष्यों की गहन जांच करते हुए एकमात्र कथित प्रत्यक्षदर्शी, आरोपी के उस समय के पांच वर्षीय पुत्र अजीम की गवाही को अविश्वसनीय पाया। बाल गवाह ने स्वीकार किया कि उसने एक व्यक्ति और एक सरकारी वकील के कहने पर बयान दिया था तथा ऐसा न करने पर घर से निकाल देने की धमकी दी गई थी। बाल गवाह ने यह भी बताया कि घटना के समय उसका पिता गांव से बाहर भूसा बेचने गया था और हत्या की सूचना मिलने के बाद अगले दिन लौटा। कोर्ट ने कहा कि अपराध जघन्य अवश्य है, किंतु साक्ष्य यह सिद्ध नहीं करते कि अपराध अपीलकर्ता ने ही किया। उसे बरी कर तत्काल रिहाई का आदेश दिया गया।

खाई में गिरी कार बच्चे समेत 3 लोगों की जान गई

अल्मोड़ा, अमृत विचार: शादियां की खुशियां पल भर में चीख पुकार में उस समय बदल गईं जब गुरुवार की शाम गांव बसौली के पास कार खाई में जा गिरी। हादसे में डेढ़ साल के मासूम समेत तीन की मौत हो गई जबकि पांच लोग घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार, झिझाड़ बागेश्वर में शादी समारोह में शामिल होकर एक परिवार दिल्ली के लिए लौट रहा था। गांव बसौली के पास चुराड़ी बैंड में कार डीएल 9 सीबीएच 3402 अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने रेस्क्यू अभियान चलाया। कार में सवार मंजू देवी (44) पत्नी गोपाल राम ग्राम कांडे ताकुला, दिनेश राम (50) पुत्र तिल राम निवासी ग्राम झिझाड़ ताकुला और डेढ़ वर्षीय रिहान पुत्र महेश राम निवासी थपनिया ताकुला की मौके पर ही मौत हो गई जबकि जया पत्नी महेश राम व महेश राम, गोपाल आर्य, संजय कुमार और चालक अर्जुन गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

चंद्रग्रहण के चलते ब्रज में तीन के बजाए दो मार्च को किया जाएगा होली पूजन

मथुरा, एजेंसी

फाल्गुन पूर्णिमा के दिन चंद्रग्रहण के चलते ब्रज में होली पूजन एवं होलिका दहन का पर्व तीन मार्च के स्थान पर दो मार्च को ही मनाया जाएगा। लेकिन धूलेंड़ी चैत्र कृष्ण प्रतिपदा (चार मार्च) के अवसर पर ही मनाई जाएगी। देशभर में इस वर्ष होलिका दहन की तिथि को लेकर असमंजस है। लेकिन ब्रज में कमोबेश सभी प्रमुख मनीषियों एवं ज्योतिषियों द्वारा यह तय हो चुका है कि तीन मार्च को चंद्रग्रहण लगने के कारण दो मार्च को ही होलिका दहन का शुभ मुहूर्त है। उनका कहना है कि चूंकि पूर्णिमा पर तो मुहूर्त के समय प्रतिपदा तिथि लग जाएगी, इसलिए तब होलिका दहन शुभ नहीं होगा

मथुरा की प्रमुख होलिकोत्सव आयोजन समिति के संस्थापक एवं महामंत्री मदन मोहन श्रीवास्तव ने बताया कि उनके यहां होलिका पूजन करने वाले श्री कार्ष्णि उदासीन आश्रम, रमण रेती, महावन के महामण्डलेश्वर कार्ष्णि गुरुशरणानन्द स्वामी के मुताबिक तीन मार्च को शाम 6.47 बजे तक ग्रहण रहेगा और इसके बाद प्रतिपदा तिथि शुरू हो जाएगी। उन्होंने बताया है कि चूंकि होलिका दहन प्रतिपदा में नहीं हो सकता, इसलिए दो मार्च को ही किया जाएगा तथा रंगों की होली चार मार्च को खेली जाएगी। पहले ऐसा माना जा रहा था कि आम वर्षों की भांति होलिका दहन फाल्गुन पूर्णिमा (तीन मार्च) को ही किया जाएगा। दूसरी ओर, ज्योतिषाचार्य कामेश्वर नाथ चतुर्वेदी के अनुसार भी चंद्रग्रहण के कारण होलिका दहन का शुभ समय दो मार्च को शाम 7.30 बजे बन रहा है, जबकि तीन मार्च को ग्रहण समाप्त होते-होते पूर्णिमा तिथि समाप्त हो जाएगी और प्रतिपदा तिथि प्रारंभ हो जाएगी, ऐसे में शास्त्र अनुसार प्रतिपदा में होलिका दहन नहीं होता है।

छेड़छाड़ के दोषी को पांच साल की सजा

बदायूं, अमृत विचार : नाबालिग लड़की से घर में घुसकर छेड़छाड़ करने के आरोपी को विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट कक्ष संख्या दो के न्यायाधीश नीरज कुमार गर्ग ने दोषी पाया है। उसे पांच साल के कठोर कारावास और 12 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना की पूरी धनराशि पीड़िता को क्षतिपूर्ति के रूप में देने का आदेश दिया है।

अभियोजन पक्ष के अनुसार वादी मुकदमा ने पुलिस को बताया कि वह वह गरीब हैं और मजदूरी करते हैं। 8 अगस्त 2022 को 12 बजे उसकी पत्नी और 13 साल की बेटी घर के बरामदे में सो रहे थे। बेटी अपना मोबाइल फोन चार्जिंग पर लगाने के लिए कमरे में गई।

जालसाजों ने महिला से ठगे 51 हजार

पीलीभीत, अमृत विचार : एक जालसाज ने महिला का चचेरा भाई बनकर 51 हजार रुपये की ठगी कर ली। सुनगढ़ी क्षेत्र के कांशीराम कॉलोनी निवासी पुष्पा देवी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 15 फरवरी को उनके व्हाट्सएप पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आई। इसमें कॉलर ने खुद को उनका चचेरा भाई रवि बताया जो विदेश में काम करता है। अगले ही दिन ठग ने दोबारा फोन कर बताया कि उसे मुंबई एयरपोर्ट पर सीबीआई ने पकड़ लिया है और यदि टैक्स के रूप में मोटी रकम नहीं दी गई तो उसे और पुष्पा देवी दोनों को जेल भेज दिया जाएगा।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने भी पॉक्सो कोर्ट में आशुतोष ब्रह्मचारी पर दायर किया वाद

वाराणसी। ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने भी अपने खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने वाले आशुतोष ब्रह्मचारी के खिलाफ प्रयागराज की विशेष पॉक्सो अदालत में वाद दायर कर दिया है। शंकराचार्य ने कहा कि उन्होंने यह वाद पॉक्सो अधिनियम की धारा 22 के तहत दायर किया है, जिसमें प्रावधान है कि अगर कोई आपके खिलाफ फर्जी मुकदमा करता है तो आप भी उसके खिलाफ वाद दायर कर सकते हैं।

शंकराचार्य ने खुद पर लगे आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कहा कि माघ मेले के दौरान वह सीसीटीवी कैमरा और मीडिया के कैमरे के सामने रहे। जिन लड़कों के यौन शोषण का आरोप लगाया गया है, वे कभी उनके गुरुकुल में दाखिल तक नहीं हुए।

- **फर्जी मुकदमा कराने का आरोप, कहा आशुतोष के ही पास रह रहे हैं दोनों लड़के**

एपस्टीन फाइल्स से ध्यान भटकाने की ही ये साजिश

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ झूठा मामला उछालकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चित एपस्टीन फाइल्स से ध्यान भटकाने की साजिश की जा रही है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि शंकराचार्य को बदनाम करने का कोई अवसर नहीं छोड़ा जा रहा है। हिस्ट्रीशीटर से पुलिस अपनी जांच रिपोर्ट साझा कर रही है।

प्रेमी ने रोकी दुल्हन की कार, किया शादी का दावा

संवाददाता, धौरहरा

अमृत विचार: सिसैया-ईसानगर रोड पर उस समय फिल्मी अंदाज में ड्रामा हो गया। जब एक युवक ने दुल्हन को ले जा रही कार को ओवरटेक कर बीच सड़क पर रोक लिया। युवक ने खुद को दुल्हन का प्रेमी बताते हुए आर्य समाज मंदिर में विवाह के फोटो और दस्तावेज दिखाए। पुलिस मौके पर पहुंची और सभी पक्षों को कार्यालय ले जाया गया, जहां देर शाम तक चली पंचायत के बाद समझौता हो गया।

पढुआ थाना क्षेत्र के एक गांव से बारात दुल्हन को विदा कराकर ईसानगर क्षेत्र के एक गांव जा रही थी। दोपहर करीब दो बजे सिसैया-ईसानगर मार्ग पर इमिलिया के पास एक युवक बाइक से कार के आगे आ गया। ओवरटेक कर कार रुकवाते ही कार का दरवाजा खोलकर दुल्हन को उतारने की कोशिश करने लगा। घटनाक्रम से बारातियों में अफरा-तफरी मच गई। युवक का दावा था कि युवती उसकी प्रेमिका है और दोनों ने आर्य समाज मंदिर में विवाह किया है। उसने फोटो और संबंधित प्रपत्र भी दिखाए। स्थिति बिगड़ती देख बारातियों ने यूपी-112 पर सूचना दी।

5000 की रिश्वत लेते वनकर्मी को पकड़ा

माधोटांडा, अमृत विचार : रेत के ट्रकों से अवैध वसूली का खेल उस वक्त बेनकाब हो गया, जब एंटी करप्शन टीम ने कार्रवाई करते हुए वन विभाग के एक न्यूनतम वेतन कर्मी पर कार्यरत एक वनकर्मी को रंगे हाथों दबोच लिया।

गुरुवार को माधोटांडा क्षेत्र के लालपुल के पास हुई इस कार्रवाई में आरोपी के पास से पांच हजार रुपये की रिश्वत भी बरामद की गई। ट्रक चालक की पूर्व में की गई शिकायत के बाद हुई इस गिरफ्तारी से वन विभाग में हड़कंप मच गया है। पूरे महकमे में खलबली मची हुई है।

12 दिन से लापता बच्चे का बोरे में मिला शव

कार्यालय संवाददाता,संभल/सौंधन

अमृत विचार: 12 दिन से लापता 7 वर्षीय मासूम का शव गांव के जंगल में गेहूं की खड़ी फसल के बीच प्लास्टिक की बोरी में बंद मिला। घटना की जानकारी हुई तो इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही थाना पुलिस के साथ ही सीओ व एएसपी भी मौके पर पहुंचे।

थाना धनारी क्षेत्र के गांव धनारी पट्टी बालू शंकर और थाना बहजोई क्षेत्र के गांव धतूराशेख की सीमा पर खेतों में गुरुवार को किसान अपनी पिपरमेंट की फसल की निराई कर रहे थे। इसी दौरान एक किसान पास ही गेहूं की फसल में शौच के लिए गया तो वहां उसे तेज बदबू महसूस हुई। किसान ने आसपास देखा तो एक प्लास्टिक की बोरी पड़ी मिली। अन्य किसानों को बुलाया गया और जब बोरी खोली गई तो उसके अंदर एक बच्चे का शव नजर आया। बोरे में बच्चे का शव देखकर लोग सन्न रह गए। अफरातफरी के बीच देखते ही देखते ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर जमा हो गई। सूचना तत्काल थाना धनारी पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। इसी दौरान गांव धनारी पट्टी बालू शंकर निवासी रोहित पुत्र चंद्रपाल मौके पर पहुंचे। उन्होंने कपड़ों के आधार पर शव की पहचान अपने बेटे अंशू के रूप में की। 15 फरवरी को सुबह करीब 11 बजे अंशू घर से लापता हो गया था। पिता रोहित ने उसी दिन थाना धनारी में लिखित तहरीर देकर बेटे की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस और परिजन लगातार उसकी तलाश में जुटे थे। आसपास के गांवों, रिश्तेदारियों और संभावित स्थानों पर खोजबीन की गई। यहां तक कि गांव के आसपास ड्रोन कैमरे से भी जांच कराई गई, लेकिन कोई सुराग नहीं लग सका। अब मासूम का शव बोरी में बंद हालत में उसकी निर्मम हत्या कर शव को छिपाने के लिए बोरे में बंद कर खेत में फेंक दिये जाने की बात सामने आ रही है।

मृतक बच्चा अंशू।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (ईएनएचएम), पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निविदा सूचना सं०: IZN-EnHM-ERW-PH-42-T-2-25 के अर्न्तगत निम्नलिखित कार्य के लिए, सिंगल पैकेट सिस्टम के आधार पर खुली ई–निविदा आमंत्रित की जाती है :– कार्य का नाम : डेवलेपिंग एन इको पार्क ऐट कासगंज कोचिंग डिपो इन द एरिया ऑफ 3500 sqm एंड नियर ए.आर.टी. क्रेन शेड इन द एरिया ऑफ 1460 sqm, इन इज्जतनगर डिवीजन।, कार्य की अनुमानित मूल्य (रू०) : 44,23,131.61, बयाना राशि (रू०) : 88,500.00, निविदा प्रपत्र की लागत– शून्य, कार्य की अवधि– स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से 10 महीने (पार्क बनाने तथा पौधारोपण कार्य हेतु 04 महीने और मेन्टीनेन्स कार्य हेतु 06 महीने)। ई–निविदा बंद करने की तिथि एवं समय : दिनांक 19.03.2026 को समय 15:00 बजे। • निविदाकर्ता 19.03.2026 को समय 15:00 बजे तक अपनी ई–निविदाएँ ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। • कृपया संपूर्ण विवरण देखने और ई–निविदा अपलोड/जमा करने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ।

वरिष्ठ मण्डल यांत्रिक इजी० (ईएनएचएम), मुजाधि/याँत्रिक - 146 इज्जतनगर

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

कार्यालय जिला पंचायत, पीलीभीत

पत्रांक- 2056/नि.अनु./जि.पं./2025-26 दिनांक: 24 फरवरी 2026

ई-निविदा शुद्धि पत्र

कार्यालय जिला पंचायत पीलीभीत की ई-निविदा सूचना संख्या- 1995/नि.अनु./जि.पं./2025-26 दिनांक 10.02.2026 एवं कार्यालय पत्रांक 2019 दिनांक 17.02.2026 द्वारा दिनांक 26.02.2026 तक आमंत्रित ई-निविदाओं को कतिपय कारणोंवश समयवृद्धि करते हुये दिनांक 02.03.2026 को अपरान्ह 02:00 बजे तक आमत्रित किया जाता है, जिन्हें दिनांक 24.02.2026 से 02.03.2026 को अपरान्ह 02 बजे तक वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर डाउनलोड कर अपलोड किया जा सकता है, जिन्हें दिनांक 02.03.2026 को ही अपरान्ह 03:00 बजे से कार्यालय जिला पंचायत पीलीभीत में गठित समिति द्वारा ऑनलाइन खोला जायेगा। समस्त ठेकेदारों/फर्मों को सूचनार्थ।

अपर मुख्य अधिकारी
जिला पंचायत, पीलीभीत

कार्यालय ग्रा.प. उल्ला विकास खंड इस्लामनगर बलयूं

अल्पकालीन निविदा 23.02.2026

समस्त सामग्री आपूर्ति यथा (सीमेंट, रेता, बजरी, बदरफुट ईट, इन्टरलाक, सरिया, एंगिल, टीन, पेन्ट, रोडा) आदि को सूचित किया जाता है कि मनरेगा, राज्य वित्त, खाद एवं रसद विभाग योजना, केन्द्र वित्त योजना (2025-26) के अंतर्गत प्राप्त धनराशि से ग्राम पंचायत उल्ला विकास खण्ड इस्लामनगर बदायूं में निम्न कार्य हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है। अत: समस्त संबंधित आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है। कि निविदा की तारीख से सामग्री की दरे बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 01.03.2026 को शाम 3:00 बजे तक जमा करना सुनिश्चित करें व इसी दिवस को 4:00 बजे प्रधान व सचिव के सामने खोली जाएंगी। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है :-

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत
1.	मॉडर्न शॉप (उचित दर विक्रेता) निर्माण कार्य	प्रा. के अनुसार
2.	रविंद्र के घर से महेश के खेत तक सीसी इंटरलॉकिंग नाली निर्माण कार्य	प्रा. के अनुसार

सचिव प्रधान

उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद

कार्यालय सम्पत्ति प्रबन्धक

122, सिविल लाइन्स, बरेली

सर्वसाधारण को सूचना

परिषद की राजेन्द्र नगर यो.सं.-2 बरेली में स्थित दु.आ. वर्ग भवन सं.-सी-663 श्री राज कुमार पुत्र स्व. श्री खुशी राम को आवंटित किया गया था। श्री राज कुमार पुत्र स्व. श्री खुशी राम द्वारा अपने पक्ष में विक्रय विलेख दिनांक 11.02.1998 को निष्पादित कराने के उपरान्त भवन का विक्रय श्रीमती जगरानी पत्नी स्व. श्री कर्मवीर सिंह को कर दिया गया। अब श्रीमती जगरानी द्वारा अवगत कराया गया है कि काफी तलाशने के उपरान्त भी विक्रेता का कोई अता-पता नहीं चल पा रहा है जिस कारण मैं उनके कोई भी प्रपत्र कार्यालय में नहीं प्रस्तुत कर पा रही हूँ। इस हेतु परिषद नियमानुसार जो भी कार्यवाही हो मैं करने को तैयार हूँ तथा उक्त भवन को अपने पक्ष में अन्तरण कराने हेतु ऑन लाइन प्रार्थना पत्र के माध्यम से परिषद प्रपत्र कार्यालय में प्रस्तुत किये है।

अत: एतद्द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजेन्द्र नगर यो.सं.-2, बरेली में स्थित दु.आ. वर्ग भवन सं. सी-663 का अन्तरण श्रीमती जगरानी पत्नी स्व. श्री कर्मवीर सिंह के पक्ष में किया जाना है। दु.आ. वर्ग सं. सी-663 के अन्तरण में किसी प्रकार की यदि किसी व्यक्ति/ऋणदायी संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के अन्दर कार्यालय में साक्ष्य सहित आपत्ति दाखिल कर सकते है। समय सीमा व्यतीत हो जाने के उपरान्त किसी भी आपत्ति विचार किया जाना सम्भव नहीं होगा तथा तदनुसार सम्पत्ति का अन्तरण श्रीमती जगरानी पत्नी स्व. श्री कर्मवीर सिंह के पक्ष में करने की कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

आज्ञा से-सम्पत्ति प्रबन्धक

कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी, शाहजहांपुर

पत्रांक- मु.चि.अ./एन.एच.एम./नगरीय-पॉलीक्लीनिक/2026/9842 दिनांक: 26 फरवरी 2026

चयन विज्ञप्ति (नगरीय पॉलीक्लीनिक हेतु विशेषज्ञ चिकित्सक इम्पैनलमेंट विषयक)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत जनपद शाहजहांपुर में पॉलीक्लीनिक हेतु 02 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का चयन किया जाना है। जहां विशेषज्ञों को इम्पैनल करते हुये कार्य लिया जायेगा। जिस हेतु विशेषज्ञों द्वारा किये गये ओ.पी.डी. हेतु रू. 5,000/- प्रति विशेषज्ञ प्रति दिवस प्रत्येक माह के 25 कार्य दिवसों हेतु देय होगा। इस प्रकार प्रति दिन 02 विशेषज्ञों द्वारा पॉलीक्लीनिक पर अपना योगदान दिया जायेगा। जो विशेषज्ञ चिकित्सक (ओब्स एण्ड गायनी, जर्नल फिजिशियन, पीडियाट्रीशियन, डर्माटोलॉजिस्ट, ऑर्थोपैडिक, सर्जन, ऑप्थार्मोलॉजिस्ट, ई.एन.टी. सर्जन, साइकाइट्रिस्ट) पॉलीक्लीनिक में कार्य करने हेतु इच्छुक हो, उक्त कार्य करने हेतु अपना सहमति पत्र (वांछित अभिलेखों सहित) कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी शाहजहांपुर में 14 मार्च 2026 (शनिवार) तक उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें (अधिक जानकारी के लिए कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी शाहजहांपुर में सम्पर्क करें।)

मुख्य चिकित्साधिकारी, शाहजहांपुर

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता

बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 1536/141सी0(ई0टेण्डर)–3/26 दिनांक: 20.02.2026

ऑन–लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन लाइन ई–निविदा दिनांक 28.02.2026 से दिनांक 07.03.2026 की अपरान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 07.03.2026 को ही अपरान्ह 12.30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	लागत: सिविल कार्य की लागत (रू0 लाख में)	लागत: 05 वर्ष अनुरक्षण की लागत (रू० लाख में)	लागत: कुल लागत (4+5) (रू० लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0) (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी (मार्ग कार्य हेतु)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	ग्राम पंचायत बल्लिया में गठिया रामापुर बरकतपुर तक मार्ग का नवनिर्माण कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, शाहजहांपुर	56.50	4.20	60.70	5.04	2725.00	04 माह	'ए' 'बी' 'सी' (मार्ग कार्य)
3	ग्राम बारा में श्री रामदेव वर्मा के प्रतिष्ठान से ग्राम तक मार्ग का नवनिर्माण कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)		96.80	7.26	104.06	7.21	2725.00	12 माह	'ए' 'बी' (मार्ग कार्य)
4	ग्राम पंचायत हथौड़िया स्थित कृष्ण बिहार कॉलोनी में शारस्वत श्रीवास्तव के मकान से राजीव सक्सेना के मकान तक मार्ग का नवनिर्माण कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)		66.30	1.66	67.96	5.40	2725.00	04 माह	'ए' 'बी' 'सी' (मार्ग कार्य)
5	सतवां बुजुर्ग रिंग रोड से पी0के0 सिंह फार्म हाउस तक मार्ग का नवनिर्माण कार्य। (वित्तीय वर्ष 2025–26)		108.00	8.10	116.10	7.81	2725.00	12 माह	'ए' 'बी' (मार्ग कार्य)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(महेन्द्र कुमार पाल)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,शाहजहांपुर

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो0नि0वि0,बरेली

UP-247017 दिनांक 25.02.2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

मोदी ने भारतीय प्रवासियों को बताया लिविंग ब्रिज

यरुशल, एजेंसी । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी ऐतिहासिक इज़राइल यात्रा के दौरान गुरुवार को यरुशलम में भारतीय मूल के यहूदी समुदाय के सदस्यों से आत्मीय संवाद किया। प्रधानमंत्री ने इस समुदाय को भारत और इज़राइल के बीच एक लिविंग ब्रिज (जीवंत सेतु) करार देते हुए कहा कि वे न केवल इज़राइल के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक विरासत को भी वैश्विक पटल पर संजोए हुए हैं। पीएम मोदी ने ज़ोर देकर कहा कि भारत को अपनी इस यहूदी संतान पर गर्व है, जो सदियों से बिना किसी भेदभाव के भारत का अभिन्न हिस्सा रही है।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि इज़राइल में भारतीय मूल के यहूदी समुदाय के साथ बातचीत करना सुखद रहा। भारत के प्रति उनका गहरा लगाव और इज़राइल की प्रगति में उनका अटूट समर्पण वास्तव में प्रेरणादायक है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र के 'बेने इज़राइल', केरल के 'कोचिनी', कोलकाता के 'बगदादी' और पूर्वोत्तर के 'बनेई मेनाशे' समुदाय के इतिहास का विशेष उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि भारत दुनिया के उन गिने-चुने देशों में से एक है, जहाँ यहूदियों को कभी भी उत्पीड़न का सामना नहीं करना पड़ा।

भारतीय प्रवासियों से बात करते प्रधानमंत्री मोदी ● अमृत विचार

सांस्कृतिक कार्यक्रम और 'आई लव माय इंडिया' की गूंज

मुलाकात के दौरान एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें दिव्यांग कलाकारों ने 'आई लव माय इंडिया' गीत पर प्रस्तुति दी। इस भावुक प्रस्तुति ने प्रधानमंत्री समेत वहां मौजूद सभी लोगों का मन मोह लिया। पीएम मोदी ने कलाकारों की सराहना करते हुए कहा कि कला और संगीत की कोई सीमा नहीं होती और यह भारत-इज़राइल की अटूट दोस्ती का सबसे सुंदर प्रतीक है। उन्होंने इज़राइल में सेवा दे रहे भारतीय 'केयरगिवर्स' (देखभाल करने वालों) के धैर्य और साहस की भी प्रशंसा की, जिन्होंने युद्ध जैसी कठिन परिस्थितियों में भी अपनी सेवाएँ जारी रखीं।

राजस्थान के उदयपुर के बाहरी इलाके में आयोजित विवाह समारोह के दौरान अभिनेता रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा।

उदयपुर में संपन्न हुई फिल्म स्टार विरोश की शाही शादी

● रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा बंधे विवाह बंधन में

उदयपुर, एजेंसी। दक्षिण भारतीय सिनेमा के सबसे चर्चित सितारे रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा गुरुवार को राजस्थान के उदयपुर में एक निजी और भव्य समारोह में विवाह के बंधन में बंध गए। पिछले सात वर्षों से चले आ रहे कयासों पर विराम लगाते हुए, इस जोड़े ने अपनी शादी की पहली आधिकारिक तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं।

इन तस्वीरों में रश्मिका पारंपरिक लाल साड़ी और स्वर्ण आभूषणों में नजर आईं, जबकि विजय ने ऑफ-व्हाइट धोती और लाल शॉल पहनकर अपने तेलुगु मूल की परंपराओं का सम्मान किया। उदयपुर के बाहरी इलाके में स्थित एक लग्जरी होटल में आयोजित इस समारोह में केवल दोनों परिवारों के सदस्य और करीबी मित्र ही शामिल हुए। शादी की रस्में पूरी तरह से पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुईं। सुबह 10 बजे के शुभ मुहूर्त में तेलुगु रीति-रिवाजों के अनुसार मुख्य विवाह हुआ, जबकि शाम को रश्मिका की विरासत का सम्मान करते हुए कोडवा (कूर्गी) परंपरा से दूसरा समारोह आयोजित किया गया। इस विवाह को उनके प्रशंसकों द्वारा दिए गए नाम 'द वेडिंग ऑफ विरोश' के रूप में सेलिब्रेट किया गया। विजय देवरकोंडा ने इंस्टाग्राम पर एक बेहद भावुक संदेश साझा करते हुए लिखा, "मैंने अपनी बेस्ट फ्रेंड को अपनी पत्नी बना लिया है।" रश्मिका ने भी शादी की तस्वीरें साझा करते हुए अपने पति के लिए अपना प्यार व्यक्त किया। उदयपुर में तीन दिनों तक चले इस उत्सव में सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम थे।

वर्ल्ड ब्रीफ

मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए 200 न्यायिक अधिकारी आएंगे

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) की प्रक्रिया को पारदर्शी और सटीक बनाने के लिए पड़ोसी राज्यों झारखंड और ओडिशा से करीब 200 न्यायिक अधिकारियों के जल्द ही बंगाल आने की संभावना है। निर्वाचन आयोग के विशेष सूची पर्यवेक्षक सुब्रत गुप्ता ने गुरुवार को यह जानकारी साझा की।यह महत्वपूर्ण कदम उच्चतम न्यायालय के उस सुझाव के बाद उठाया जा रहा है, जो उसने कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल को दिया था। निर्वाचन आयोग का उद्देश्य अन्य राज्यों के निष्पक्ष अधिकारियों की मदद से मतदाता सूची में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की शिकायतों को दूर करना है।

ममता बनर्जी का आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज हैक

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज 'सोरासरी मुख्यमंत्री' हैक कर लिया गया है। इस हाई-प्रोफाइल डिजिटल सेंधमारी के बाद राज्य प्रशासन और पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। गुरुवार को यह मामला सामने आने के बाद कोलकाता पुलिस के साइबर सेल ने तुरंत अज्ञात हैकर्स के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पोर्टल का उपयोग सीधे जनता की शिकायतों और सुझावों के लिए किया जाता है, जिससे इसकी सुरक्षा को बेहद संवेदनशील माना जाता है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, पेज पर कुछ संदिग्ध गतिविधियाँ देखी गईं, जिसके बाद विशेषज्ञों ने पाया कि अकाउंट का नियंत्रण अनधिकृत हाथों में चला गया है।

पत्नी की मौत पर याचिका, हाईकोर्ट ने सुनवाई से किया इनकार

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को गाजियाबाद के एक व्यवसायी की उस याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिसमें उन्होंने केंद्र सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाया था। याचिकाकर्ता रामबीर सिंह गोला का दावा था कि पिछले वर्ष नेपाल में 'जेन-जेड' विरोध प्रदर्शनों के दौरान काठमांडू में उनकी पत्नी की मृत्यु केंद्र की कोताही के कारण हुई थी। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति पुरुषेन्द्र कुमार कौरव ने स्पष्ट किया कि यह याचिका विचारणीय नहीं है। अदालत ने मौखिक रूप से कहा कि इस मामले में कई विवादित तथ्य शामिल हैं, जिन्हें साबित करने के लिए विस्तृत सबूतों की आवश्यकता है।

बोझ और झंझट बन गए हैं न्यायाधिकरण

सीजेआई ने कहा- श्रीमान अटॉर्नी जनरल, न्यायाधिकरण आपकी रचना हैं और वे सिरदर्द बन गए हैं

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में न्यायाधिकरणों के कामकाज पर नाराजगी व्यक्त करते हुए, उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि वे बिना किसी "जवाबदेही के बोझ और झंझट" बन गए हैं। न्यायालय ने इस बात को लेकर चिंता जताई कि एक वित्तीय न्यायाधिकरण के तकनीकी सदस्य निर्णय लिखने का काम भी आउटसोर्स कर रहे थे।

सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने टिप्पणी की कि न्यायाधिकरण सरकार द्वारा बनाए गए हैं और वे बिना किसी जवाबदेही के अनियंत्रित होकर कार्य कर रहे हैं। न्यायालय पिछले साल के उस फैसले के मद्देनजर न्यायाधिकरणों के अध्यक्षों सहित सदस्यों के कार्यकाल को बढ़ाने की याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें न्यायाधिकरण सुधार अधिनियम, 2021 को रद्द कर दिया गया था। पीठ ने अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी से रिक्त पदों को तत्काल भरने के लिए कुछ व्यवस्था करने को कहा। साथ ही, पीठ ने इस बात पर प्रकाश डाला कि वर्तमान व्यवस्था के अनुसार, टीडीएसएटी न्यायाधिकरण का एक तकनीकी सदस्य अध्यक्ष की सेवानिवृत्ति पर अर्ध-न्यायिक निकाय का कार्यवाहक अध्यक्ष बन जाता है। न्यायालय ने अटॉर्नी जनरल को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि ऐसे महत्वपूर्ण न्यायाधिकरणों में कोई कार्यात्मक संकट न हो, क्योंकि उसने ऐसी व्यवस्था पर आपत्ति जताई है जिसमें कोई तकनीकी सदस्य अध्यक्ष का पद संभाले।

सीजेआई ने कहा कि अब जिस तरह के आदेश हम देख रहे हैं, कुछ न्यायाधिकरणों को छोड़कर, ये संस्थाएं एक तरह से 'अनियंत्रित' हो गई हैं क्योंकि वे न तो न्यायपालिका के प्रति जवाबदेह हैं और न ही पृथ्वी पर किसी के प्रति जवाबदेह हैं।" अटॉर्नी जनरल ने कहा कि सरकार रिक्त पदों को शीघ्रता से भरने के लिए एक तंत्र विकसित करने का प्रयास कर रही है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि यह राष्ट्रीय हित में नहीं है कि न्यायाधिकरण किसी के प्रति जवाबदेह न हों।

● विधायी व्यवस्था के कारण उनके कामकाज का तरीका कोर्ट के लिए बनता रहा है चुनौती

पीठ ने कहा कि अदालत मौजूदा सदस्यों को कार्यकाल का एकमुश्त विस्तार देने की इच्छुक नहीं थी, लेकिन न्यायाधिकरणों में रिक्तियों को नहीं भरे जाने के कारण ऐसा करने के लिए विवश थी। सीजेआई ने कहा कि उनके पास एक महत्वपूर्ण न्यायाधिकरण के संबंध में विश्वसनीय जानकारी है, जो देश की अर्थव्यवस्था के कारण महत्वपूर्ण है और जहां तकनीकी सदस्य खुद फैसले नहीं लिख रहे थे।

उन्होंने कहा, "ये तकनीकी सदस्य एक भी फैसला नहीं लिख रहे हैं, वे इस बात पर जोर दे रहे हैं कि न्यायिक सदस्य उनकी ओर से और उनके नाम पर फैसला लिखें। मुझे तो एक तकनीकी सदस्य की धृष्टता का भी पता है, जिसने एक न्यायिक सदस्य से अपने नाम से फैसला लिखने को कहा और उन्हें ब्लैकमेल किया कि वह फैसले पर हस्ताक्षर नहीं करेगा। उन्होंने कहा, "न्यायाधिकरण के कुछ तकनीकी सदस्य वास्तव में निर्णयों को लिखने का काम आउटसोर्स कर रहे हैं, जो न्यायिक प्रणाली में पूरी तरह से अनसुनी बात है। मैं सचमुच बहुत परेशान हूं और उचित समय आने पर मैं उन्हें बर्खास्त कर दूंगा।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी खर्च पर केंद्र और चुनाव आयोग से मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक बेहद अहम मामले की सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग से जवाब तलब किया है। अदालत उस याचिका पर विचार कर रही है जिसमें मांग की गई है कि चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा किए जाने वाले बेतहाशा खर्च की भी एक तय सीमा होनी चाहिए। वर्तमान में, चुनाव लड़ रहे व्यक्तिगत उम्मीदवारों के खर्च पर तो पाबंदी है, लेकिन राजनीतिक दलों के लिए खर्च की कोई ऊपरी सीमा तय नहीं है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए नोटिस जारी किया है। अदालत ने केंद्र और चुनाव आयोग को 27 अप्रैल तक अपना पक्ष रखने का समय दिया है। यह याचिका गैर-सरकारी संगठन 'कॉमन कॉज' और 'सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन' की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने दायर की है।

कर्जदार, गारंटी देने वाले दोनों के खिलाफ एक साथ ऋण शोधन कार्यवाही हो सकती है

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि एक ही कर्ज के लिए मूल कर्जदार और उसके कॉरपोरेट गारंटर दोनों के खिलाफ एक साथ दिवाला कार्यवाही चलाई जा सकती है। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि दिवाला एवं ऋण शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के तहत ऐसा कोई वैधानिक प्रतिबंध नहीं है जो वित्तीय कर्जदाता को अपने बकाया की वसूली के लिए समानांतर कार्रवाई शुरू करने से रोकता हो। न्यायमूर्ति दत्ता ने 47 पृष्ठ के फैसले की शुरुआत में लिखा, ''न्यायाधीश को मनमाने ढंग से नए नियम बनाने का अधिकार नहीं है। न्यायमूर्ति दत्ता ने कहा ऋणदाता द्वारा अपने कर्ज के लिए गारंटी प्राप्त करने के औचित्य को पूरी तरह से समझना उचित जान पड़ता है।

चिदंबरम के खिलाफ मामलों में आएगी तेजी, ईडी ने कोर्ट में पेश की मुकदमे की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय ने पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री और कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम के खिलाफ चल रहे दो बड़े धनशोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) मामलों में सुनवाई तेज करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने गुरुवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत को सूचित किया कि उसने चिदंबरम के खिलाफ मुकदमा चलाने (अभियोजन) के लिए आवश्यक सरकारी मंजूरी पेश कर दी है। इससे अब इन पुराने मामलों की कानूनी प्रक्रिया में तेजी आने की उम्मीद है।

यह पूरा मामला दो बहुचर्चित घोटालों— एयरसेल-मैक्सिस सौदा और आईएनएक्स मीडिया से जुड़ा हुआ है। ईडी का आरोप है कि वित्त मंत्री रहते हुए चिदंबरम ने इन सौदों में विदेशी निवेश के नियमों की अनदेखी की और उनके माध्यम से अवैध धन का लेनदेन किया गया। एजेंसी ने एयरसेल-मैक्सिस मामले में 2018 में और आईएनएक्स मीडिया मामले में 2020 में आरोप पत्र (चार्जशीट) दाखिल की थी, जिस पर अदालत ने 2021 में संज्ञान लिया था।

क्या है 'अभियोजन मंजूरी' का महत्व?

किसी भी पूर्व मंत्री या सरकारी अधिकारी के खिलाफ पद पर रहते हुए किए गए कार्यों के लिए मुकदमा चलाने के लिए संबंधित विभाग से औपचारिक मंजूरी लेना अनिवार्य होता है। अब तक इन मामलों में सुनवाई की गति धीमी थी क्योंकि यह तकनीकी प्रक्रिया लंबित थी। ED ने अदालत से अनुरोध किया है कि चूंकि अब सभी आवश्यक दस्तावेज और मंजूरियां मिल चुकी हैं, इसलिए इन दोनों मामलों की सुनवाई को प्राथमिकता के आधार पर (Fast Track) शुरू किया जाए। गौरतलब है कि इन मामलों में पी. चिदंबरम के अलावा उनके बेटे कार्ति चिदंबरम और कई पूर्व नौकरशाह भी आरोपी बनाए गए हैं। चिदंबरम लगातार इन आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताते रहे हैं। अब अदालत द्वारा इन मंजूरियों को रिकॉर्ड पर लेने के बाद, आने वाले दिनों में गवाहों के बयान और जिरह की प्रक्रिया शुरू हो सकती है, जो कांग्रेस नेता के लिए कानूनी मुश्किलें बढ़ा सकती है।

कनाडा के पीएम कार्नी आज से चार दिन की भारत यात्रा पर

नई दिल्ली, एजेंसी

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर 27 फरवरी से 2 मार्च तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर होंगे। यहां प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से गुरुवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार कार्नी शुक्रवार को मुंबई पहुंचेंगे और वह वहां अगले दो दिन विभिन्न व्यावसायिक कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

इस दौरान वह भारत और कनाडा की कुछ प्रमुख कंपनियों के कार्यकारी अधकिारियों, विशेषज्ञों, नवप्रवर्तकों, शिक्षाविदों के साथ-साथ भारत में स्थित कनाडा के पेंशन फंड प्रमुखों के साथ वार्तालाप करेंगे। प्रधानमंत्री कार्नी पहली मार्च को राजधानी नई दिल्ली पहुंचेंगे 2 मार्च को मार्च को श्री मोदी के प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगे। इस दौरान दोनों नेता भारत-कनाडा रणनीतिक साझेदारी के विभिन्न क्षेत्रों में अब तक हुई प्रगति की समीक्षा करेंगे और जिसमें कनानास्किस (जून 2025) और जोहान्सबर्ग (नवंबर 2025) में दोनों नेताओं की पिछली बैठकों के बाद की प्रगति पर भी चर्चा होगी। विज्ञप्ति में कहा गया है कि दोनों पक्ष व्यापार और निवेश, ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, कृषि, शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार सहित प्रमुख स्तंभों में वर्तमान में जारी सहयोग की भी समीक्षा करेंगे।

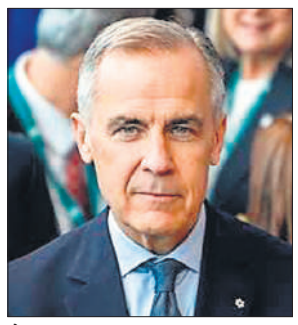

युवक कांग्रेस के तीन कार्यकर्ता तीन दिन की पुलिस रिमांड पर

नई दिल्ली, एजेंसी । देश की राजधानी में अनोखे तरीके से विरोध प्रदर्शन करने वाले भारतीय युवा कांग्रेस (IYC) के तीन कार्यकर्ताओं को दिल्ली की एक अदालत ने गुरुवार को तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। इन कार्यकर्ताओं को सार्वजनिक स्थान पर अमर्यादित आचरण करने और सुरक्षा घेरा तोड़ने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने अदालत से पूछताछ के लिए रिमांड की मांग की थी, जिसे स्वीकार कर लिया गया।

यह मामला तब शुरू हुआ जब युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। प्रदर्शन के दौरान इन तीन कार्यकर्ताओं ने अपनी कमीज उतारकर अर्ध-नग्न अवस्था में नारेबाजी शुरू कर दी। पुलिस का तर्क है कि इस तरह के प्रदर्शन से सार्वजनिक व्यवस्था प्रभावित हुई और सुरक्षा नियमों का उल्लंघन किया गया।

आतंकवाद का सामना करने के लिए सामूहिक संकल्प की आवश्यकता : जयशंकर

जिनेवा, एजेंसी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि भारत आतंकवाद का कड़ा विरोध करता है और इस समस्या का सामना करने के लिए सामूहिक संकल्प की आवश्यकता है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) से आतंकवादी कृत्यों को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनाने का आग्रह किया। जयशंकर यूएनएचआरसी के 61वें सत्र के दौरान एक कार्यक्रम को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि भारत संघर्ष, ध्रुवीकरण और अनिश्चितता से ग्रस्त विश्व में साझा आधार खोजने और उसका विस्तार करने का प्रयास करता है। उन्होंने कहा कि हमने हमेशा टकराव के बजाय संवाद, विभाजन के बजाय सहमति और संकीर्ण हितों के बजाय मानव-केंद्रित विकास पर जोर दिया है। हम इस परिषद और संयुक्त राष्ट्र से आतंकवादी कृत्यों को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनाने की अपेक्षा करते हैं। जयशंकर ने कहा कि भारत का दृष्टिकोण इस समझ पर आधारित है कि किसी भी क्षेत्र की असुरक्षा या किसी भी समूह का हाशिए पर होना अंततः सभी के अधिकारों को कमज़ोर करता है। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत की मानवीय सहायता भौगोलिक सीमाओं से अधिक सहानुभूति से प्रेरित रही है।

सपनों की दुनिया में जी रहा है पाकिस्तान

जिनेवा/नई दिल्ली। भारत ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में पाकिस्तान के सपनों की दुनिया में जीने पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर का बजट इस्लामाबाद के आईएमएफ से हाल ही में मांगे गए बेलआउट पैकेज से दोगुने से भी अधिक है। भारत ने पाकिस्तान को पीओके को खाली करने के लिए भी कहा। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन की प्रथम सचिव अनुपमा सिंह ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 61वें नियमित सत्र के उच्च-स्तरीय खंड में भारत के 'जवाब देने के अधिकार' का उपयोग करते हुए, कहा कि निरंतर राज्य-प्रायोजित आतंकवाद के माध्यम से क्षेत्र को अस्थिर करने के पाकिस्तान के प्रयासों के बावजूद, जम्मू-कश्मीर राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक रूप से आगे बढ़ रहा है। सुश्री सिंह ने कहा कि पाकिस्तान के लिए बेहतर होगा कि वह अपने गहराते आंतरिक संकटों को ठीक करने पर ध्यान केंद्रित करे, न कि इस तरह के मंच पर आडंबरपूर्ण तरीके से उन्हें छिपाने का प्रयास करे।

निर्देशक अपहरण कांडः अभिनेत्री समेत 11 गिरफ्तार

बेंगलुरु, एजेंसी । कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में एक कन्नड़ फिल्म निर्देशक के अपहरण और मारपीट का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। पुलिस ने गुरुवार को जानकारी दी कि निर्देशक टीए अनीश को बंधक बनाकर पीटने और उनसे लूटपाट करने के आरोप में एक अभिनेत्री और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ऐश्वर्या समेत कुल 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

यह पूरी घटना पैसों के लेनदेन के विवाद और धोखे से जुड़ी बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, निर्देशक अनीश ने हाल ही में 'जीवनदा भाषे' नामक फिल्म का निर्देशन किया है। फिल्म के एक निवेशक और सहयोगी के साथ उनका वित्तीय विवाद चल रहा था,9 फरवरी को आरोपियों ने अनीश को कार बिकवाने के बहाने मुंबई से बेंगलुरु बुलाया। जैसे ही वे बताए गए स्थान पर पहुंचे, आरोपियों ने उनका अपहरण कर लिया और ब्यादराहल्ली स्थित एक घर में बंधक बना लिया।

वायु प्रदूषण चिंताजनक स्थिति यूपी की, यहां 9% व बिहार में केवल 13% आबादी ही किसी स्टेशन के 10 किमी दायरे में आती है

देश की 85% आबादी निगरानी तंत्र से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में वायु प्रदूषण की समस्या जिस घातक गति से बढ़ रही है, उसकी निगरानी करने वाला सरकारी तंत्र उतना ही पीछे छूट गया है। हाल ही में जारी स्टेट ऑफ इंडियाज़ एनवायरनमेंट रिपोर्ट 2026 के अनुसार, देश की केवल 15 प्रतिशत आबादी ही किसी सतत निगरानी केंद्र के 10 किलोमीटर के दायरे में रहती है।

शेष 85 प्रतिशत यानी लगभग 1.2 अरब लोग किसी भी मापनीय दायरे से बाहर सांस लेने को मजबूर हैं। यह रिपोर्ट सेंटर फॉर साइंस एण्ड एनवायरमेंट और उसकी पत्रिका 'डाउन टू अर्थ' द्वारा अनिल अग्रवाल डॉयलाग-2026 में जारी की गई।

● 64% जिलों में प्रदूषण मापने का एक भी रीयल-टाइम केंद्र नहीं

निगरानी तंत्र का मौजूदा ढांचा

- **मैनुअल स्टेशन :** 419 शहरों में 966 स्टेशन हैं, जो सप्ताह में सिर्फ दो बार मापन करते हैं।
- **सतत निगरानी केंद्र :** 294 शहरों में 562 केंद्र हैं, जो प्रति घंटे रीयल-टाइम आंकड़ा देते हैं।

विशेषज्ञों के सुझाव:

- भविष्य की निगरानी व्यवस्था में महंगे उपकरणों के साथ कम लागत वाले सत्यापित सेंसर और सैटेलाइट आंकड़ों को जोड़ा जाए।
- विद्यालयों, अस्पतालों और उच्च जोखिम वाले औद्योगिक क्षेत्रों में प्राथमिकता के आधार पर केंद्र स्थापित किए जाएं।
- बदलते शहरी स्वरूप के अनुसार पुराने निगरानी केंद्रों का स्थान बदलकर उन्हें प्रभावी बनाया जाए।

दिल्ली-चंडीगढ़ सुरक्षित, यूपी-बिहार सबसे पीछे

रिपोर्ट के अनुसार, निगरानी केंद्रों का वितरण बेहद असमान है। चंडीगढ़ और दिल्ली : चंडीगढ़ में 100% आबादी निगरानी दायरे में है, दिल्ली में केवल 3 .5% आबादी ही इस सुरक्षा कवच से बाहर है। सबसे चिंताजनक स्थिति यूपी की है, जहां मात्र 9% आबादी और बिहार में केवल 13% आबादी ही किसी स्टेशन के 10 किमी दायरे में आती है। महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल : महाराष्ट्र में केंद्र अधिक हैं, लेकिन वे सिर्फ मुंबई, पुणे और नागपुर तक सीमित हैं। पश्चिम बंगाल में 19% कवरेज है, जबकि हुगली और मुर्शिदाबाद जैसे घनी आबादी वाले जिलों में एक भी रीयल-टाइम केंद्र नहीं है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्तमान में देश का 'वायु गुणवत्ता सूचकांक' और प्रदूषण नीतियां केवल एक छोटे शहरी हिस्से के आंकड़ों पर आधारित हैं। बड़े भूभाग में प्रदूषण लोगों के जीवन का हिस्सा तो है, लेकिन सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज ही नहीं हो पाता।

'एप्स्टीन फाइलों' के जरिए ट्रंप ने पीएम मोदी को धमकायाः राहुल गांधी

कन्नूर,एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुए हालिया व्यापार समझौते को लेकर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। केरल के कन्नूर जिले के पेरावूर में एक विशाल किसान सम्मेलन को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने दावा किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विवादित 'एप्स्टीन फाइलों' का इस्तेमाल प्रधानमंत्री मोदी को डराने-धमकाने के लिए किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी दबाव के चलते प्रधानमंत्री ने एक ऐसे व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जो भारतीय किसानों के हितों को भारी नुकसान पहुंचाएगा और उनके भविष्य को संकट में डाल देगा। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पर अमेरिकी राष्ट्रपति के सामने झुकने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह समझौता देश की आर्थिक और कृषि बुनियाद को कमजोर करने जैसा है। राहुल गांधी ने केंद्र सरकार की नीतियों पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार इस बुनियादी सच्चाई को भूल गई है कि किसान ही भारत की असली ताकत और नींव हैं।

उम्रदराज हो रहे राहुल को गद्दी नहीं मिलेगी

● इजराइल में मोदी के भाषण पर कांग्रेस के तंज पर भाजपा का पलटवार

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इजराइल के संसद में दिए गए भाषण को लेकर कांग्रेस की आलोचना पर पलटवार करते हुए भाजपा ने गुरुवार को दावा किया कि विपक्षी दल इसलिए 'नाखुश' है क्योंकि राहुल गांधी उम्रदराज हो रहे हैं और उनके प्रधानमंत्री बनने की कोई संभावना नहीं है। भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और उनका परिवार पूरी तरह से 'कंप्रोमाइज' है। पात्रा ने कांग्रेस से देश को यह स्पष्टीकरण देने की मांग की कि जवाहरलाल नेहरू ने प्रधानमंत्री के तौर पर अपने पहले कार्यकाल के दौरान भारतीय क्षेत्रों को चीन और पाकिस्तान को 'उपहार' में क्यों दे दिया था।

कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को इजराइली संसद में प्रधानमंत्री मोदी के भाषण पर हमला बोलते हुए कहा कि यह उनके मेजबान (प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू) का 'खुलेआम बचाव' था। 'एक्स' पर कई पोस्ट में कांग्रेस नेता आनंद शर्मा ने मोदी के भाषण को लेकर सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि भारत को ऐसे शासन का समर्थन करते हुए नहीं देखा जाना चाहिए जिसने गाजा में नरसंहार किया है और हजारों बेबस फलस्तीनियों को भुखमरी की स्थिति में पहुंचा दिया है। पलटवार करते हुए पात्रा ने कहा कि जब भी देश और प्रधानमंत्री मोदी के साथ कुछ अच्छा होता है, तो कांग्रेस के लिए यह हमेशा 'बुरी खबर' होती है। भाजपा नेता ने कहा, ''यह देश के लिए गर्व की बात है कि हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'नेसेट' में संबोधन के दौरान लोगों ने खड़े होकर प्रशंसा की।

लोग 'मोदी, मोदी' के नारे लगा रहे थे। हमने उनसे ऐसा करने के लिए नहीं कहा था। यह एक सहज प्रतिक्रिया थी। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए इजराइल के लोगों का प्यार था, जो वहां भारत की 140 करोड़ जनता का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस इन सब बातों से दुखी हैं क्योंकि उनके पास सत्ता नहीं है। राहुल बाबा सत्ता पाना चाहते हैं क्योंकि वे उम्रदराज हो रहे हैं। उन्हें यह नहीं मिलेगी।

स्वास्थ्य सबसे बड़ा उपहार है। संतोष सबसे बड़ा धन है। वफादारी सबसे बड़ा संबंध है।
–महात्मा बुद्ध

पाठ्यपुस्तक और प्रतिष्ठा

यदि किसी संवैधानिक संस्था- विशेषकर न्यायपालिका को त्रुटिपूर्ण या भ्रामक तथ्यों के आधार पर प्रस्तुत किया जाए, तो उसका प्रभाव केवल अकादमिक नहीं, संस्थागत विश्वसनीयता पर भी पड़ता है। कैशोर्य में स्थापित धारणा दीर्घकालिक होती है। अतः कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक में 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' संबंधी संदर्भों पर सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप और असाधारण कड़ा रुख पूरी तरह सही है, हालांकि इस कठोर प्रतिक्रिया को देख कर यह प्रश्न स्वाभाविक है कि एनसीईआरटी द्वारा अतीत में इतिहास, राजनीति, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान की पुस्तकों में हुए विवादित बदलावों पर सर्वोच्च न्यायालय ने स्वतः संज्ञान ले कर ऐसी त्वरित कारगुजारी क्यों नहीं की? संभवतः न्यायालय सामान्यतः नीतिगत-शैक्षिक सामग्री में हस्तक्षेप से बचता है पर संविधान-विरोध या गंभीर विधिक उल्लंघन के मामले में अधिक सक्रिय रहता है।

न्यायालय द्वारा आपत्तिजनक सामग्री पर रोक, पुनर्मुद्रण रोकना और डिजिटल प्रसार पर प्रतिबंध तकनीकी युग में पूर्णतः लागू करना कठिन अवश्य है, पर यह स्पष्ट संदेश देता है कि संस्थागत प्रतिष्ठा से समझौता नहीं होगा, हालांकि दीर्घकालिक समाधान सेंसरशिप नहीं, बल्कि गुणवत्ता-नियंत्रण और संतुलित अकादमिक विमर्श है। जाहिर है पुस्तक के उक्त अध्याय में न्यायपालिका के मात्र दोषों का उल्लेख हो और राजनीति व व्यवस्थापिका की समांतर चर्चा न हो, तो यह संतुलनहीनता है। यदि देश में भष्टाचार चहुंओर है, तो लोकतंत्र की तीनों शाखाओं में उसकी व्याप्ति को समग्रता में पढ़ाया जाना चाहिए। न्यायपालिका की ऐतिहासिक उपलब्धियों मौलिक अधिकारों की रक्षा, जनहित याचिकाएं, आपातकालीन दुरुपयोग पर अंकुश का उल्लेख न होना, अधूरा चित्र प्रस्तुत करता है। एनसीईआरटी का यह कहना कि त्रुटि 'अनजाने' में हुई, सहज स्वीकार्य नहीं। पाठ्यपुस्तक निर्माण बहु-स्तरीय प्रक्रिया है। लेखन, समीक्षा, संपादन, विशेषज्ञ समिति और उच्चस्तरीय स्वीकृति। यदि इन सबके बाद भी तथ्यात्मक या संदर्भगत भूल रह गई, तो जानबूझकर की गई क्यों न मानी जाए। सार्वजनिक खेद स्वागतयोग्य है पर इसकी आड़ ले, दायित्व से बचने की बजाए पारदर्शी जांच, जिम्मेदारी तय करने और सुधारात्मक उपाय लागू होने चाहिए। दोष केवल एनसीईआरटी तक सीमित नहीं हो सकता। शिक्षा मंत्रालय और व्यापक नीतिगत ढांचा भी इसके लिए समान रूप से उत्तरदायी हैं। पाठ्यक्रम परिवर्तन अक्सर राजनीतिक-सामाजिक विमर्श से प्रभावित होते हैं, ऐसे में पारदर्शिता और बहु-विचारधारात्मक समीक्षा अत्यंत अनिवार्य है। यदि यह सिद्ध हो कि प्रकाशन न्यायपालिका को कलंकित करने के उद्देश्य से जानबूझकर किया गया, तो यह गंभीर कदाचार है। तथ्यों का विकृतिकरण, शिकायतों की संख्या को संदर्भ-विहीन प्रस्तुत करना या पूर्व मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की टिप्पणियों को गलत अर्थ में उद्धृत करना, ये सब संस्थागत अवमानना की सीमा तक जा सकते हैं और भारी सज़ा की वजह बन सकते हैं, पर आपराधिक अवमानना तब बनती है जब न्याय के प्रशासन में बाधा उत्पन्न हो या न्यायालय की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने का उद्देश्य स्पष्ट हो, किंतु इसके लिए दुर्भावना और आशय का प्रमाण आवश्यक है।

प्रसंगवश

अल्फ्रेड पार्क के अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद

भारतीय इतिहास के आकाश में 27 फरवरी का दिन उस नक्षत्र की याद दिलाता है, जिसकी चमक से ब्रिटिश साम्राज्यवाद की आंखें चौंधिया गईं थीं। यह दिन उस महामानव के बलिदान का साक्षी है, जिसने अपनी प्रतिज्ञा को अपने प्राणों से भी ऊंचा स्थान दिया। चंद्रशेखर आजाद, एक ऐसा नाम, जिसके स्मरण मात्र से धमनियों में रक्त का संचार तीव्र हो जाता है और हृदय में राष्ट्र भक्ति का ज्वार उमड़ पड़ता है। आजाद केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विचार थे, एक ऐसी जलती हुई मशाल थे, जिसने गुलामी के घोर अंधकार में करोड़ों भारतीयों को स्वतंत्रता का मार्ग दिखाया। उनका संपूर्ण जीवन एक ऐसी महागाथा है, जिसका प्रत्येक अध्याय साहस, त्याग और स्वाभिमान की स्याही से लिखा गया है।

मध्य प्रदेश के भाबरा गांव में 23 जुलाई 1906 को जन्मे चंद्रशेखर सीताराम तिवारी का बचपन अभावों की गोद में बीता। उनके पिता एक साधारण किसान थे, जो कड़ी मेहनत से परिवार का भरण-पोषण करते थे, लेकिन उस बालक की आंखों में नियति ने कुछ और ही स्वप्न सजो रखे थे। वे बचपन से ही निडर और साहसी थे, अन्याय को सहना उनके स्वभाव में नहीं था। जब 1921 में महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन की पुकार काशी की गलियों में गूंजी तो 14 वर्ष का यह बालक अपनी पढ़ाई छोड़कर राष्ट्र की वेदी पर आ खड़ा हुआ।

श्वेता गोयल
शिक्षिका

काशी की तंग गलियों में हाथ में तिरंगा लिए जब वह बालक अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध गर्जना कर रहा था, तब किसी ने नहीं सोचा था कि यह छोटा सा किशोर आगे चलकर ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला देगा। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया और मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया। उस कचहरी का दृश्य आज भी रोंगटे खड़े कर देता है। मजिस्ट्रेट ने जब रौब से नाम पूछा तो बालक ने निर्भय होकर उत्तर दिया, 'आजाद'। पिता का नाम पूछने पर कहा, 'स्वतंत्रता' और निवास का पता बताया, 'जेलखाना'। मजिस्ट्रेट इस धृष्टता पर तिलमिला उठा और उसने 14 साल के उस कोमल शरीर को 15 कोड़ों की सजा सुनाई।

सरेआम उस बच्चे को निर्वस्त्र कर टिकटी से बांध दिया गया। भारी और मोटे बेंत का हर प्रहार उसकी खाल उधेड़ रहा था। पीठ से खून के फव्वारे छूट रहे थे, लेकिन उस बालक की आंखों में दर्द नहीं, बल्कि एक अलौकिक गर्व था। हर कोड़े की मार पर वह पूरी ताकत से चिल्लाता था, 'वंदे मातरम!', 'भारत माता की जय!' 15 कोड़े पूरे होने तक उसका शरीर मांस का लोथड़ा बन चुका था, हड्डियां दिखाई देने लगी थीं, लेकिन उस वीर ने एक भी आंसू नहीं गिराया। जेल के डॉक्टर जब घावों पर दवा लगाते तो वह बच्चा दर्द से तड़पता जरूर था पर उसके होंठों पर मुस्कान और हृदय में प्रतिशोध की ज्वाला थी। इसी दिन से वह दुनिया के लिए 'आजाद' बन गए।

असहयोग आंदोलन के वापस लिए जाने से आजाद का मोहभंग हुआ और वे सशस्त्र क्रांति की ओर मुड़ गए। उनकी क्रांतिकारी यात्रा का एक स्वर्णिम पड़ाव 'काकोरी कांड' था। नौ अगस्त 1925 को लखनऊ के पास सरकारी खजाने से भरी ट्रेन को लूटकर क्रांतिकारियों ने फिरंगियों को सीधी चुनौती दी। इस कांड के बाद कई साथी पकड़े गए, लेकिन अपनी चतुराई और वेश बदलने की कला में माहिर आजाद पुलिस की आंखों में धूल झोंककर बच निकले। संगठन बिखर चुका था पर आजाद का हौसला नहीं। 1928 में उन्होंने भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु जैसे युवा मेधावियों के साथ मिलकर 'हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन' की नींव रखी। आजाद इस संगठन के सेनापति थे। भगत सिंह जैसे प्रखर बुद्धिजीवी भी उन्हें अपना मार्गदर्शक मानते थे।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं।)

आतंकवाद से निपटने के लिए भारत का 'प्रहार'

विवेक सक्सेना
अयोध्या

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने आतंकवाद विरोधी नीति जारी की है। इसे आतंकवाद के खिलाफ जीरो-टॉलरेंस के तहत सुरक्षा ढांचे को और मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सोमवार को अपनी पहली राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी नीति और रणनीति, 'प्रहार' जारी कर राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक और निर्णायक बदलाव किया है। ये नीति ऐसे समय में जारी की गई है, जब देश सीमापार प्रयोजित आतंक, ड्रोन आधारित हमले, हथियारों की तस्करी, साइबर हमले और आतंकियों के स्लीपर सेल आदि गंभीर चुनौतियों का लगातार सामना कर रहा है। गृह मंत्रालय की वेबसाइट पर अपलोड किए गए स्ट्रेटेजी डॉक्यूमेंट में कहा गया है कि 'भारत आतंकवाद को किसी खास धर्म, जाति, राष्ट्रीयता या सभ्यता से नहीं जोड़ता है।' देश लंबे समय से सीमा पार से 'प्रायोजित आतंकवाद' से प्रभावित रहा है, जिसमें 'जिहादी आतंकी संगठन और उनके फ्रंटल संगठन' हमलों की प्लानिंग करते रहते हैं और उन्हें अंजाम देते हैं।

डार्क वेब और क्रिप्टो-फाइनेंसिंग जैसे आधुनिक खतरे भी देश के लिए बड़ी चुनौती हैं। यह नीति जल, थल और वायु तीनों मोर्चों पर सुरक्षा को मजबूत करने और बुनियादी ढांचे की रक्षा करने पर जोर देती है। इसमें अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) जैसे वैश्विक आतंकी समूहों का नाम लेते हुए कहा गया है कि उन्होंने स्लीपर सेल के जरिए भारत में हिंसा भड़काने की कोशिश की है, जबकि दूसरे देशों से काम करने वाले हिंसक अतिवादियों ने आतंवाद को बढ़ावा देने की साज़िशें रची हैं।

पहलगाम में आतंकियों के हाथों हुआ नरसंहार केवल निर्दोष लोगों के जीवन पर हमला नहीं था। यह भारत की अंतरात्मा पर भी किया गया आक्रमण था। इसके प्रत्युत्तर में भारत ने आतंकवाद रोधी कार्रवाई की नियम पुस्तिका के पुनर्लेखन का निर्णय लिया।

'प्रहार' का अर्थ है 'स्ट्राइक्स', जो भारत के 'जीरो-टॉलरेंस' दृष्टिकोण को एक मजबूत और सक्रिय ढांचा प्रदान करता है। यह नीति सुरक्षा ढांचे को और मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। आतंकी संगठन जिस तरह लगातार संगठित हमले और गतिविधियां कर रहे हैं, उसे देखते हुए यह समय की मांग है कि इससे सख्ती से निपटा जाए और इसके लिए रणनीतियों में भी एक समन्वय हो। यही वजह है कि सात मुख्य स्तंभों पर आधारित 'प्रहार' में आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक प्रयासों में तालमेल बैठाने पर भी खासा जोर दिया गया है। गृह मंत्रालय ने एफआईआर दर्ज करने से लेकर मुकदमा चलाने तक, जांच के हर स्तर पर कानूनी जानकारों को शामिल करने का सुझाव दिया है, ताकि अपराधियों के खिलाफ केस मजबूत हो सके।

इस नीति में आतंकवादी हमलों को होने से पहले ही रोकना। खतरे के अनुरूप त्वरित और कठोर जवाब। पूरे सरकारी दृष्टिकोण के साथ आंतरिक क्षमताओं को एक साथ लाना। विधि के शासन का पालन करते हुए कार्रवाई करना। कट्टरपंथ के कारणों को समाप्त करना। अंतर्राष्ट्रीय और खुफिया जानकारी साझा करना। 'संपूर्ण-समाज' दृष्टिकोण के माध्यम से सुरक्षा को मजबूत करने पर खासा जोर दिया गया है। इसमें यह भी बताया गया है कि विदेश में मौजूद ग्रुप हमले करने के लिए लोकल इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स और इलाके की जानकारी पर ज़्यादा निर्भर हो रहे हैं।

'प्रहार' नीति न केवल आतंकवाद को एक आपराधिक कृत्य मानती है, बल्कि उसे एक व्यापक 'शत्रुतापूर्ण नेटवर्क' के रूप में देखती है। यह नीति 2025 में 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसी निर्णायक कार्रवाइयों के बाद के सुरक्षा परिदृश्य के अनुकूल है, जो पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद को कड़ी चुनौती देती है। भारत अब अपनी सुरक्षा नीति में रक्षात्मक से आक्रामक प्रतिरोध की ओर मजबूती से बढ़ गया है। यह नीति आतंकवाद के खिलाफ मोदी की सबसे स्पष्ट अभिव्यक्ति है।

आतंकवाद के खिलाफ प्रधानमंत्री मोदी अपने सिद्धांत और उसके तीन स्तंभ पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं। पहले प्रमुख स्तंभ में आतंकवादी घटनाओं का भारत की शर्तों पर निर्णायक उत्तर निहित है। भारत पर किसी भी आतंकवादी हमले का भारत की शर्तों पर ही करारा जवाब दिया जाएगा। देश आतंकवाद की जड़ों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि इसकी साजिश रचने वाले और प्रायोजक अपनी करनी का फल अवश्य भुगतें। भारत परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकियों या दबाव के आगे बिल्कुल नहीं झुकेगा।

इसमें इस बात पर भी बल दिया गया है कि परमाणु हथियारों को ढाल बनाकर आतंकवाद का बचाव करने के किसी भी प्रयास का सटीक और निर्णायक कार्रवाई से जवाब दिया जाएगा। आतंकवादियों को शरण देने, उन्हें धन देने या उनके लिए धन की व्यवस्था करने या आतंकवाद का समर्थन करने वालों को भी उनके समान ही परिणाम भुगतने पड़ेंगे। इसमें कोई दो राय नहीं कि नीति का वास्तविक परीक्षण इसके क्रियान्वयन से ही होगा।

किसी भी नीति की सफलता व्यक्ति या संस्था विशेष पर ही निर्भर नहीं करती है। इसके लिए देश की सभी खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों, पुलिस व अर्धसैनिक बलों इत्यादि के बीच उचित समन्वय, संसाधन के साथ-साथ तकनीकी क्षमता का विस्तार और दृढ़ इच्छा शक्ति भी नियमित बेहद जरूरी होगी। इसकी सफलता अब इसके प्रभावी कार्यान्वयन, आधुनिक तकनीक में निवेश और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय पर निर्भर करेगी। ऐसा होने के बाद ही 'प्रहार' सही मायने में देश को आतंकवाद से मुक्त कराने की दिशा में मजबूत और कारगर साबित होगा। भविष्य की दिशा 'प्रहार' राज्य-प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ सीमा-पार कार्रवाई को वैध बनाती है और वैश्विक मंचों पर सहयोग बढ़ाती है। यह पूर्व-सक्रिय रणनीति से भारत को मजबूत बनाएगी, लेकिन क्षमता निर्माण और कानूनी सुधार आवश्यक हैं।

आमने सामने

लिखित उत्तर और मंत्री की तरफ से दिया गया जवाब अलग-अलग है। मंत्री बहुत सज्जन, सीधे हैं और बाड़मेर के प्रभारी मंत्री हैं, लेकिन बाड़मेर जाते हैं, तो इन्हें काम नहीं करने दिया जाता। गृह क्षेत्र पाली में रहते हैं, तो वहां भी इन्हें काम नहीं करने दिया जाता।
–हरीश चौधरी
कांग्रेस विधायक, राजस्थान

जिनके घर शीशे के बने होते हैं, वह दूसरों के घरों पर पत्थर नहीं फेंका करते। कांग्रेस की सरकार के समय जो दावे आए थे, उनमें से 21 के क्लेम का निस्तारण हमारी सरकार ने किया। आपकी तो पूरी योजना ही फेल हो गई। हम तो 42 लाख पशुओं के बीमा करेंगे।
–जोराराम कुमावत
पशुपालन मंत्री, राजस्थान सरकार

कनिंघम ने नहीं, जगत सिंह ने खोजा था सारनाथ

निरंकार सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

विश्वविख्यात बौद्ध तीर्थ सारनाथ की खोज बाबू जगत सिंह ने की थी। बाद में इसका श्रेय एलेक्जेंडर कनिंघम ने ले लिया।

विश्वविख्यात बौद्ध तीर्थस्थल सारनाथ की खोज के ऐतिहासिक तथ्य इस बात की पुष्टि करते हैं कि इसकी खोज वाराणसी के बाबू जगत सिंह ने की थी। बाद में इसकी खोज का श्रेय एलेक्जेंडर कनिंघम ने लिया। उन्होंने बाबू जगत सिंह की सूचनाओं की सही जानकारी भी नहीं दी, हालांकि बाबू जगत सिंह की सूचनाओं के आधार पर कनिंघम ने इसका उत्खनन कराया और वहां तमाम मूर्तियां भी मिलीं, जो आज सारनाथ संग्रहालय में रखी हुई हैं। अब भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ने ऐतिहासिक तथ्यों की गहन छानबीन के बाद बाबू जगत सिंह के योगदान को स्वीकार कर लिया है।

अब तक इसकी खोज का श्रेय अलेक्जेंडर कनिंघम को दिया जाता था। पर यह पूरा सच नहीं है, दरअसल इसकी खोज वाराणसी के बाबू जगत सिंह ने की थी। इस बौद्ध स्थल की खोज का इतिहास उल्लेखनीय और आकर्षक है। यह शानदार और अकल्पनीय रूप से विश्व के सामने आया। 1787 के आसपास एक विशिष्ट घटना घटी, जिसके पश्चात् इस स्थान ने विद्वानों, भिक्षुओं और पुरातत्वविदों का ध्यान आकर्षित करना आरंभ किया। लगभग 1787 में स्थानीय राजपरिवार के सदस्य और सारनाथ के जमींदार बाबू जगत सिंह को इस क्षेत्र में उपलब्ध ईटों और पत्थरों के अंबार का पता चला।

उन्होंने अपने नाम पर नगर में एक बाजार निर्मित करवाने के लिए इस निर्जन क्षेत्र को खोदकर यहां से आवश्यक निर्माण सामग्री प्राप्त करने का मन बनाया तथा मजदूरों को इस काम में लगा दिया गया। यह बाजार आज भी नगर में है और उन्हीं के नाम पर जगतगंज नाम से विख्यात है। धमेख स्तूप से पश्चिम में लगभग 520 फीट (158.5 मीटर) की दूरी पर ईटों और पत्थरों के ढेर को खोद निकाला गया। स्तूप के टीले से निर्माण सामग्री की खोदाई करते समय एक गोलक-रूप बलुआ पत्थर के बक्से के भीतर एक बेलनाकार हरे रंग की संगमरमर की मंजूषा मिली।

बलुआ पत्थर का बक्सा और संगमरमरी मंजूषा सतह से अट्ठारह हाथ की गहराई पर पाए गए थे। संगमरकर के बक्से में मानव हड्डियां, क्षरित मोती, सोने की पत्तियां और अन्य मूल्यवान रत्न भी मिले थे। कालावधि में अस्थियों को गंगा नदी में विसर्जित कर दिया गया और दोनों बक्सों को कलकत्ता (कोलकाता) स्थित एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल को सौंप दिया गया। बक्सों और वस्तुओं के अतिरिक्त उसी स्थान पर भूमिगत बुद्ध की एक मूर्ति भी पाई गई थी, जिस मूर्ति के नीचे पाल राजा महिपाल का एक शिलालेख था।

यह विक्रम संवत 1083 (ईस्वी सन् 1026) का दिनांकित शिलालेख है, हालाँकि 1835 में प्रकाशित कनिंघम की उत्खनन रिपोर्ट के साथ डंकन के आलेख को विश्लेषित करने पर एक अलग ही तस्वीर उभरती है। कनिंघम के अनुसार चुनार के बलुआ पत्थर का बक्सा स्तूप के अंदर 1835 में पाया गया था। उन्होंने इसे पास के गांव के एक व्यक्ति (संगकर या शंकर) द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर खोजा था, जो 1787 में स्तूप की खोदाई करने वाली टीम के मजदूरों में से एक था।

उन्होंने बताया है कि बाबू जगत सिंह ने बलुआ पत्थर के बक्से को उसकी मूल स्थिति में ही छोड़ दिया था और मंजूषा के अंदर पाई गई हड्डियों को गंगा नदी में प्रवाहित करा दिया। गंगा नदी में अस्थि-विसर्जन हिंदू परंपराओं में दाह-संस्कार के बाद का महत्त्वपूर्ण संस्कार है। कनिंघम के अनुसार उन्हें एक मोटी गोलाकार दीवार अछूती मिली। पाया गया अवशेष एक ईंट के अर्धगोलाकार स्तूप के अंदर रखा गया था, जिसका व्यास 49 फीट था, जो एक आवरण ईंट की दीवार से ढका हुआ था।

बाबू जगत सिंह के मजदूरों ने केवल आंशिक रूप से संरचना के आधे हिस्से में पत्थर के बक्से से लगभग छह फीट की ऊंचाई तक ईंटों की ही खोदाई की थी और बक्से को अछूता छोड़ दिया गया था। इस स्तूप का पूर्ण उत्खनन अठारह वर्ष बाद मेजर किट्टो द्वारा करवाया गया। इस प्रकार सारनाथ में स्तूप की खोदाई के संबंध में कुछ बातें स्पष्ट हैं- पहला, यह अनजाने में हुई थी और कोई नहीं जानता था कि यह स्थान पुरातात्विक महत्व का एक प्राचीन बौद्ध स्थल था। जैसे ही बाबू जगत सिंह को इसके महत्व के बारे में पता चला, उन्होंने हर संभव कोशिश की थी कि इस स्थान की क्षति और न हो।

दूसरे, बाबू जगत सिंह के मजदूर को 1787 में खोदाई के दौरान जो दो बक्से मिले, उन्हें एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल को सौंप दिया गया था, जहां से वे कालांतर में गायब हो गए। बलुआ पत्थर का बक्सा स्तूप के अंदर अपने मूल स्थान पर छोड़ दिया गया और अन्ततः कनिंघम द्वारा बाहर निकाला गया। बाबू जगत सिंह ने कभी भी स्तूप को पूर्णतः नष्ट नहीं किया। स्तूप के सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्त्व को समझने के बाद उन्होंने इस स्थल की सुरक्षा की। मोटी आवरण वाली दीवार के अंदर मूल स्तूप का एक बड़ा हिस्सा वैसे ही छोड़ दिया गया था। समय के साथ आवरण दीवार के अंदर मूल स्तूप की खोदाई कनिंघम और बाद में अन्य ब्रिटिश पुरातत्त्वविदों द्वारा की गई थी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

रटने की पीड़ाभरी परंपरा

आप कहती हैं कि आप गलत बोल रहे हैं.. 'मेरा बेटा ख़ुद कोटा जा कर पढ़ना चाहता था, इसलिए मैं उसे कोटा ले कर गई पढ़ाने। मेरा बेटा ख़ुद JEE क्रैक करना चाहता था। खूब पढ़ना चाहता था, मैंने दबाव नहीं डाला कभी।'

ये स्टेटमेंट आपका भ्रम हैं। आपकी अपनी लालसाएं हैं, जिन्हें आप अपने बच्चों पर थोप कर उन्हें अपना बताती हैं। आपका ये स्टेटमेंट बिलकुल वैसा ही है, जैसे मुस्लिम घरों में पैदा हुई लड़की कहती है कि 'हिजाब पहनना मेरी पसंद है। हिजाब मेरा प्राइड है और मुझे किसी ने कभी हिजाब या बुरका पहनने के लिए दबाव नहीं बनाया।'... ऐसे ही आपका बेटा कोटा में पढ़ना चाहता है। बिलकुल ऐसे ही जैसे वो हिजाब पहनना चाहती है।

सिद्धार्थ ताबिश
ब्लॉगर

हिंदू घरों में पैदा हुई लड़कियां हिजाब क्यूं नहीं पहनने को लालायित रहती हैं, क्या आपने कभी सोचा है? हिंदू लड़कियों के लिए हिजाब उनका गर्व या प्राइड क्यूं नहीं बनता है क्या आपने सोचा है? ये सिर्फ़ रुढ़िवादी मुस्लिम परिवार में पैदा हुई लड़कियां ही क्यूं कहती हैं?

कोई भी बच्चा 25 साल तक किताबें रटना नहीं चाहता है। ये इतनी बड़ी पीड़ादायक परंपरा है, जो आप 'नशे' में रहते हुवे सोच भी नहीं सकते। कोई भी लड़का स्वयं से कभी कोटा जा कर 25 साल तक किताबें रटना नहीं चाहता। धर्म में तो फिर भी आप्शन है और लड़के वहां बगावती हो जाते हैं, वो नमाज़ नहीं पढ़ते हैं, पूजा नहीं करते हैं, मगर शिक्षा के मामले में आपने कोई भी आप्शन अपने बच्चों के आगे नहीं छोड़ा होता है।

यहां तक कि अगर आपका बेटा घर पर बैठकर ओपन स्कूल से स्टडी करना चाहे, जो कि सरकारी तौर पर उतना ही मान्य है. जितना रेगुलर बोर्ड, तो आप उसे वो भी आप्शन नहीं देते हैं। आपको इस तरह का नशा है, बच्चों को स्कूल भेजने का, कोटा भेजने का, कोचिंग में भेजने का कि आपके घरों में इसके आलावा कोई बात ही नहीं होती है। अब बारहवीं कर लिया तो अब आगे क्या, जाओ कोचिंग करो, ये एग्जाम निकालो, वो पास करो ये करो वो करो। बस!

कोटा, कोचिंग, स्कूल और कॉलेज आपके बनाए हैं। वयस्कों ने बनाया है। बच्चों ने नहीं बनाया है। आपने बच्चों के लिए पार्क में आठ घंटे खेलने का आप्शन बनाया होता, वो आठ घंटे खेलते। आपने उन्हें 'कोटा' का ही एक आप्शन दिया है। जीवन में तो वो बेचारे उसे न चुनें तो और क्या चुनेंगे?

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

कचरे पर न्यायपालिका के निर्देश और सच्चाई

सुप्रीम कोर्ट ने ठोस कचरा प्रबंधन नियमों के ठीक से पालन न होने पर चिंता जताई है और पहली अप्रैल 2026 से लागू होने वाले नए नियमों को प्रभावी बनाने के लिए कई निर्देश दिए हैं। अदालत ने कहा कि साफ और स्वस्थ पर्यावरण में जीना, जीवन के अधिकार का ही अहम् हिस्सा है। यह मामला भोपाल नगर निगम की उन अपीलों से जुड़ा था, जो नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेश के खिलाफ दायर की गई थीं।

अदालत ने कहा है कि अभी कानून में सुधार का इंतजार करना ठीक नहीं है, क्योंकि कचरे की खराब व्यवस्था से लोगों के स्वास्थ्य और देश की अर्थव्यवस्था दोनों पर असर पड़ता है। कोर्ट ने माना कि पूरे देश में कचरा प्रबंधन नियमों का पालन समान रूप से नहीं हो रहा है और घरों से गीला-सूखा-खतरनाक कचरा अलग-अलग करने की व्यवस्था अभी तक भी पूरी तरह से लागू नहीं हो पाई है। बड़े शहरों में बढ़ते कचरे के ढेर भी चिंता का कारण हैं। कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा, 'अब नहीं तो कभी नहीं' और स्पष्ट किया कि अगर स्रोत पर कचरा अलग नहीं होगा और जरूरी सुविधाएं नहीं होंगी, तो अच्छे परिणाम की उम्मीद करना व्यर्थ है। अदालत ने पार्षदों, महापोरों और वार्ड प्रतिनिधियों को कचरा अलग कराने के लिए जिम्मेदार 'लीड फैसिलिटेटर' बनाने को कहा, ताकि हर नागरिक नियमों का पालन करे।

सुनील कुमार महला
लेखक

लीड फैसिलिटेटर वह व्यक्ति होता है जो किसी कार्यक्रम, प्रशिक्षण, कार्यशाला या परियोजना में पूरे समूह की प्रक्रिया का नेतृत्व करता है और यह सुनिश्चित करता है कि गतिविधियां सही दिशा में और निर्धारित उद्देश्यों के अनुसार चलें। अच्छी बात यह है कि सभी नगर निकायों को 100% पालन के लिए समय-सीमा तय कर सार्वजनिक करने, प्रगति की फोटो जिलाधिकारी को भेजने और बड़े कचरा उत्पादकों से 31 मार्च तक नियमों का पालन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया है। इतना ही नहीं, प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को चार तरह के कचरे (गीला, सूखा, सैनिटरी और विशेष) के अलग-अलग प्रबंधन की व्यवस्था जल्दी तैयार करने को कहा गया है।

अदालत ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को निर्देश दिया कि कचरा प्रबंधन नियमों को स्कूल की पढ़ाई में शामिल किया जाए। अब नियम तोड़ने पर सख्त कार्रवाई होगी। पहले जुर्माना, बार-बार उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई और जरूरत पड़ने पर आपराधिक केस भी दर्ज किया जा सकता है। लापरवाही करने वाले अधिकारी भी दायरे में आएंगे। कोर्ट ने मोबाइल अदालतों की संभावना पर भी विचार करने की बात कही है।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि पहली अप्रैल 2026 से देश के सभी न्यायालयों और संस्थानों में भी कचरा प्रबंधन नियमों का पालन होना चाहिए। नगर निकायों को लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए अभियान चलाने होंगे, जैसे कचरा कम करना, घर में खाद बनाना और सैनिटरी कचरे को सुरक्षित तरीके से पैक करना। ये सभी निर्देश, इसलिए दिए गए हैं ताकि पहली अप्रैल 2026 से पहले पूरी तैयारी हो सके और नियम सही तरीके से लागू किए जा सकें।

कोर्ट ने सही चिंता जताई है कि ठोस कचरा प्रबंधन केवल पर्यावरण नहीं, बल्कि जन-स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था से जुड़ा गंभीर मुद्दा है। नियमों के कमजोर अनुपालन, स्थानीय निकायों की जवाबदेही की कमी और योजनाओं जैसे अटल मिशन फॉर रिजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन तथा स्मार्ट सिटीज मिशन में खामियों के कारण समस्या बढ़ी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता* 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

खोज

ताले का आविष्कार

ताला मानव सभ्यता के सबसे प्राचीन सुरक्षा साधनों में से एक है। माना जाता है कि ताले का प्रारंभ लगभग चार हजार वर्ष पूर्व हुआ। सबसे पुराने ताले प्राचीन मिस्र तथा मेसोपोटामिया में पाए गए हैं। ये ताले प्रायः लकड़ी के बने होते थे और कुंडी-खूंटी की विशेष व्यवस्था पर आधारित थे। जब चाबी भीतर डाली जाती थी, तो लकड़ी की खूंटियां ऊपर उठती थीं और द्वार खुल जाता था।

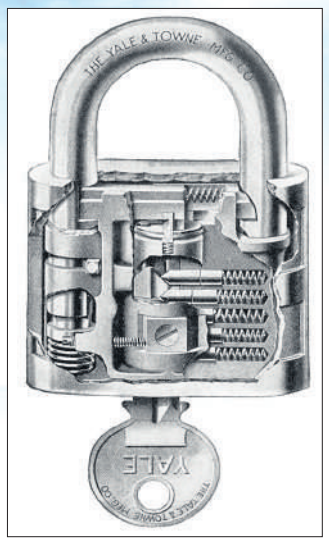

इसके पश्चात प्राचीन रोम में धातु के ताले और चाबियां बनने लगीं। रोमन शिल्पकारों ने लोहे और पीतल से छोटे, परंतु अधिक सुदृढ़ ताले बनाए। इससे सुरक्षा की व्यवस्था अधिक प्रभावी हुई। मध्यकाल में यूरोप में ताले केवल सुरक्षा का साधन ही नहीं रहे, बल्कि उन पर सुंदर नक्काशी और कलात्मक आकृतियां भी बनाई जाने लगीं।

आधुनिक ताले के विकास में उन्नीसवीं शताब्दी का विशेष योगदान रहा। सन् 1861 में अमेरिकी आविष्कारक लिनस येल जूनियर ने आधुनिक पिन-टंबलर सिलिंडर लॉक का पेटेंट कराया। यह प्रणाली आज भी व्यापक रूप से प्रचलित है और "येक लॉक" के नाम से जानी जाती है। इसने ताले को अधिक सुरक्षित, छोटा और उपयोग में सरल बना दिया। इस प्रकार ताले का आविष्कार किसी एक व्यक्ति की देन नहीं है, बल्कि यह हजारों वर्षों में विकसित हुई तकनीकों का परिणाम है। प्राचीन लकड़ी के साधारण ताले से लेकर आज के अंक-संकेत तथा अंगुली-छाप से खुलने वाले आधुनिक तालों तक, ताले ने मानव जीवन में सुरक्षा और गोपनीयता सुनिश्चित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

वैज्ञानिक के बारे में

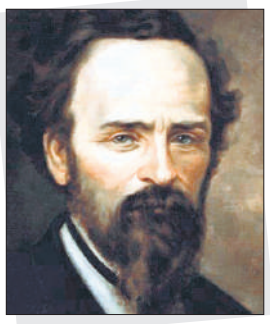

लिनस येल जूनियर का जन्म 4 जून 1821 को संयुक्त राज्य अमेरिका के न्यूयॉर्क राज्य में हुआ था। उनके पिता लिनस येल सीनियर भी ताला निर्माण के क्षेत्र में कुशल कारीगर और आविष्कारक थे, जिससे उन्हें बचपन से ही इस कार्य का अनुभव मिला। येल जूनियर ने प्रारंभ में बैंक तिजोरियों की सुरक्षा प्रणाली पर काम किया, लेकिन बाद में छोटे और सुरक्षित सिलिंडर ताले के विकास में जुट गए। वे अत्यंत परिश्रमी और नवाचारप्रिय व्यक्तित्व के धनी थे। 1868 में उनका निधन हो गया, किंतु उनका आविष्कार आज भी विश्वभर में प्रचलित है।

सीपियां: जलीय दुनिया की खामोश नायिकाएं

नदी की तलहटी में आधी गड़ी हुई या समुद्र के किनारे चट्टानों से चिपकी हुई सीपों में न तो कोई चमक-दमक होती है, न कोई तेज गति। वे न दिखावटी हैं, न ही हमारी रोजमर्रा की नजरों में आती हैं। फिर भी पूरी जलीय दुनिया बहुत हद तक इन्हीं खामोश जीवों पर टिकी हुई है। अगर सीपों को एक पंक्ति में समझना हो, तो कहा जा सकता है कि वे पानी की सफाईकर्मी हैं और ऐसे सफाईकर्मी, जो बिना थके, बिना रुके अपना काम करते रहते हैं।

कुमार सिद्धार्थ
वरिष्ठ पत्रकार

एक सीप प्रतिदिन 20-40 लीटर छान सकती है पानी

सीप अपने शरीर में लगातार पानी खींचती हैं। इस पानी में मौजूद गंदगी, सूक्ष्म कण, बैक्टीरिया, शैवाल, रसायन और यहां तक कि भारी धातुओं को भी वे छान लेती हैं और अपेक्षाकृत साफ पानी वापस पर्यावरण में छोड़ देती हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, सामान्य आकार की एक सीप प्रतिदिन 20 से 40 लीटर तक पानी छान सकती है। अब कल्पना कीजिए, यदि किसी नदी, झील या समुद्री तट पर हजारों या लाखों सीपें हों, तो वे कितनी विशाल मात्रा में पानी को स्वाभाविक रूप से साफ रखती होंगी। दुनियाभर में सीपों की 1200 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं। इनमें से लगभग 1000 प्रजातियां मीठे पानी में और शेष समुद्री जल में निवास करती हैं। दिलचस्प तथ्य यह है कि मीठे पानी की सीपों की सबसे अधिक विविधता उत्तरी अमेरिका में मिलती है, जहां अकेले लगभग 300 प्रजातियां मौजूद हैं। यूरोप में करीब 16 प्रमुख प्रजातियां पाई जाती हैं, जबकि एशिया में भी मीठे पानी और समुद्री, दोनों तरह की सीपों की संख्या काफी अधिक है। चीन, भारत, जापान और दक्षिण-पूर्व एशिया के देश सीपों की जैव विविधता और खेती दोनों के लिए जाने जाते हैं।

जीवन चक्र और मोती बनने की प्रक्रिया

सीपों की बनावट देखने में सरल, लेकिन कार्य में अत्यंत प्रभावशाली होती है। दो मजबूत खोलों के भीतर उनका कोमल शरीर सुरक्षित रहता है। ये खोल कैल्शियम कार्बोनेट से बने होते हैं, जिसे सीपें पानी से धीरे-धीरे लेकर परत-दर-परत जमा करती रहती हैं। यही कारण है कि उनका खोल जीवनभर बढ़ता रहता है। मोती बनने की प्रक्रिया भी इसी से जुड़ी है। जब कोई बाहरी कण सीप के शरीर के भीतर फंस जाता है, तो वह उसे ढंकने के लिए कैल्शियम की परतें चढ़ती जाती हैं और समय के साथ वही कण मोती का रूप ले लेता है। सीपों का जीवन चक्र भी कम रोचक नहीं है। समुद्री सीपें अपने अंडे और शुक्राणु पानी में छोड़ती हैं, जिनसे सूक्ष्म लार्वा बनते हैं। ये लार्वा कुछ समय तक समुद्र में स्वतंत्र रूप से तैरते रहते हैं और फिर किसी ठोस सतह चट्टान, खोल या तट से चिपककर स्थायी जीवन शुरू करते हैं। मीठे पानी की कई सीपें इससे भी अनोखा तरीका अपनाती हैं। उनके लार्वा कुछ समय तक मछलियों के गलफड़ों या पंखों से चिपककर रहते हैं। इससे उन्हें सुरक्षित वातावरण मिलता है और वे दूर-दूर तक फैल पाती हैं। बाद में वे नदी की तलहटी में गिरकर स्वतंत्र जीवन शुरू करती हैं। यानी सीपें केवल पानी पर नहीं, बल्कि मछलियों पर भी निर्भर करती हैं। यदि मछलियां कम हों, तो सीपों का भविष्य भी संकट में पड़ जाता है। सीपों की एक और विशेषता उनकी लंबी उम्र है। समुद्री सीपें आमतौर पर 10 से 20 वर्ष तक जीवित रहती हैं, जबकि मीठे पानी की कई प्रजातियां 50 से 100 वर्ष तक भी जी सकती हैं।

सीपों के लिए चुनौती बनता समुद्र का अम्लीयकरण

पिछले कुछ दशकों में स्थिति चिंताजनक होती गई है। मीठे पानी की लगभग एक हजार प्रजातियों में से अधिकांश या तो संकटग्रस्त हैं या तेजी से घट रही हैं। पोलैंड, क्रोएशिया और ब्रिटेन जैसे देशों में बड़े पैमाने पर सीपों की मृत्यु दर्ज की गई है। लंदन की टेम्स नदी में पिछले 60 वर्षों में मीठे पानी की लगभग सारी सीपें समाप्त हो चुकी हैं। उत्तरी अमेरिका में 70 प्रतिशत से अधिक मीठे पानी की सीप प्रजातियां संकटग्रस्त या विलुप्ति की कगार पर हैं। इन संकटों के पीछे सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन है। पानी का तापमान लगातार बढ़ रहा है, ग्रीष्म लहरें तीव्र हो रही हैं। जब नदी या समुद्र का पानी अचानक बहुत गर्म हो जाता है, तो सीपें उसे सहन नहीं कर पातीं और बड़े पैमाने पर मर जाती हैं। इसके साथ ही रासायनिक प्रदूषण, माइक्रोप्लास्टिक, नदियों का प्राकृतिक बहाव बदलना, बांध, खनन और शहरी सीवेज इस संकट को और गहरा कर रहे हैं। महासागरों में समुद्र का अम्लीकरण भी बड़ी चुनौती बन चुका है। कार्बन डाइऑक्साइड के घुलने से पानी अम्लीय हो रहा है, जिससे सीपों के खोल बनने की प्रक्रिया कमजोर पड़ जाती है। शिशु सीपें तो कई बार खोल बना ही नहीं पातीं।

सीप की खेती

एशिया में सीपों की खेती समुद्र और इंसान के पुराने रिश्ते का विस्तार है। चीन, जापान, थाईलैंड और वियतनाम में सीपों को 'उगाया' नहीं जाता, बल्कि उन्हें ऐसा वातावरण दिया जाता है, जहां वे स्वाभाविक रूप से पनप सकें। समुद्र के किनारे बांस, रस्सियों और टाइलों पर लार्वा चिपक जाते हैं और फिर समुद्र अपना काम करता है। चीन इस क्षेत्र में सबसे आगे है। दुनिया में उत्पादित समुद्री सीपों का बड़ा हिस्सा वहीं से आता है। यह खेती लाखों लोगों को रोजगार देती है-मछुआरों से लेकर रेस्तरां और निर्यात तक। सीपों का उपयोग केवल भोजन तक सीमित नहीं है। उनके खोलों से चूना, खाद और निर्माण सामग्री बनती है। भोजन के रूप में वे प्रोटीन, जिंक, आयरन और ओमेगा-3 से भरपूर होती हैं। अगर सीपें कम होती गईं, तो पानी की गुणवत्ता गिरेगी, शैवाल विस्फोट बढ़ेंगे, मछलियां मरेंगी और तटीय समुदायों की आजीविका संकट में पड़ जाएगी।

समुद्र के छुपे हुए सफाईकर्मी

समुद्री सीपें तटीय इलाकों के लिए जीवन-रेखा जैसी हैं। वे पानी साफ रखती हैं, तटों को कटाव से बचाती हैं, छोटी मछलियों और केकड़ों को आश्रय देती हैं और मत्स्य उत्पादन को स्थिर बनाए रखती हैं। जहां सीपों की चट्टानें होती हैं, वहां जैव विविधता कई गुना बढ़ जाती है। एशियाई देशों विशेषकर अंडमान-निकोबार और लक्षद्वीप में सीपों की गिरावट का असर प्रवाल भित्तियों और मछली जीवन पर साफ दिखने लगा है। बढ़ता तापमान, पर्यटन से फैला कचरा, प्लास्टिक और तटीय विकास इन नाजुक तंत्रों को कमजोर कर रहे हैं। फिर भी उम्मीद बाकी है। वॉशिंगटन डीसी की एनाकोस्टिया नदी में सीपों की मदद से पानी साफ किया जा रहा है। यह दिखाता है कि अगर हम पानी को साफ करें, तो सीपें लौट सकती हैं। सीपों में अनुकूलन की अद्भुत क्षमता होती है। हर सामूहिक मृत्यु के बाद कुछ सीपें बचती हैं और वही नई पीढ़ी की नींव बनती हैं। यही उम्मीद है। इन खामोश सफाईकर्मियों को बचाना, दरअसल अपने जल, अपने पर्यावरण और अपने भविष्य को बचाना है।

मरीन लाइफ

समुद्र की सतह पर धूप सेंकती रहस्यमयी मछली

समुद्र की अथाह गहराइयों में एक ऐसा जीव भी रहता है, जिसे देखकर पहली नजर में विश्वास ही नहीं होता कि यह मछली है। समुद्री सनफिश या मोलामोला, दुनिया की सबसे भारी अस्थि-मछली मानी जाती है। इसका गोल, पार्श्व रूप से चपटा शरीर और विशाल पंख इसे समुद्री दुनिया का अनोखा आकर्षण बनाते हैं। वयस्क सनफिश का वजन 2,000 किलोग्राम से भी अधिक हो सकता है और इसकी लंबाई 10 फीट तक पहुंच सकती है। इतनी विशाल काया के बावजूद इसका पसंदीदा भोजन है- जेलीफिश। जेलीफिश लगभग पूरी तरह पानी से बनी होती हैं और उनमें पोषक तत्व बेहद कम होते हैं। इसलिए सनफिश को अपनी

ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए बड़ी मात्रा में जेलीफिश निगलनी पड़ती है। यही कारण है कि वे लगातार भोजन की तलाश में लंबी दूरी तय करती हैं। वैज्ञानिकों ने पाया है कि ये मछलियां हजारों किलोमीटर की समुद्री यात्रा कर सकती हैं और 600 मीटर से अधिक गहराई तक गोता लगा सकती हैं।

इनकी वृद्धि दर आश्चर्यजनक है। नवजात सनफिश का वजन एक ग्राम से भी कम होता है, लेकिन वयस्क होने पर यह अपने जन्म वजन से लगभग 6 करोड़ गुना बड़ी हो सकती है। यह आकार परिवर्तन जीव जगत में सबसे चौंकाने वाले विकासों में से एक है। हालांकि वयस्क सनफिश का आकार उन्हें अधिकांश शिकारियों से सुरक्षित रखता है, फिर भी मध्यम आकार की सनफिश समुद्री शेर, किलर व्हेल और बड़ी शार्क का शिकार बन जाती हैं। कैलिफोर्निया के समुद्री शेरों द्वारा छोटी सनफिश के पंख काटकर उन्हें खेल की वस्तु की तरह उछालना समुद्री व्यवहार का एक विचित्र उदाहरण है। प्रजनन के विषय में अभी भी कई रहस्य बने हुए हैं। मादा सनफिश एक बार में 3 से 30 करोड़ तक अंडे दे सकती है, जो किसी भी अन्य कशेरुकी जीव से अधिक है। नर उसी समय पानी में शुक्राणु छोड़ते हैं, जिससे निषेचन की संभावना बढ़ जाती है। हालांकि वैज्ञानिक अब भी यह स्पष्ट नहीं कर पाए हैं कि वे समूह में प्रजनन करती हैं या जोड़े में। समुद्री सनफिश न केवल आकार में विशाल है, बल्कि अपने रहस्यों और अद्भुत जीवनशैली के कारण समुद्री जगत की सबसे रोचक प्रजातियों में से एक है।

वैज्ञानिक फैक्ट

जीवन से भरपूर है मिट्टी

हम अक्सर मिट्टी को केवल धूल या जमीन का एक साधारण हिस्सा समझ लेते हैं, लेकिन वास्तव में मिट्टी जीवन का विशाल और अद्भुत संसार अपने भीतर समेटे हुए है। वैज्ञानिकों के अनुसार मिट्टी के केवल एक चम्मच में जितने सूक्ष्मजीव पाए जाते हैं, उनकी संख्या पृथ्वी पर रहने वाले मनुष्यों से भी अधिक हो सकती है। यह तथ्य अपने आप में बताता है कि मिट्टी कितनी जीवंत और महत्वपूर्ण है।

अमेरिकी कृषि विभाग के अनुसार मिट्टी में लाखों प्रजातियां और अरबों जीव पाए जाते हैं। इनमें बैक्टीरिया, शैवाल, कवक, सूक्ष्म कीट, केंचुए, भृंग, चींटियां, घुन और कई अन्य जीव शामिल हैं। ये सभी मिलकर पृथ्वी पर कहीं भी पाए जाने वाले जैव द्रव्यमान का सबसे बड़ा संकेंद्रण बनाते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो मिट्टी पृथ्वी का सबसे व्यस्त और सक्रिय पारिस्थितिक तंत्र है।

मिट्टी के ये सूक्ष्मजीव केवल संख्या में अधिक नहीं होते, बल्कि अत्यंत उपयोगी भी होते हैं। बैक्टीरिया और कवक मृत पौधों और जीवों को विघटित करके उन्हें पोषक तत्वों में बदलते हैं। यही पोषक तत्व फसलों और पेड़ों की जड़ों तक पहुंचते हैं और उन्हें स्वस्थ विकास में मदद करते हैं। केंचुए मिट्टी को भुरभुरी बनाकर उसमें हवा और पानी के प्रवाह को बेहतर करते हैं, जिससे पौधों की जड़ें आसानी से फैल सकें।

स्वस्थ मिट्टी केवल कृषि के लिए ही जरूरी नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण संतुलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मिट्टी कार्बन को अपने भीतर संग्रहित करके जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने में मदद करती है। साथ ही, यह वर्षा के पानी को सोखकर भूजल स्तर को बनाए रखने में सहायक होती है। यदि मिट्टी की गुणवत्ता घटती है, तो इसका सीधा असर खाद्य उत्पादन, जल संसाधनों और जैव विविधता पर पड़ता है।

आज रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग, प्रदूषण और अंधाधुंध निर्माण के कारण मिट्टी की सेहत प्रभावित हो रही है। इसलिए जरूरी है कि हम जैविक खेती, वृक्षारोपण और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर ध्यान दें। मिट्टी को बचाना दरअसल जीवन को बचाना है, क्योंकि यही धरती का वह आधार है, जिस पर हमारा पूरा अस्तित्व टिका हुआ है।

उड़न तश्तरियों का रहस्य

क्या अनंत अंतरिक्ष की गहराइयों में हम अकेले हैं? यह एक ऐसा प्रश्न है कि इस सवाल ने सदियों से इंसानों को परेशान रखा है। इसके पक्ष-विपक्ष में सैकड़ों तर्क-वितर्क दिए जाते हैं। जब भी आकाश में कोई अज्ञात चमकती हुई वस्तु या अजीब आकार का यान दिखाई देता है, तो उसे 'उड़न तश्तरी' या UFO (Unidentified Flying Object) का नाम दे दिया जाता है। आधुनिक समय में, वैज्ञानिक इसे UAP (Unidentified Anomalous Phenomena) कहते हैं। उड़न तश्तरियों का रहस्य केवल कल्पना मात्र नहीं है, बल्कि यह विज्ञान, राष्ट्रीय सुरक्षा और दर्शन का एक जटिल मिश्रण बन चुका है।

-फीचर डेस्क

ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य या कल्पना की शुरुआत

उड़न तश्तरियों का आधुनिक इतिहास 24 जून 1947 को शुरू हुआ। अमेरिकी पायलट केनेथ अर्नोल्ड ने वाशिंगटन राज्य में माउंट रेनियर के पास नौ चमकदार वस्तुओं को एक अजीब गति से उड़ते देखा। उन्होंने उनके उड़ने की शैली का वर्णन करते हुए कहा, "वे पानी पर फेंकी गई तश्तरी (Saucer) की तरह उछल रहे थे।" अखबारों ने इस वाक्यांश को 'फ्लाइंग सॉसर' (Flying Saucer) बना दिया और यहीं से इस शब्द ने वैश्विक पहचान बनाई।

उसी वर्ष न्यू मेक्सिको के रोजवेल में एक कथित दुर्घटना हुई, जिसने इस रहस्य को और गहरा कर दिया, हालांकि अमेरिकी सेना ने इसे एक मौसम संबंधी गुब्बारा बताया, लेकिन साजिश के सिद्धांतों (Conspiracy Theories) ने जोर पकड़ा कि सरकार ने एलियंस के मलबे और उनके शरीर को छिपा लिया है।

प्राचीन सभ्यताओं में संकेत

दिलचस्प बात यह है कि उड़न तश्तरियों के प्रमाण केवल आधुनिक युग तक सीमित नहीं हैं। भारत के प्राचीन ग्रंथों में 'विमानों' का वर्णन मिलता है, जो हवा में अविश्वसनीय गति से उड़ सकते थे। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले की गुफाओं में मिले 10,000 साल पुराने शैलचित्रों में ऐसी आकृतियां देखी गई हैं, जो आधुनिक अंतरिक्ष यात्रियों और तश्तरीनुमा यानों जैसी दिखती हैं। इसी तरह प्राचीन मिस्र, सुमेरियन और माया सभ्यताओं की कलाकृतियों में भी 'आकाश से आए देवताओं' और उनके उड़ने वाले रथों का उल्लेख मिलता है, जिसे आज के 'प्राचीन अंतरिक्ष यात्री सिद्धांतवादी' (Ancient Alien Theorists) एलियंस के आगमन से जोड़कर देखते हैं।

रहस्य या रणनीति

दशकों तक UFO को केवल लोगों का भ्रम या कल्पना माना गया, लेकिन 2017 के बाद परिदृश्य बदल गया। अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) ने आधिकारिक तौर पर तीन वीडियो जारी किए, जिन्हें नौसेना के पायलटों ने रिकॉर्ड किया था। इन वीडियो में 'टिक-टैक' (Tic-Tac) आकार की वस्तुएं भौतिकी के नियमों को धता बताते हुए समुद्र के ऊपर उड़ती दिखीं।

सरकारें अब इसे 'एलियंस' के बजाय 'राष्ट्रीय सुरक्षा के खतरे' के रूप में देख रही हैं। चिंता इस बात की है कि क्या चीन या रूस जैसे प्रतिस्पर्धी देशों ने ऐसी कोई 'हाइपरसोनिक' तकनीक विकसित कर ली है, जो अमेरिकी रडार को चकमा दे सके। इसी कारण से अमेरिका ने 'AARO' नामक विभाग बनाया है, जो इन घटनाओं की वैज्ञानिक जांच करता है।

भौतिक विज्ञान की चुनौतियां

UFO की सबसे रहस्यमयी बात उनकी गतिशीलता है। चश्मदीदों और रडार डेटा के अनुसार, ये वस्तुएं अचानक स्थिर अवस्था से हजारों मील प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ लेती हैं। वे बिना किसी पंख (wings) या स्पष्ट प्रोपल्शन इंजन के उड़ती हैं और 'सोनिक बूम' पैदा किए बिना ध्वनि की गति को पार कर जाती हैं। भौतिक विज्ञान के नियमों के अनुसार, इतनी तीव्र गति से दिशा बदलने पर किसी भी मानव शरीर या पारंपरिक विमान के परखच्चे उड़ सकते हैं। यह संकेत देता है कि यदि ये यान वास्तविक हैं, तो इनके पास 'गुरुत्वाकर्षण-विरोधी' (Anti-gravity) तकनीक है, जो वर्तमान मानव विज्ञान की समझ से बहुत आगे है।

मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक प्रभाव

उड़न तश्तरियों के रहस्य का एक पहलू सामूहिक मनोविज्ञान भी है। शीत युद्ध के दौरान, आसमान में उड़ने वाली अज्ञात वस्तुओं का डर अक्सर जासूसी विमानों का होता था। वहीं, हॉलीवुड फिल्मों (जैसे E.T., Independence Day) ने हमारे मन में एलियंस की एक खास छवि गढ़ दी है। कई बार लोग तारों, ग्रहों (विशेषकर शुक्र), उपग्रहों (जैसे एलन मस्क की स्टारलिंक सेटेलाइट) या पक्षियों के झुंड को गलती से UFO समझ लेते हैं।

उड़न तश्तरियों का रहस्य आज भी अनसुलझा है, हालांकि अब तक कोई ऐसा ठोस प्रमाण सार्वजनिक नहीं हुआ है, जो यह साबित कर सके कि ये यान किसी दूसरे ग्रह से आए हैं, लेकिन हजारों की संख्या में विश्वसनीय गवाह (पायलट, वैज्ञानिक, सैन्य अधिकारी) इस बात की पुष्टि करते हैं कि आसमान में कुछ ऐसा है, जो हमारी समझ से परे है। ब्रह्मांड की विशालता को देखते हुए, जहां अरबों आकाशगंगाएं और अनगिनत पृथ्वी जैसे ग्रह हैं, यह मानना तर्कसंगत लगता है कि हम अकेले नहीं हैं। शायद उड़नतश्तरियां केवल यान नहीं, बल्कि ब्रह्मांड के उस सत्य का द्वार हैं, जिससे हमारा सामना होना अभी बाकी है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↑
बंद हुआ	82,248 .61	25,496 .55
गिरा /बढ़त	27 .46	14 .05
प्रतिशत में	0 .03	0 .06

सोना 1.62 लाख प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,70,500 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार ,27 फरवरी 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन-तुलसी 2550, राज श्री 1860, फ़ॉर्चून कि . 2390, रविन्द्रा 2490, फॉर्चुन 13kg 2110, जय जवान 2040, सचिन 2080, सूरज 2065, अवसर 1930, उजाला 2070, गृहणी 13 kg 1930, क्लासिक (kg) 2280, मोर 2260, चक्र टिन 2315, ब्लू 2170, आशीर्वाद मस्टर्ड 2380, स्वास्तिक 2505

किराना-महाराष्ट्र हल्दी 17300, जीरा 28000, लाल मिर्च 19000-21000, धनिया 11000-12000, अजवायान 14000-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 10000-20000, सोंठ 37000, (प्रतिकि0) लौंग 850-1000, बादाम 800-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 350-400, मखाना 950-1100

चावल -(प्रति कु0)डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1kg,5kg) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8500, गौरी प्रीमियम 10200, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4200,लाडली 4200

दाल दलहन -मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200-12000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800-8400, सच्चा हीरा 8700, मोटा हीरा 9800, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100-11800, अरहर कोरी छोटी 13100

चीनी - पीलीभीत 4420, बहेड़ी 4260

बिजीनेस ब्रीफ

बंधन बैंक में बड़ी हिस्सेदारी खरीदेगा एसबीआई

कोलकाता, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एसबीआई म्यूचुअल फंड के बंधन बैंक में 9 .99 प्रतिशत तक हिस्सेदारी खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। बंधन बैंक ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजारों को दी सूचना में बताया कि आरबीआई ने 25 फरवरी, 2026 के पत्र के माध्यम से एसबीआई म्यूचुअल फंड को बैंक की चुकता शेयर पूंजी या मतदान अधिकारों में अधिकतम 9 .99 प्रतिशत तक हिस्सेदारी अधिग्रहीत करने की अनुमति प्रदान की है। आरबीआई ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि आवेदक पत्र की तारीख से एक वर्ष के भीतर प्रस्तावित प्रमुख हिस्सेदारी हासिल नहीं करता है, तो मंजूरी स्वत: निरस्त मानी जाएगी। साथ ही एसबीआई म्यूचुअल फंड की कुल हिस्सेदारी किसी भी समय बैंक की चुकता शेयर पूंजी या मतदान अधिकारों के 9 .99 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए।

डब्ल्यूटीओ में भारत की व्यापार नीति की समीक्षा जुलाई में होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में भारत की आठवीं व्यापार नीति समीक्षा इस साल जुलाई में होगी। इस दौरान सदस्य देशों की तरफ से भारत की व्यापार नीतियों की व्यापक समीक्षा की जाएगी। बृहस्पतिवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। वित्त मंत्रालय ने कहा कि व्यापार नीतियों की इस समीक्षा से पहले भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने डब्ल्यूटीओ में भारत के डिजिटल कस्टम सुधारों और व्यापार सुगमता समझौते के क्रियान्वयन को प्रस्तुत किया।

विकसित यूपी का संकल्प

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जापान दौरे पर हैं। गुरुवार को उन्होंने यामानाशी प्रांत के गवर्नर कोटारो नागाशाकी से भेंट कर विकास और निवेश के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। नागाशाकी ने आगामी अगस्त माह में 200 जापानी सीईओ के साथ उत्तर प्रदेश आने का प्रस्ताव दिया। इस पर मुख्यमंत्री ने उनका स्वागत किया। इस दौरान उत्तर प्रदेश सरकार और यामानाशी प्रांत के बीच उद्योग, पर्यटन और ग्रीन हाइड्रोजन समेत अनेक क्षेत्रों में सहयोग के एमओयू साइन हुए।

यूपी को 'डीप टेक कैपिटल' बनाएगा आईआईटी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- एचसीएल टेक और आईआईटी मिलकर आगे बढ़ाएंगे डीप टेक इनोवेशन
- एआई, रोबोटिक्स पर अनुसंधान आधारित नवाचार पूरी करेगा उद्योगों की वास्तविक जरूरत

अमृत विचार। प्रदेश को डीप टेक स्टार्टअप्स का अग्रणी केंद्र बनाने की दिशा में आईआईटी कानपुर लगातार जिस तरह बड़े कदम उठा रहा है, उससे टैलेंट, टेक्नोलॉजी और स्टार्टअप्स की बुनियाद पर देश में यूपी 'डीप टेक कैपिटल' बनने की तरफ आगे बढ़ रहा है।

डीप टेक इनोवेशन को मजबूत करने के लिए गुरुवार को एचसीएल टेक और आईआईटी के बीच हुई साझेदारी ने इसी बात को साबित किया। सीएम योगी आदित्यनाथ पहले ही आईआईटी में हुए देश के पहले डीपटेक सम्मेलन में आईआईटी कानपुर को डीप टेक इनोवेशन का प्रमुख केंद्र बनाने की घोषणा कर चुके हैं। केंद्र सरकार ने भी इसी माह डीपटेक स्टार्टअप के लिए टर्नओवर सीमा बढ़ाकर 300 करोड़ की है।

वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी एचसीएल टेक और आईआईटी कानपुर ने ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स के लिए अत्याधुनिक अनुसंधान को वास्तविक पायलट प्रोजेक्ट्स और स्केलेबल समाधानों में बदलने के लिए गुरुवार को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस सहयोग का उद्देश्य ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स के लिए उन्नत तकनीकी समाधान विकसित करना और रिसर्च को इंडस्ट्री से जोड़ना है। यह साझेदारी उन्नत अभियांत्रिकी और डीप टेक के क्षेत्रों में, विशेष रूप से आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों पर विशेष ध्यान देते हुए, अनुसंधान-आधारित नवाचार को सक्षम बनाने के लिए एचसीएल टेक को विश्वसनीय ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर भागीदार के रूप में स्थापित करेगी। इस पहल के तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस, ऑटोमेशन और अन्य उभरती तकनीकों पर संयुक्त शोध किया जाएगा। मकसद नई तकनीकों को प्रयोगशाला से निकालकर उद्योग की वास्तविक जरूरतों के अनुसार तैयार करना होगा। एचसीएलटेक की इंडस्ट्री विशेषज्ञता और आईआईटी की अकादमिक क्षमता मिलकर ऐसे समाधान विकसित करेंगे जो वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी होंगे। इस साझेदारी युवाओं और छात्रों को स्किल डेवलपमेंट और इंडस्ट्री एक्सपोजर के नए अवसर मिलेंगे। इससे भविष्य के टेक लीडर्स तैयार होंगे। यह साझेदारी देश के डीप टेक इकोसिस्टम को गति देने, रिसर्च को व्यावहारिक समाधान में बदलने और वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा में भारत की स्थिति मजबूत करने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है।

सोशल मीडिया पोस्ट के साथ नाम और रजिस्ट्रेशन नम्बर का उल्लेख जरूरी

सोशल मीडिया पर शेयर मार्केट सम्बंधी सामग्री डालने पर सेबी के निर्देश, एक मई से होंगे लागू

नई दिल्ली, एजेंसी

- होमपेज पर सभी पंजीकरणों की सूची वाला एक वेब लिंक देना होगा
- एजेंट को प्रत्येक पोस्ट में पंजीकरण ब्योरा देना अनिवार्य

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बृहस्पतिवार को अपने नियमन दायरे में आने वाली सभी इकाइयों और उनके एजेंट को निर्देश दिया कि वे सोशल मीडिया मंचों पर प्रतिभूति बाजार से संबंधित सामग्री डालते समय अपना पंजीकृत नाम और पंजीकरण संख्या का उल्लेख करें।

सेबी का यह निर्देश शेयर ब्रोकर, म्यूचुअल फंड कंपनियों, संपत्ति प्रबंधन कंपनियों (एएमएसी), निवेश सलाहकार, शोध विश्लेषक, वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ), पोर्टफोलियो प्रबंधकों और अन्य पर लागू होगा। सेबी ने अपने परिपत्र में कहा, ''''सोशल मीडिया के इस्तेमाल और स्वीकार्यता में तेजी से बढ़ोतरी होने के साथ इस बात की जरूरत महसूस की जा रही है कि नियमन के दायरे में आने वाली इकाइयों को सोशल मीडिया पर प्रतिभूति बाजार से संबंधित सामग्री डालते समय अपना पंजीकरण संख्या और नाम बताया जाना चाहिए।'' ये नियम एक मई 2026 से लागू हो जाएगा।

बाजार नियामक ने कहा कि इससे निवेशक यह पहचान सकेगा कि सोशल मीडिया पर डाली गई सामग्री सेबी के नियमन वाली इकाई या उसके एजेंट की तरफ से डाली गई है। इसके साथ ही सेबी ने कहा कि कई पंजीकरण रखने वाली इकाइयों को अपने होमपेज पर सभी पंजीकरणों की सूची वाला एक वेब लिंक देना होगा और हर सामग्री में जरूरी पंजीकरण ब्योरा देना होगा।

इसके अलावा, एजेंट को अपने पंजीकरण ब्योरे के साथ प्रमुख इकाई के पंजीकरण ब्योरे की भी जानकारी देनी होगी। इन नए नियमों का मकसद पारदर्शिता बढ़ाना और निवेशकों का संरक्षण करना है। ये नियम एक मई, 2026 से प्रभावी होंगे।

सोशल मीडिया पर प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों को लेकर डाली जा रही है गलत जानकारी : पासवान

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रसंस्कृत खाद्य उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने बृहस्पतिवार को कहा कि सोशल मीडिया पर असर रखने वाले लोग 'गलत बात' फैला रहे हैं कि प्रसंस्कृत खाद्य नुकसानदायक हैं। उन्होंने सोशल मीडिया 'इन्फ्लूएंसर' द्वारा फैलाई जा रही इस तरह की गलत धारणा का मुकाबला करने के लिए सामूहिक प्रयासों की जरूरत बताई और साथ ही चेताया कि इससे क्षेत्र के विकास में बाधा आ सकती है। राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान-कुंडली (निफ्टेम-के) द्वारा आयोजित तीन दिन के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'अनवेष-2026' के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए पासवान ने कहा कि यह सोच कि प्रसंस्कृत खाद्य का मतलब अच्छा नहीं है को ऑनलाइन पर सक्रियता से प्रसारित किया जा रहा है। उन्होंने कहा, हम न केवल अपने देश में, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी इस चुनौती का सामना कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, इससे इस क्षेत्र पर असर पड़ रहा है और यह और बढ़ेगा। हमें इस बात का मुकाबला करने की ज़रूरत है।मंत्री ने कहा कि एकल परिवार और कामकाजी जोड़ों के बढ़ने के साथ तैयार और खाने को तैयार उत्पाद आधुनिक जीवनशैली का ज़रूरी हिस्सा बन गए हैं। उन्होंने कहा, पहले, हम घर पर चटनी और सॉस बनाते थे, लेकिन हमें ये चीजें तुरंत तैयार चाहिए। अगर कोई गलत कहानी बनाई जाती है, तो हम इस क्षेत्र के लिए वैसा विकास नहीं देख सकते जैसा हम सोचते हैं। पासवान ने कहा कि उनके मंत्रालय ने गुमराह करने वाले विज्ञापनों पर एक समिति बनाई है, जिसकी दूसरी बैठक में हाल ही में ऐसे संदेशों का मुकाबला करने के तरीकों पर चर्चा हुई। उन्होंने उद्योग जगत के अगुवा लोगों से इस मुद्दे की ज़िम्मेदारी लेने की अपील की।

सोने की चमक कायम रहने की उम्मीद : रिपोर्ट

मुंबई, एजेंसी

वैश्विक स्तर पर डॉलर के प्रभाव में कमी, राजकोषीय दबाव और बढ़ते वैश्विक तनावों के कारण दुनिया में वित्तीय व्यवस्था में हो रहे बदलावों को देखते हुए सोने का दीर्घकालिक दृष्टिकोण सकारात्मक बना हुआ है और इसमें तेजी बने रहने की उम्मीद है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लि. (एमओएफएसएल) ने सोने पर अपनी तिमाही रिपोर्ट में कहा कि 2026 की शुरुआत में सोने की कीमत 5,000 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के पार पहुंच गई। यह आधुनिक इतिहास में सबसे मजबूत दीर्घकालिक तेजी के दौर में से एक है।

रिपोर्ट के अनुसार, सोना 'संरचनात्मक रूप से पुनर्मूल्यांकन चरण'' में प्रवेश कर चुका है। यह चक्रीय तेजी के बजाय एक नए 'सुपरसाइकल' की शुरुआत का संकेत है। एमओएफएसएल को उम्मीद है कि अगले 12 महीनों में कॉमेक्स सोने की कीमत 6,000 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस (घरेलू बाजार में 1.85 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम) के आसपास स्थिर होगी। यदि वैश्विक स्तर पर तनाव और राजकोषीय उपाय तेज होते हैं तो मध्यम अवधि में यह 7,500 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस तक भी पहुंच सकती है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लि. के जिंस शोध मामलों के प्रमुख नवनीत दमानी ने कहा, 'सोने के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण सकारात्मक बना हुआ है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि सीमित खदान उत्पादन, प्रमुख बाजारों में घटते भंडार और बढ़ती उत्पादन लागत के कारण वैश्विक भौतिक आपूर्ति में कमी ने भी कीमती धातुओं की कीमतों को उच्चस्तर पर बनाये रखा है। घरेलू बाजार में, रुपये के मूल्य में गिरावट और खुदरा खरीदारों की मजबूत लिवाली से मांग में वृद्धि हुई है।

बंद होंगे रिटायरमेंट और चिल्ड्रेन फंड्स

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने म्यूचुअल फंड उद्योग में बड़ा संरचनात्मक बदलाव करते हुए स्कीमों के कैटेगराइजेशन और रेशनलाइजेशन का नया ढांचा लागू करते हुए 'सॉल्यूशन ओरिएंटेड स्कीम' कैटेगरी समाप्त कर दी है। इसमें मुख्य रूप से रिटायरमेंट और चिल्ड्रन फंड शामिल थे। अब इन स्कीमों को समान एसेट एलोकेशन और जोखिम प्रोफाइल वाली अन्य श्रेणियों में विलय किया जाएगा। इसके लिए सेबी ने 'लाइफ साइकिल फंड' नामक नई श्रेणी बनाई है, जिसे अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी माना जा रहा है। इस बदलाव का उद्देश्य निवेशकों को भ्रम से बचाना, स्कीमों के नाम और निवेश रणनीति में एकरूपता लाना है।

'लाइफ साइकिल फंड' वैज्ञानिक मॉडल

- 5 से 30 वर्ष की पूर्व निर्धारित अवधि
- लक्ष्य वर्ष जैसे 2045, 2055 के साथ स्कीम का नाम
- परिपक्वता नजदीक आने पर इक्विटी घटेगी और डेट बढ़ेगी
- गोल्ड/सिल्वर ईटीएफ व अन्य एसेट क्लास में सीमित निवेश

भ्रम हटेगा,समझ बढ़ेगी

वित्तीय सलाहकार राजीव सिंह का कहना है कि मौजूदा निवेशकों को घबराने की आवश्यकता नहीं है। उनकी स्कीमें सीधे बंद नहीं होंगी, बल्कि समान संरचना वाली श्रेणी में समाहित की जाएंगी। हालांकि, निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा अवश्य करनी चाहिए। सॉल्यूशन ओरिएंटेड स्कीमों का बंद होना केवल एक श्रेणी का अंत नहीं, बल्कि म्यूचुअल फंड उद्योग के परिपक्व होने का संकेत है। लक्ष्य आधारित निवेश की अवधारणा खत्म नहीं हुई है, बल्कि उसे और अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी रूप में प्रस्तुत किया गया है। लंबी अवधि में यह कदम निवेशकों को बेहतर समझ, कम भ्रम और अधिक पारदर्शिता प्रदान करेगा। नियामकीय दृष्टि से यह सुधार उत्पादों की संख्या से अधिक गुणवत्ता पर जोर देने वाला है।

स्कीमों के नाम में रिटर्न या भावनात्मक शब्दों पर रोक

सेबी "ट्रू टू लेवल" सिद्धांत सख्ती से लागू कर रहा है। इसका अर्थ है कि स्कीम का नाम, उसका निवेश उद्देश्य, एसेट एलोकेशन और वास्तविक पोर्टफोलियो सभी एक-दूसरे से पूरी तरह मेल खाते हों। लेकिन सॉल्यूशन ओरिएंटेड स्कीमें इस कसौटी पर खरी नहीं उतर रही थीं। नाम लक्ष्य आधारित, पर निवेश रणनीति व्यापक और कई बार अस्पष्ट होता था। नए ढांचे में सेबी ने स्पष्ट कर दिया है कि स्कीमों के नाम में रिटर्न या भावनात्मक शब्दों के प्रयोग पर रोक रहेगी और श्रेणी के हिसाब से नामकरण होगा।

कार्बन ट्रेडिंग मंच सितंबर तक चालू होने की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के चेयरमैन घनश्याम प्रसाद ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश में कार्बन ट्रेडिंग मंच सितंबर तक चालू होने की संभावना है। यह कदम नवीकरणीय ऊर्जा बदलाव को गति प्रदान करेगा। श्री प्रसाद यहां 'इंडिया एनर्जी' शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। बताया कि भारत ने 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का बड़ा लक्ष्य रखा है। इसको देखते हुए यह महत्वपूर्ण है। देश में बिजली खरीद समझौतों (पीपीए) पर हस्ताक्षर की धीमी गति को देखते हुए यह नवीकरणीय ऊर्जा को अधिक व्यवहारिक बनाने में भी सहायक हो सकता है। प्रसाद ने कहा, 'कार्बन ट्रेडिंग मंच सही दिशा में आगे बढ़ रहा है और सितंबर तक इसके शुरू होने की पूरी संभावना है।

ट्रैफिक रूल तोड़े तो कटेंगे नम्बर निलम्बित होगा लाइसेंस

नई, दिल्ली, एजेंसी

- जिम्मेदारी से वाहन चलाने को बढ़ावा देने को 'ग्रेड' आधारित ड्राइविंग लाइसेंस प्रणाली की तैयारी

सरकार सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और जिम्मेदारी से वाहन चलाने को बढ़ावा देने के लिए ''ग्रेड'' आधारित ड्राइविंग लाइसेंस प्रणाली लागू करने की योजना बना रही है। इसके तहत यातायात नियमों के उल्लंघन पर अंक काटे जाएंगे और गंभीर या बार-बार उल्लंघन की स्थिति में लाइसेंस निलंबित या रद्द किया जा सकेगा।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि देश में हर वर्ष करीब 1.8 लाख लोगों की मौत मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए वाहन चलाने, तेज रफ्तार, गलत दिशा में जाने या नशे में गाड़ी चलाने जैसे कारणों से होती है।

राष्ट्रीय राजधानी में उद्योग संगठन भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लोगों का जीवन अत्यंत महत्वपूर्ण है और सरकार सड़क सुरक्षा के लिए कई कदम उठा रही है। गडकरी ने बताया कि सरकार पहले ही यातायात नियमों के उल्लंघन पर जुर्माना बढ़ा चुकी है, लेकिन सबसे बड़ी चुनौती नियमों का प्रभावी क्रियान्वयन है। उन्होंने कहा, हम ड्राइविंग लाइसेंस में ''ग्रेडेड अंक प्रणाली' ला रहे हैं।' मंत्री ने समझाते हुए कहा कि यातायात उल्लंघन पर कुछ अंक काटे जाएंगे। यदि सभी अंक समाप्त हो जाते हैं तो दोषी का लाइसेंस छह महीने के लिए निलंबित किया जा सकता है या अपराध दोहराने पर रद्द भी किया जा सकता है। यह योजना जल्द ही शुरू की जाएगी। गडकरी ने कहा कि भारत में हर साल करीब पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं और 1.8 लाख लोगों की जान जाती है। हादसे में जान गंवाने वाले लोगों में से 72 प्रतिशत 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के लोग हैं। 18 वर्ष से कम आयु के 10,119 लोगों की दुर्घटनाओं में जान गई। हेलमेट का उपयोग न करने से 54,122, सीट बेल्ट का इस्तेमाल न करने से 14,466 जबकि तेज रफ्तार के कारण 1.2 लाख लोगों की जान गई।

20 लाख तक की प्रॉपर्टी पर पैन से मिल सकती है राहत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। छोटा घर या 20 लाख रुपये तक की जमीन खरीदने का सपना देखने वाले लोगों के लिए राहत भरी खबर है। आयकर विभाग द्वारा प्रस्तावित नए आयकर नियमों के ड्राफ्ट में प्रॉपर्टी लेनदेन से जुड़े पैन अनिवार्यता नियमों में बदलाव का सुझाव दिया गया है। यह प्रस्ताव लागू होता है, तो कम कीमत की संपत्ति के खरीदारों को बड़ी सहूलियत मिल सकती है। वर्तमान में 10 लाख रुपये से अधिक मूल्य की अचल संपत्ति जैसे मकान, प्लॉट या फ्लैट आदि की खरीद-फरोख्त में पैन देना अनिवार्य है। नए प्रस्ताव में इस सीमा को बढ़ाकर 20 लाख रुपये करने की बात कही गई है। यानी 20 लाख रुपये से कम मूल्य की रजिस्ट्री में पैन देना जरूरी नहीं रहेगा।

छोटे शहरों और मध्यम वर्ग को मिलेगा फायदा

यह बदलाव खास तौर पर छोटे शहरों, कस्बों और मध्यम आय वर्ग के लोगों के लिए लाभकारी माना जा रहा है, जहां अभी भी 20 लाख रुपये तक में संपत्ति उपलब्ध है। कर विशेषज्ञ और इनकम टैक्स बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री सीए राहुल चंद्रा के अनुसार रियल एस्टेट की बढ़ती कीमतों को देखते हुए पैन अनिवार्यता की सीमा को 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 20 लाख रुपये करना व्यावहारिक और समयानुकूल कदम है। इससे छोटे खरीदारों को राहत मिलेगी और अनुपालन प्रक्रिया भी सरल होगी।

सैमसंग के सस्ते स्मार्टफोन भी होंगे एआई से लैस

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी। दिग्गज उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी सैमसंग ने कहा है कि वह कृत्रिम मेधा (एआई) प्रौद्योगिकी को अब अपने सस्ते स्मार्टफोन में मुहैया कराने जा रही है, ताकि आम उपभोक्ताओं को भी एआई सुविधाओं के लाभ मिल सकें।

कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी ने तीसरी पीढ़ी की गैलेक्सी एआई सीरीज़ का प्रीमियम स्मार्टफोन 'एस26'' पेश करने के मौके पर बुधवार को यह जानकारी दी। सैमसंग इंडिया के एमएक्स बिजनेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजू पुल्लन ने कहा कि कंपनी एआई फीचर को अब अपने सबसे सस्ते मॉडल तक ले जा रही है। कंपनी ने हाल ही में 15,000 रुपये की शुरुआती कीमत में गैलेक्सी ए07 5जी मॉडल बाजार में उतारा है, जिसमें एआई से जुड़े फीचर दिए गए हैं।

जानकारी | नो कॉस्ट ईएमआई के छिपे हुए खतरे और नुकसान

नो कॉस्ट EMI क्या एक स्कैम है ! जानिए बारीकियां

कारोबार डेस्क

तकनीकी रूप से यह कोई कानूनी "स्कैम" या धोखाधड़ी नहीं है, लेकिन यह मार्केटिंग का एक ऐसा खेल है जिसमें असली कीमत बारीक अक्षरों (फाइन प्रिंट) में छिपी होती है। यहाँ बताया गया है कि यह "नो कॉस्ट" का जादू असल में कैसे काम करता है:

"नो कॉस्ट" असल में आपको कैसे महंगा पड़ता है : बैंक और कंपनियां कभी भी मुफ्त में पैसा उधार नहीं देतीं। आरबीआई के नियमों के अनुसार, बैंक ब्याज लेंगे ही, लेकिन उसे छिपाने के दो मुख्य तरीके अपनाए जाते हैं:

छिपे हुए खतरे और नुकसान : ब्याज पर जीएसटी: भले ही मर्चेंट ने आपको ब्याज पर छूट दे दी हो, लेकिन बैंक जो ब्याज लगाता है, उस पर आपको 18% जीएसटी अलग से देना पड़ता है। यह आपकी जेब से एक्स्ट्रा जाता है।

क्रेडिट स्कोर पर असर: हर ईएमआई एक तरह का लोन है। एक साथ कई ईएमआई चलाने से आपके क्रेडिट स्कोर पर असर पड़ सकता है।

फिजूलखर्ची: 50,000 की चीज़ जब 4,000 महीने पर दिखने लगती है, तो हम वो चीज़ें भी खरीद लेते हैं जिनकी ज़रूरत नहीं होती। इसे ही 'डेब्ट ट्रैप' कहते हैं।

क्या नो कॉस्ट ईएमआई आपके लिए फायदेमंद है?

- यह आपके लिए सही हो सकता है यदि : जो समान आप नो कॉस्ट ईएमआई पर खरीद रहे हैं वो आप वैसे भी खरीदने ही वाले थे।
- नकद भुगतान करने पर कोई अलग से एक्स्ट्रा डिस्काउंट नहीं मिल रहा हो।
- आप हर महीने समय पर किस्त चुकाने का अनुशासन रखते हों।
- **प्रो टिप :** पेमेंट करने से पहले 'टोटल इफेक्टिव प्राइस' ज़रूर देखें। अगर किस्तों का कुल योग और प्रोसेसिंग फीस मिलाकर एमआरपी से ज़्यादा है, तो वह 'नो कॉस्ट' नहीं है।

- डिस्काउंट का खेल (डिस्काउंट ऑफसेट)

यह सबसे आम तरीका है। बैंक आपसे ब्याज लेता है, लेकिन रिटेलर उस ब्याज के बराबर की छूट आपको शुरू में ही दे देता है। इस तरह आपको कुछ अतिरिक्त पैसा जाता नहीं दीखता।

उदाहरण : मान लीजिए आप 30,000 का फोन खरीदते हैं और उस पर ब्याज 3,000 है।

चाल : दुकानदार फोन की कीमत 27,000 कर देगा। बैंक आपसे 27,000 लेगा और उस पर 3,000 ब्याज जोड़ेगा। आप अंत में 30,000 ही चुकाएंगे, लेकिन बैंक को उसका मुनाफा मिल गया।

- प्रोसेसिंग फीस का 'झटका'

भले ही ब्याज 'माफ' दिख रहा हो, लेकिन लगभग हर नो कॉस्ट ईएमआई पर एक प्रोसेसिंग फीस लगती है। यह 199 से लेकर 1,000 तक हो सकती है। यह पैसा बैंक की सीधी कमाई है और यह कभी "फ्री" नहीं होता।

- नकद छूट (कैश डिस्काउंट) का नुकसान

अक्सर, अगर आप नकद या डेबिट कार्ड से पूरा भुगतान करते, तो आपको 5-10% की सीधी छूट मिल सकती थी। नो कॉस्ट ईएमआई चुनकर आप उस छूट को खो देते हैं, जिसका मतलब है कि वह सुविधा आपको महंगी पड़ी।

सोना तस्करी मामला: रान्या राव के खिलाफ ईडी ने दखिल की चार्जशीट

बेंगलुरु, एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय ने सोना तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव, उनके सहयोगी तरुण कोंडुरु और बल्लारी के स्वर्ण व्यापारी साहिल साकरिया जैन के खिलाफ बेंगलुरु की विशेष अदालत में धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत आरोप पत्र दाखिल किया है।

जांच में सामने आया है कि मार्च 2024 से मार्च 2025 के बीच करीब 127.28 किलोग्राम विदेशी सोना अवैध रूप से भारत लाया गया। जौहरियों और बिचौलियों के नेटवर्क के जरिए इसे घरेलू बाजार में खपाया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 102.55 करोड़ है। शुरुआत 3 मार्च 2025 को हुई, जब राजस्व खुफिया निदेशालय ने दुबई से लौटीं रान्या राव को बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया। अभिनेत्री के पास से 14.213 किलो सोने की छड़ें बरामद हुईं, बाद में उनके घर से 2.06 करोड़ के जेवर और 2.67 करोड़ की नकदी जब्त की गई।

भारी कमीशन और बार-बार यात्राएं

ईडी की जांच के अनुसार, रान्या राव ने तस्करी के लिए कई अंतरराष्ट्रीय यात्राएं कीं। रिपोर्टों के मुताबिक, वह प्रति किलोग्राम सोने की तस्करी पर 4 से 5 लाख रुपये तक का कमीशन लेती थीं। इस मामले में CBI ने DRI की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की थी, जिसके आधार पर ED ने मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की। मई 2025 में ED ने कर्नाटक के 16 स्थानों पर छापेमारी कर कई आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल उपकरण और विदेशी मुद्रा भी बरामद की थी, जिन्हें अब सबूत के तौर पर चार्जशीट का हिस्सा बनाया गया है।

ब्रिटेन: 40 साल पुराने हिंदू मंदिर पर बंद होने का खतरा, काउंसिल के बिक्री के फैसले से आक्रोश

लंदन/पीटरबरो, एजेंसी।

● 1986 से संचालित है मंदिर, फैसले के बाद प्रमुख हिंदू संस्थाओं ने जताया रोष

पूर्वी ब्रिटेन के पीटरबरो शहर में स्थित 40 साल पुराने 'भारत हिंदू समाज मंदिर' और कम्युनिटी सेंटर पर बंद होने का काला साया मंडरा रहा है। स्थानीय पीटरबरो सिटी काउंसिल ने उस ऐतिहासिक भवन को बेचने का निर्णय लिया है, जिसमें यह मंदिर 1986 से संचालित है।

इस फैसले ने न केवल स्थानीय हिंदू समुदाय बल्कि ब्रिटेन की प्रमुख हिंदू संस्थाओं में भी भारी रोष पैदा कर दिया है। न्यू इंग्लैंड कॉम्प्लेक्स स्थित इस मंदिर से कैम्ब्रिजशायर, नॉरफॉक और लिंकनशायर के लगभग 13,000 से अधिक हिंदू जुड़े हुए हैं। मंदिर प्रशासन का आरोप है कि काउंसिल ने यह फैसला बिना किसी पारदर्शिता या समुदाय की सहमति के "बंद दरवाजों के पीछे" लिया है। समुदाय का कहना है कि यह केवल एक संपत्ति का मामला नहीं, बल्कि उनकी आस्था और दशकों पुरानी विरासत से जुड़ा सवाल है।

'टैक्सपेयर्स के पैसे' का हवाला

लेबर पार्टी के नेतृत्व वाली पीटरबरो सिटी काउंसिल ने अपने रुख को स्पष्ट करते हुए कहा है कि संपत्ति की बिक्री से करदाताओं (Taxpayers) के लिए सर्वश्रेष्ठ मूल्य सुनिश्चित करना उनकी कानूनी जिम्मेदारी है। काउंसिल कैबिनेट की बैठक में तर्क दिया गया कि वित्तीय घाटे को कम करने के लिए सार्वजनिक संपत्तियों का उचित मूल्य पर बेचना आवश्यक है।

हिंदू संगठनों ने खोला मोर्चा

वहीं, हिंदू काउंसिल यूके ने काउंसिल के इस कदम की कड़ी निंदा की है। संस्था ने आरोप लगाया कि प्रशासन ने मंदिर के "सामाजिक प्रभाव" और इसके स्वामित्व को समुदाय को हस्तांतरित करने की पूर्व प्रतिबद्धताओं को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया है। मंदिर समिति अब इस फैसले के खिलाफ कानूनी लड़ाई और सार्वजनिक अभियान चलाने की तैयारी कर रही है ताकि उनकी धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को बेघर होने से बचाया जा सके।

वर्ल्ड ब्रीफ

अम्मान समझौते' के तहत 86 परिवारों को मिली आजादी

दमिश्क। सीरिया के दक्षिणी प्रांत स्वेदा में महीनों से जारी अशांति को शांत करने की दिशा में एक बड़ी सफलता मिली है। सीरियाई सरकार और सशस्त्र समूहों के बीच हुए 'अम्मान समझौते' के तहत कैदियों और बंधकों की अदला-बदली की प्रक्रिया गुरुवार को पूरी हो गई। इस मानवीय पहल के जरिए कुल 86 सीरियाई परिवारों को राहत मिली है। समझौते के तहत सशस्त्र समूहों ने अपहरण किए गए 25 नागरिकों को रिहा किया, जिसके जवाब में सीरियाई अधिकारियों ने हिरासत में लिए गए 61 बंदियों को छोड़ दिया। सीरियाई आंतरिक प्राधिकरण के प्रवक्ता नूरुद्दीन अल-बाबा ने इसे तनाव कम करने और शांतिपूर्ण मार्ग बहाल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। हालांकि, अधिकारियों का मानना है कि क्षेत्र में स्थिरता के लिए अभी भी कई चुनौतियां बरकरार हैं।

आदिवासी महिला पर हमले के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन

सिलीगुड़ी। पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में एक गर्भवती आदिवासी महिला पर हमले के विरोध में गुरुवार को जमकर बवाल हुआ। जनजाति सुरक्षा मंच के कार्यकर्ताओं ने राज्य सचिवालय 'उत्तरकन्या' के घेराव की कोशिश की, जिसे रोकने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज, आंसू गैस और वॉटर कैनन का इस्तेमाल करना पड़ा। 23 दिसंबर को फांसीदेवा में जमीन विवाद के दौरान एक गर्भवती महिला पर हमला हुआ था, जिसमें उसके अजन्मे शिशु की मौत हो गई थी। प्रदर्शनकारी मुख्य आरोपी के लिए मृत्युदंड और फरार चार अन्य आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

अल कादिर ट्रस्ट मामले में इमरान की याचिका पर सुनवाई करेगा

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद हाई कोर्ट अल-क़ादिर ट्रस्ट से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में सज़ा के निलंबन की मांग को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान ख़ान और बुशरा बीबी की याचिका की सुनवाई 11 मार्च को करेगा। एक जवाबदेही अदालत ने 17 जनवरी 2025 को खान और बीबी को 19 करोड़ पाउंड के भ्रष्टाचार के मामले में क्रमश: 14 और सात साल की सज़ा सुनाई थी। अभियोजन पक्ष का आरोप है कि दोनों ने इमरान के प्रधानमंत्री कार्यकाल के दौरान ब्रिटेन से पाकिस्तान भेजे गये 50 अरब रुपए वैध बनाने के बदले अरबों रुपए और बहरिया टाउन में सैकड़ों कनाल ज़मीन रिश्वत के तौर पर ली थी। दोनों ने इसी सिलसिले में इस्लामाबाद हाई कोर्ट का रुख़ किया।

ट्रंप टैरिफ नहीं लगाते तो बेहतर होती अमेरिकी अर्थव्यवस्था :आईएमएफ

अमेरिकी अर्थव्यवस्था मजबूत, लेकिन शुल्क और बढ़ते कर्ज से जोखिम बरकरार : रिपोर्ट

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी अर्थव्यवस्था के इस वर्ष तेजी से बढ़ने के साथ ही बेरोजगारी में कमी आ सकती है। हालांकि, संघीय बजट घाटा और बढ़ता सरकारी कर्ज स्थिरता के लिए जोखिम बन सकता है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने यह बात कही। आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने कहा कि यदि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ यानी आयात शुल्क नहीं होते, तो अमेरिकी अर्थव्यवस्था और बेहतर हो सकती थी।

आईएमएफ ने अपनी रिपोर्ट में अमेरिकी अर्थव्यवस्था का समग्र आकलन पेश किया है। 191 देशों के संगठन का विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के बारे में आकलन मोटे तौर पर सकारात्मक है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) यानी वस्तुओं एवं सेवाओं का कुल उत्पादन 2026 की चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 2.4 प्रतिशत बढ़ सकता है। यह वृद्धि 2025 में दर्ज 2.2 प्रतिशत की दर से अधिक होगी।

आईएमएफ का अनुमान है कि अमेरिका में बेरोजगारी दर 2025 के अंत में 4.5 प्रतिशत से घटकर 2026 में 4.1 प्रतिशत रह जाएगी। वहीं, महंगाई दर 2027 तक अमेरिकी केंद्रीय बैंक के दो प्रतिशत के लक्ष्य तक आ सकती है। आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने कहा कि फेडरल रिजर्व रेपो दर को मौजूदा 3.6 प्रतिशत से दर को घटाकर लगभग 3.4 प्रतिशत तक ला सकता है। इसने 2025 में नीतिगत ब्याज दर में तीन बार कटौती की थी। उन्होंने हालांकि आगाह किया कि अमेरिकी रोजगार बाजार में '''' अत्यधिक गिरावट'''' आने की स्थिति को छोड़कर, सरकार को और अधिक कटौती करने से बचना चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका को मजबूत उत्पादकता वृद्धि का लाभ मिला है।

आईएमएफ ने चेताया कि संरक्षणवादी व्यापार नीतियां अपेक्षा से अधिक आर्थिक गतिविधियों पर नकारात्मक असर डाल सकती हैं। आईएमएफ ने संघीय सरकार के बढ़ते कर्ज पर भी चिंता जताई। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका का सार्वजनिक कर्ज जीडीपी के अनुपात में पिछले वर्ष के लगभग 100 प्रतिशत से बढ़कर 2031 तक करीब 110 प्रतिशत तक पहुंच सकता है।

ट्रंप के टैरिफ पर और भी हैं तीखीं प्रतिक्रियाएं

यूरोपीय संघ (EU): 'डील इज ए डील'

समझौते पर संकट : यूरोपीय संघ ने कहा है कि एक बार हुआ समझौता बदला नहीं जाना चाहिए। ईयू ने अगस्त 2025 में हुए उस व्यापार समझौते के भविष्य पर सवाल उठाए हैं, जिसमें शुल्क को 15% की सीमा तक सीमित रखने की बात थी। यूरोपीय संसद ने इस नई अनिश्चितता के विरोध में अमेरिका के साथ प्रस्तावित ट्रेड डील के अनुसमर्थन पर फिलहाल रोक लगा दी है।

चीन: 'व्यापार युद्ध में कोई विजेता नहीं'

चीन ने ट्रंप के शुल्कों को आर्थिक दादागीरी" करार दिया है। इससे पहले 2025 में जब अमेरिका ने भारी शुल्क लगाए थे, तो चीन ने भी अमेरिकी कोयले, एलएनजी (LNG) और कच्चे तेल पर 10% से 15% का जवाबी शुल्क लगाकर पलटवार किया था। चीन ने दुर्लभ मृदा धातुओं के निर्यात पर नियंत्रण कड़ा कर दिया है, जो अमेरिकी चिप और हथियार उद्योग के लिए महत्वपूर्ण हैं।

109 साल बाद ब्रिटिश सरकार से युद्ध ऋण पर करोड़ों का दावा

सीहोर। मध्यप्रदेश के सीहोर जिले के एक प्रतिष्ठित व्यवसायी परिवार ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। शहर के प्रसिद्ध दिवंगत व्यवसायी सेठ जुम्मा लाल रूठिया के पोते विवेक रूठिया ने दावा किया है कि प्रथम विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटिश सरकार ने उनके दादा से 35,000 रुपये का 'युद्ध ऋण' लिया था, जो आज तक नहीं लौटाया गया। अब परिवार इस राशि की वसूली के लिए ब्रिटेन सरकार को कानूनी नोटिस भेजने की तैयारी कर रहा है।

65 वर्षीय विवेक रूठिया के अनुसार, साल 1917 में प्रथम विश्व युद्ध (1914-18) के समय ब्रिटिश प्रशासन ने युद्ध प्रयासों के लिए स्थानीय धनाढ्य नागरिकों से आर्थिक सहायता मांगी थी। उन्हें अपने दादा की वसीयत में कुछ ऐतिहासिक दस्तावेज मिले हैं, जिनमें ब्रिटिश सरकार के साथ हुए इस लेनदेन का स्पष्ट उल्लेख है।

विवेक रूठिया ने 4 जून, 1917 को भोपाल में ब्रिटिश 'पॉलिटिकल एजेंट' द्वारा हस्ताक्षरित एक प्रमाण पत्र पेश किया है। इसमें लिखा है— "सेठ जुम्मा लाल ने भारतीय युद्ध ऋण के लिए 35,000 रुपये दिए और इस तरह सरकार एवं साम्राज्य के प्रति अपनी वफादारी दिखाई।

पश्चिम बंगाल चुनाव जीतेगी भाजपा, हर घुसपैठिये को बाहर निकालेंगे : शाह

अररिया (बिहार), एजेंसी

● संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर स्थिति सुधारने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का होगा गठन

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को विश्वास जताया कि भाजपा आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव जीतेगी और राज्य से हर एक घुसपैठिये को बाहर निकालेगी। उन्होंने कहा कि जनसांख्यिकीय बदलाव से सर्वाधिक प्रभावित राज्यों में पश्चिम बंगाल शामिल है। शाह ने यह बात बिहार के अररिया जिले में कही, जहां उन्होंने सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 175 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण किया और दो नए सीमा चौकियों को राष्ट्र को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि देश से हर एक घुसपैठिये को बाहर निकालना भाजपा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कहा कि ये लोग न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं, बल्कि गरीबों के लिए बनी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाकर उनके प्रभाव को भी कम करते हैं। शाह ने कहा कि बड़े पैमाने पर घुसपैठ से सीमावर्ती इलाकों में अतिक्रमण भी बढ़ता है और इसे हटाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि घुसपैठ जनसांख्यिकीय बदलाव का खतरा भी पैदा करती है, जो किसी क्षेत्र की संस्कृति और यहां तक कि उसकी भौगोलिक स्थिति को भी प्रभावित कर सकती है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने जनसांख्यिकीय बदलाव का अध्ययन करने और सर्वाधिक संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर स्थिति सुधारने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल जनसांख्यिकीय बदलाव से सबसे अधिक प्रभावित राज्य हैं।

शाह ने कहा कि घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई की शुरुआत बिहार के सीमांचल क्षेत्र से होगी, जहां वे कुछ महीने पहले विधानसभा चुनाव के दौरान चार दिन तक रुके थे। उन्होंने कहा कि विपक्ष की आलोचना के बावजूद भाजपा ने बिहार चुनाव में घुसपैठ का मुद्दा उठाया था। शाह ने कहा कि घुसपैठ रोकने में एसएसबी की अहम भूमिका है।

इतिहास सही पढ़ाते तो औरंगजेब नायक नहीं बनता: फडणवीस

मुंबई, एजेंसी

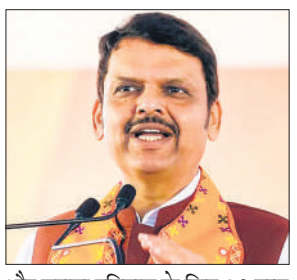

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को कहा कि अगर पिछले 70 साल के दौरान स्कूलों में इतिहास को सही ढंग से पढ़ाया जाता, तो कोई भी मुसलमान मुगल बादशाह औरंगजेब को नायक नहीं मानता। उन्होंने मराठा शासक छत्रपति शिवाजी महाराज और मैसूर के शासक टीपू सुल्तान के बीच तुलना करने के प्रयासों की भी निंदा की।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा में, राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान चर्चा का जवाब देते हुए यह बात कही। फडणवीस ने कहा कि एनसीईआरटी की पुस्तकों में पहले मुगलों पर 17 पृष्ठ और शिवाजी महाराज पर केवल एक पृष्ठ था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने अब शिवाजी महाराज और मराठा इतिहास के लिए 20 पृष्ठ सुनिश्चित किये हैं। औरंगजेब को नायक मानने वालों का हमेशा विरोध करेंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि वह टीपू सुल्तान के अच्छे या बुरे होने की बहस में नहीं पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि, हम टीपू सुल्तान और छत्रपति शिवाजी महाराज की किसी भी तरह की तुलना का विरोध करेंगे। टीपू सुल्तान ने अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी, लेकिन उन्होंने ऐसा अपने राज्य को बचाने के लिए किया। लेकिन उन्होंने 75,000 हिंदुओं और 33,000 नायर को भी मार डाला।

परमाणु वार्ता: युद्ध की आहट के बीच जिनेवा में कूटनीति का अंतिम अवसर

जिनेवा, एजेंसी

ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका और तेहरान के बीच गुरुवार को जिनेवा में तीसरे दौर की उच्चस्तरीय वार्ता हुई। इसे कूटनीति का आखिरी मौका माना जा रहा है, क्योंकि एक तरफ टेबल पर बातचीत चल रही है, वहीं दूसरी तरफ अमेरिका ने दबाव बनाने के लिए पश्चिम एशिया में युद्धपोतों और लड़ाकू विमानों का भारी बेड़ा तैनात कर दिया है।

पिछले साल जून के बाद से दोनों देशों के बीच यह तीसरे दौर की सीधी बातचीत है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस वार्ता के जरिए ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर सख्त सीमाएं थोपना चाहते हैं। वाशिंगटन का मानना है कि ईरान के भीतर बढ़ता नागरिक असंतोष और हालिया विरोध प्रदर्शन तेहरान को समझौते की मेज पर झुकने के लिए मजबूर कर सकते हैं। अमेरिकी रक्षा सूत्रों के अनुसार, सैन्य तैनाती का उद्देश्य केवल सुरक्षा सुनिश्चित करना नहीं, बल्कि ईरान पर कूटनीतिक दबाव बनाना भी है।

'विनाशकारी होगा युद्ध' : ईरान

दूसरी ओर, ईरान अपने रुख पर अडिग है। तेहरान ने स्पष्ट कर दिया है कि वह यूरेनियम संवर्धन (Uranium Enrichment) के अपने अधिकार को नहीं छोड़ेगा।

जिनेवा रवाना होने से पहले ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने चेतावनी दी कि यदि अमेरिका हमला करता है, तो पश्चिम एशिया में मौजूद सभी अमेरिकी सैन्य अड्डे उनके निशाने पर होंगे। कहा कि यह युद्ध किसी की जीत नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए 'विनाशकारी' होगा। अराघची ने एक साक्षात्कार में कहा कि चूंकि अमेरिकी सैन्य ठिकाने पूरे खाड़ी क्षेत्र में फैले हुए हैं, फिलहाल पूरी दुनिया की नजरें जिनेवा वार्ता के नतीजों पर टिकी हैं, क्योंकि यहां से निकलने वाला निष्कर्ष तय करेगा कि क्षेत्र शांति की ओर बढ़ेगा या एक बड़े सैन्य संघर्ष की ओर।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष आज आपको अपने कार्यों के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ेगा। कार्यक्षेत्र में विरोधी परेशान करेंगे। सहकर्मी आपकी सहायता करेंगे।

वृष आज सत्पुरुषों से संपर्क बढ़ेगा। विनम्र व्यवहार के कारण व्यापारिक संबंध मजबूत होंगे। प्रेम संबंधों में निकटता बढ़ेगी।

मिथुन आज आपका काम में मन नहीं लगेगा। अनावश्यक विचारों से स्वयं को बचाएं। शांत और धैर्यवान होकर समस्या का समाधान खोजें।

कर्क आज दिन की शुरुआत अच्छी नहीं रहेगी। व्यापार में बड़ी साझेदारी होगी। शरीर में थकावट व ऊर्जा की कमी महसूस करेंगे।

सिंह आज व्यवसाय में धन लाभ हो सकता है। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। पुराने दोस्तों के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

कन्या आज अनुभवी लोगों की राय से लाभ होगा। अपने खर्चों पर नियंत्रण पा लेंगे। लोग आपके व्यक्तित्व से आकर्षित रहेंगे।

तुला आज अनावश्यक यात्रा न करें। सामाजिक कार्यों में सम्मिलित होना पड़ सकता है। अति आत्मविश्वास के कारण काम बिगड़ सकते हैं।

वृश्चिक आज वैवाहिक जीवन बेहद रोमांटिक रहेगा। आपके उदार व्यवहार की लोग प्रशंसा करेंगे। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

धनु आज व्यवसाय में वृद्धि के लिए निवेश कर सकते हैं। एकाग्रचित्त होकर अपने काम पर ध्यान दें। शाम को कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

मकर आज राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद प्राप्त हो सकता है। अधिकारीगण आपकी विचारों को तवज्जो देंगे।

कुंभ आज कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व कम होगा। कानूनी पचड़ों में घिरने की आशंका है। कोई नया काम शुरू न करें।

मीन आज कारोबार में नव प्रयोग करना लाभकारी सिद्ध हो सकता है। छात्रों को बड़ी सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। आपकी योजनाएं पूर्ण होंगी।

रेलवे में डिजिटल क्रांति

ई-आरसीटी' प्रणाली रेलवे दावा न्यायाधिकरण को पूरी तरह से कंप्यूटर आधारित और पारदर्शी बनाएगी

ऑनलाइन कर सकेंगे रेल हादसों व सामान चोरी के दावों का निपटारा

नई दिल्ली | एजेंसी

रेल यात्रियों के लिए अब ट्रेन हादसों, अनहोनी घटनाओं या सामान के नुकसान और चोरी के मामलों में क्षतिपूर्ति का दावा करना बेहद आसान होने जा रहा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को भारतीय रेलवे की महत्वाकांक्षी योजना '52 हफ्तों में 52 सुधार' के तहत तीसरे और चौथे बड़े सुधार के रूप में 'ई-आरसीटी' (e-RCT) और 'रेलटेक नीति' की घोषणा की।

इस नई डिजिटल प्रणाली के माध्यम से कोई भी पीड़ित यात्री देश के किसी भी कोने से रेलवे दावा न्यायाधिकरण (आरसीटी) के समक्ष ऑनलाइन अपना दावा पेश कर सकेगा। अब तक यात्रियों को दावा फाइल करने के लिए सही क्षेत्राधिकार चुनने और भौतिक रूप से न्यायाधिकरण के दफ्तरों के चक्कर काटने में भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ता था, विशेषकर उन यात्रियों के लिए जो अपने गृह राज्य से दूर यात्रा कर रहे हों, लेकिन अब ई-आरसीटी प्रणाली इन बाधाओं को पूरी तरह खत्म कर देगी।

रेल मंत्री ने स्पष्ट किया कि अगले 12 महीनों के भीतर देश भर में मौजूद रेलवे दावा न्यायाधिकरण की सभी 23 पीठों को पूरी तरह डिजिटाइज़ कर दिया जाएगा। ई-फाइलिंग से लेकर मामले की सूचना प्रणाली तक की पूरी प्रक्रिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) पर आधारित होगी, जिससे न्यायिक निर्णयों की गति में क्रांतिकारी बदलाव आएगा और पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।

वैष्णव ने कहा कि यदि यह डिजिटल मॉडल सफल रहता है, तो इसी तरह के समाधान भविष्य में केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण जैसे अन्य निकायों में भी लागू किए जा सकते हैं। अब यात्रियों और उनके वकीलों को दस्तावेज जमा करने या केस को ट्रैक करने के लिए व्यक्तिगत रूप से दफ्तर जाने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि वे अपने स्थान की परवाह किए बिना कभी भी ऑनलाइन मामला दर्ज कर सकेंगे और उसकी प्रगति देख सकेंगे।इसके साथ ही, रेलवे में अत्याधुनिक तकनीक को व्यवस्थित तरीके से शामिल करने के लिए 'रेलटेक नीति' को भी मंजूरी दी गई है।

यह नई नीति रक्षा क्षेत्र, इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्रालय के स्टार्टअप ढांचे और टेलीकॉम नवाचार नीति जैसे सफल मॉडलों का अध्ययन करने के बाद तैयार की गई है। इस नीति का मुख्य उद्देश्य पुराने और जटिल ठेकेदारी सिस्टम को हटाकर एक ऐसा नवाचार-संचालित ढांचा तैयार करना है, जहां स्टार्टअप्स, शोधकर्ता और इनोवेटर्स भारतीय रेलवे के साथ आसानी से जुड़ सकें।

अब कोई भी व्यक्ति जिसके पास रेलवे के लिए कोई मजबूत तकनीकी आइडिया हो, वह एक समर्पित 'रेलटेक पोर्टल' के जरिए सीधे संपर्क कर सकेगा। यह पोर्टल पूरी तरह डिजिटल होगा और नई तकनीक के परीक्षण व उसे अपनाने की प्रक्रिया को बेहद सरल बना देगा, जिससे भारतीय रेलवे को वैश्विक स्तर की आधुनिक तकनीक से लैस करने में मदद मिलेगी।

वकीलों और दफ्तरों के चक्करों से मुक्ति

पुराने सिस्टम में यात्रियों और वकीलों को दस्तावेज जमा करने और केस की प्रगति देखने के लिए व्यक्तिगत रूप से न्यायाधिकरण के दफ्तर जाना पड़ता था। नई डिजिटल व्यवस्था के तहत कहीं से भी आवेदन : यात्री अपने घर या गंतव्य स्टेशन से ही इलेक्ट्रॉनिक तरीके से दावा फाइल कर सकेंगे। पूरी प्रक्रिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) पर आधारित होगी, जिससे न्यायिक निर्णय लेने की गति तेज होगी। केस फाइलिंग से लेकर अंतिम फैसले तक की पूरी जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध होगी।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

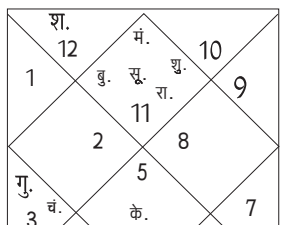

आज की ग्रह स्थिति : 27 फरवरी, शुक्रवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- फाल्गुन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, एकादशी 22 .32 तक तत्पश्चात द्वादशी।

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- वसंत।

चन्द्रबल- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।

ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।

नक्षत्र- आर्द्रा 22 .48 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

सुडोकू - 73 का हल

6	1	4	3	7	9	5	2	8
3	5	7	1	2	8	4	6	9
2	8	9	5	6	4	3	1	7
4	7	5	9	1	3	6	8	2
8	3	2	7	5	6	9	4	1
9	6	1	4	8	2	7	5	3
1	4	6	8	3	7	2	9	5
7	2	8	6	9	5	1	3	4
5	9	3	2	4	1	8	7	6

सुडोकू -74

	8		4			6	1	
	1			6				9
			3	5			2	
		5				3		8
4			8		6			2
8		7		9		1		
	5				7			
2				3			4	
	6	9			4		5	

कश्मीर की जमीं में बहुत संभावनाएं है। यहां एक नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाया जाएगा। आने वाले समय में गुलमर्ग शीतकालीन खेलों का वैश्विक हब होगा। अब शीतकालीन खेल 15 दिन आयोजित करेंगे।
–मनसुख मांडविया, खेल मंत्री

स्टेडियम

बरेली, शुक्रवार, 27 फरवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

सुपर-8 में आज

टीम	समय
न्यूजीलैंड-इंग्लैंड	शाम 7 बजे

हाईलाइट

चैंपियंस लीग प्लेऑफ फुटबॉल मैच के दौरान गोल का प्रयास करते रियल मैड्रिड के अर्दा गुलर (बाएं) और बेनफिका के लिएंड्रो बैरेइरो बॉल।

चैंपियंस लीग के अगले दौर में रियल मैड्रिड

मैड्रिड। विनीसियस जूनियर ने बुधवार को बेनफिका के खिलाफ फिर से विजयी गोल दागा जिससे रियल मैड्रिड चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के अंतिम 16 में पहुंचने में सफल रहा। मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) भी मोनाको को हराकर प्लेऑफ से आगे बढ़ गया जबकि अटलांटा ने बोरुसिया डॉर्टमुंड के खिलाफ अंतिम क्षणों में गोल करके प्रतियोगिता में इटली की भागीदारी को बरकरार रखा। लेकिन युवेंटस दूसरे चरण में वापसी करने में नाकाम रहा और गैलाटासराय से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गया।

सिमोन बाइल्स बनीं लॉरियस की एंबेसडर

नई दिल्ली। सात बार ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अमेरिकी जिम्नास्ट सिमोन बाइल्स को लॉरियस का एंबेसडर नियुक्त किया है। इस तरह से वह लॉरियस का एंबेसडर बनने वाले कई स्टार खिलाड़ियों के समूह में शामिल हो गई हैं। इन खिलाड़ियों में भारतीय भाला फेंक के दिग्गज नीरज चोपड़ा और विश्व कप विजेता पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह भी शामिल हैं। बाइल्स के नाम पर जिम्नास्टिक के इतिहास में सबसे अधिक पदक जीतने का रिकॉर्ड है।

पूर्व हॉकी खिलाड़ी फारुक का निधन

सिंगापुर। सिंगापुर के भारतीय मूल के पूर्व हॉकी खिलाड़ी और मैनेजर फारुक मैरिकन अली का बृहस्पतिवार को निधन हो गया। वह 80 बरस के थे। दिग्गज पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञ फारूक डिफेंडर की भूमिका में खेलते थे और 1968 से 1971 तक राष्ट्रीय टीम के लिए खेले। उन्होंने 1982 से 2000 के दशक तक सिंगापुर की पुरुष टीम के मेनेजर की भूमिका निभाई।

जर्मन ओपन में भारत का अभियान खत्म

मुलहेम एन डेर रूर (जर्मनी)। सीनियर भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत बृहस्पतिवार को यहां पुरुष एकल के दूसरे दौर में चीनी ताइपे के लिन चुन यी से सीधे गेम में हारकर जर्मन ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट से बाहर हो गए। विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता श्रीकांत को इंडिया ओपन सुपर 750 चैंपियन लिन के खिलाफ 32 मिनट तक चले मुकाबले में 14-21, 9-21 से हार का सामना करना पड़ा। श्रीकांत की हार के साथ ही टूर्नामेंट में भारत का अभियान भी खत्म हो गया।

लय में लौटे धुरंधर, विस्फोटक पारियां खेल जिम्बाब्वे को 72 रनों से हराया

टी-20 विश्व कप : सुपर-8 में भारत ने 256 रनों का बनाया सबसे बड़ा स्कोर

चेन्नई, एजेंसी

हार्दिक पंड्या और अभिषेक शर्मा के अर्धशतक से भारत ने आईसीसी टी-20 विश्व कप के सुपर आठ के एकतरफा मैच में बृहस्पतिवार को यहां जिम्बाब्वे को 72 रनों से रौंदकर सेमीफाइनल में जगह बनाने की उम्मीदों को जीवंत रखा।

भारत की जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने ग्रुप एक से सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया। भारत और वेस्टइंडीज के बीच रविवार को होने वाले मैच से ग्रुप से सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली दूसरी टीम का फैसला होगा। भारत के 257 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे की टीम सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट (नाबाद 97 रन, 59 गेंद, छह छक्के, आठ चौके) के अर्धशतक और कप्तान सिकंदर रजा (31) के साथ उनकी तीसरे विकेट की 72 रन की साझेदारी के बावजूद कभी लक्ष्य के करीब पहुंचने की स्थिति में भी नहीं दिखी और छह विकेट पर 184 रन ही बना सकी। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 24 रन देकर तीन विकेट चटकाए। अक्षर पटेल (35 रन पर एक विकेट), वरुण चक्रवर्ती (35 रन पर एक विकेट) और शिवम दुबे (46 रन पर एक विकेट) ने एक-एक विकेट चटकाया। फॉर्म में वापसी करने वाले सलामी बल्लेबाज अभिषेक (55, 30 गेंद, चार छक्के, चार चौके) और पंड्या (नाबाद 50, 23 गेंद, चार छक्के, दो चौके) के धमाकेदार अर्धशतक से भारत ने चार विकेट पर 256 रन बनाए जो टूर्नामेंट के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा और मौजूदा टूर्नामेंट का सबसे बड़ा स्कोर है। पंड्या ने तिलक वर्मा (नाबाद 44, 16 गेंद, चार छक्के, तीन चौके) के साथ पांचवें विकेट के लिए 31 गेंद में 84 रन की अटूट साझेदारी करके टीम का स्कोर 250 रन के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। इससे पहले अभिषेक ने संजू सैमसन (24) के साथ पहले विकेट के लिए 48 और इशान किशन (38) के साथ दूसरे विकेट के लिए 72 रन की साझेदारी करने भारत को ठोस मंच दिया। कप्तान सूर्यकुमार यादव (33) ने भी उपयोगी पारी खेली। जिम्बाब्वे के सभी गेंदबाज महंगे साबित हुए। ब्लेसिंग मुजरबानी ने चार ओवर में 62 रन लुटाकर एक विकेट हासिल किया। ब्रेड इवांस ने भी चार ओवर में 52 रन खर्च किए जबकि उन्हें कोई विकेट नहीं मिला।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे जिम्बाब्वे ने पावर प्ले में 44 रन बनाकर धीमी लेकिन अच्छी शुरुआत की। ताडिवनाशे मरुमानी ने पंड्या और चक्रवर्ती पर छक्के मारे जबकि बेनेट ने जसप्रीत बुमराह का स्वागत दो चौकों के साथ किया। मरुमानी को 17 रन के स्कोर पर जीवनदान मिला जब चक्रवर्ती की गेंद पर स्थानापन्न खिलाड़ी रिंकू सिंह उनका कैच लपकने में नाकाम रहे। मरुमानी (20) हालांकि जीवनदान का फायदा नहीं उठा पाए और अक्षर की गेंद को प्वाइंट पर सीधे इशान किशन को कैच दे बैठे। बेनेट ने नौवें ओवर में अक्षर पर दो छक्कों और एक चौके से रन गति में इजाफा किया लेकिन डियोन मायर्स (06) ने चक्रवर्ती की गेंद पर तिलक को कैच थमा दिया।

रन लेते भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव (दाएं) और अभिषेक शर्मा। एजेंसी

- भारत की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद जीवंत
- फार्म में लौटे अभिषेक वर्मा ने 30 गेंदों पर ठोके 55 रन
- हार्दिक-तिलक के बीच 31 गेंद में 84 रन की हुई अटूट साझेदारी

भारत

256/4 (20 ओवर)

संजू सैमसन का बर्ल बो मुजरबानी	24
अभिषेक शर्मा का रजा बो मपोसा	55
इशान किशन का नगारवा को रजा	38
सूर्यकुमार का मुसेकिवा बो नगारवा	33
हार्दिक पंड्या नाबाद	50
तिलक वर्मा नाबाद	44

गेंदबाजी : नगारवा 4-0-62-1, मुजरबानी 4-0-43-1, मपोसा 2-0-40-1, इवांस 4-0-52-0, रजा 3-0-29-1, बेनेट 2-0-16-0, बर्ल 1-0-10-0

जिम्बाब्वे

184/6 (20 ओवर)

ब्रायन बेनेट नाबाद	97
मरुमानी का इशान बो अक्षर	20
डियोन मायर्स का तिलक बो चक्रवर्ती	06
सिकंदर रजा का अभिषेक बो अर्शदीप	31
रेयान बर्ल बो अर्शदीप	00
टोनी मुनयोंगा बो अर्शदीप	11
मुसेकिवा का सैमसन बो दुबे	07
ब्रेड इवांस नाबाद	01

गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-24-3, पंड्या 3-0-21-0, बुमराह 3-0-21-0, चक्रवर्ती 4-0-35-1, अक्षर 4-0-35-1, दुबे 2-0-46-1

सुपर-8 ग्रुप 1

टीम	मैच	जीत	हार	रद	अंक	रनरेट
1. साउथ अफ्रीका	2	2	0	0	4	2.890
2. वेस्टइंडीज़	2	1	1	0	2	1.791
3. भारत	2	1	1	0	2	-0.100
4. ज़िम्बाब्वे	2	0	2	0	0	-4.475

सुपर-8 ग्रुप 2

1. इंग्लैंड	2	2	0	0	4	1.491
2. न्यूज़ीलैंड	2	1	0	1	3	3.050
3. पाकिस्तान	2	0	1	1	1	-0.461
4. श्रीलंका	2	0	2	0	0	-2.800

मैच के बाद जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट और ब्रेड इवांस ने भारतीय खिलाड़ियों को बधाई दी।

हम गेंद के साथ और बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे, लेकिन जीत जीत होती है : सूर्यकुमार यादव

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा हम चीजों को पीछे छोड़ना चाहते थे। वीडियो एनालिस्ट ने हमें समझाया कि हमने बीते समय में कितने अच्छा किया है। हम गेंद के साथ और बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे, लेकिन जीत जीत होती है और हम सकारात्मक माइंडसेट के साथ वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबला खेलने जाएंगे।

मैं खुश हूं : हार्दिक पंड्या

प्लेयर ऑफ़ द मैच हार्दिक पंड्या ने कहा मैं खुश हूं। यह भले ही लगता हो कि 23 गेंदों में अर्धशतक लगाया है लेकिन मैं परिस्थितियों का आकलन किया। पिछले कुछ मुक़ाबलों में मैं उम्मीदों के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाया था। साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज़ के मुक़ाबले पर हमारी नज़रें थीं और हम अपनी क्रिकेट पर ध्यान दे रहे हैं।

हमने अच्छी बल्लेबाजी की : सिकंदर रजा

जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने कहा – मैं एक ऐसा व्यक्ति हूं जो पॉजिटिव चीजों पर ध्यान देता हूं। पिछले मुक़ाबले की तुलना में आज हमने अच्छी बल्लेबाजी की। हम उन्हें 210-220 पर अगर रोक पाते तो ज्यादा बेहतर होता है। हम गेंदबाज़ी और फील्डिंग में अधिक बेहतर कर सकते थे। बल्लेबाजी के लिहाज से हमने पिछले मुक़ाबले से सबक लिया।

जीत दर्ज करने के बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम (दाएं) और रयान रिकेल्टन।

दक्षिण अफ्रीका सेमीफाइनल में

न्यूजीलैंड की निगाह अंतिम चार पर

अहमदाबाद, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान एडेन मार्करम (नाबाद 82 रन) के अर्धशतक के साथ उनकी दो साझेदारियों से सुपर आठ के मैच में वेस्टइंडीज को नौ विकेट से हराकर जीत का सिलसिला जारी रखते हुए आईसीसी टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

दक्षिण अफ्रीका ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद बल्लेबाजी में भी कमाल किया। टीम ने अपनी बेहतरीन रणनीति की बदौलत जीत की लय जारी रखी। यह उनकी लगातार छठी जीत थी, जिससे उन्होंने टूर्नामेंट में वेस्टइंडीज के अजेय क्रम पर लगाम लगाई। दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज पर जीत से दो अहम अंक जुटाए जिससे मेजबान भारत की अब क्वालीफिकेशन की उम्मीदें मजबूत हो गई हैं। दक्षिण अफ्रीका से मिली हार से भारत की उम्मीदों को झटका लगा था। इस हार से कैरेबियाई टीम के नेट रन रेट पर असर पड़ा जो 5.350 से घटकर 1.791 हो गया। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजों ने पहले दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज के बल्लेबाजी क्रम को झकझोरा जिसने निचले क्रम के बल्लेबाज रोमारियो शेफर्ड (नाबाद 52) और जेसन होल्डर (49) के बीच रिकॉर्ड साझेदारी की बदौलत वापसी करते हुए आठ विकेट पर 176 रन बनाए। फिर दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान मार्करम के अर्धशतक और क्विंटन डिकॉक (47 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 7.5 ओवर में 95 रन की भागीदारी और रेयान रिकलटन (नाबाद 45 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 50 गेंद में 82 रन की अटूट साझेदारी से 16.1 ओवर में एक विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

वेस्टइंडीज

176/8 (20 ओवर)

ब्रैंडन किंग का डिकॉक बो एनगिडी	21
शाई होप का डिकॉक बो रबाडा	16
हेटमायर का महाराज बो रबाडा	02
रोवमैन का ब्रेविस बो एनगिडी	09
रोस्टन चेस बो एनगिडी	02
रदरफोर्ड का डिकॉक बो बॉश	12
जेसन होल्डर रन आउट	49
मैथ्यू फोर्ड का रिकेल्टन बो बॉश	11
रोमारियो शेफर्ड नाबाद	52
गुडाकेश मोती नाबाद	00

गेंदबाजी : केशव महाराज 4-0-43-0, मार्को यानसेन 4-0-50-0, कागिसो रबाडा 4-0-22-2, लुंगी एनगिडी 4-0-30-3, कॉर्बिन बॉश 4-0-31-2

- वेस्टइंडीज को 16.1 ओवर में नौ विकेट से हराया
- कैरेबियाई टीम का नेट रन रेट 5.350 से घटकर पहुंचा 1.791
- दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम ने बनाए 82 रन

दक्षिण अफ्रीका

177/1 (16.1 ओवर)

एडेन मार्करम नाबाद	82
क्विंटन डिकॉक का होल्डर बो चेस	47
रेयान रिकलटन नाबाद	45

गेंदबाजी : मैथ्यू फोर्ड 3-0-30-0, रोमारियो शेफर्ड 2-0-22-0, जेसन होल्डर 3.1-0-31-0, शमार जोसफ 2-0-24-0, गुडाकेश मोती 2-0-24-0, रोस्टन चेस 4-0-46-1

दक्षिण अफ्रीका ने पावरप्ले के छह ओवर में 69 रन बनाकर वेस्टइंडीज के गेंदबाजों को दबाव में ला दिया। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने नियंत्रण बनाए रखा। मार्करम और डिकॉक ने तेज गेंदबाजों और स्पिनर दोनों पर आराम से रन जुटाकर शानदार साझेदारी की। डिकॉक ने 24 गेंद की अपनी पारी में चार छक्के और इतने ही चौके लगाए। लेकिन वह लांग ऑन पर जेसन होल्डर को कैच देकर आउट हो गए।मारक्रम ने गुडाकेश मोती की गेंद पर एक रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया। रिकलटन क्रीज पर उतरे और उन्होंने मारक्रम का अच्छा साथ निभाया। मारक्रम ने जेसन होल्डर की गेंद पर सीधा चौका लगाकर मैच स्टाइल से खत्म किया। इससे पहले पिछले मैच में जिम्बाब्वे पर शानदार जीत दर्ज करने वाली वेस्टइंडीज ने सात ओवर के अंदर 60 रन में पांच विकेट गंवा दिए थे। इसमें दक्षिण अफ्रीका के कागिसो रबाडा (दो विकेट) और लुंगी एनगिडी (तीन विकेट) ने वेस्टइंडीज के शीर्ष क्रम को झकझोर दिया।

कोलंबो। अपने स्पिनरों के दम पर पिछले मैच में श्रीलंका पर बड़ी जीत दर्ज करने वाला न्यूजीलैंड शुक्रवार को यहां टी20 विश्व कप के सुपर आठ के मैच में इंग्लैंड के खिलाफ अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखकर सेमीफाइनल में जगह सुरक्षित करने की कोशिश करेगा। इंग्लैंड पहले ही अपने दोनों मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर चुका है लेकिन यह मैच उसके लिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली टीम का भी फैसला होगा।

श्रीलंका के खिलाफ 61 रन की बड़ी जीत से न्यूजीलैंड सेमीफाइनल के करीब पहुंच गया है क्योंकि इससे उसका नेट रन रेट अच्छा हो गया है। न्यूजीलैंड का नेट रन रेट प्लस 3.050 है और उसे अगले मैच में बस यह सुनिश्चित करना है कि अगर वह इंग्लैंड से पराजित हो भी जाता है तो हार का अंतर न्यूनतम हो। इंग्लैंड से हार के बाद पाकिस्तान का नेट रन रेट माइनस 0.461 हो गया है। उसे नेट रन रेट में न्यूजीलैंड से आगे निकलने के लिए कीवी टीम की करारी हार की दुआ करनी होगी।

सीरीज जीवंत रखने के लिए भारत को बल्लेबाजी में सुधार की जरूरत

महिला वनडे सीरीज

होबार्ट, एजेंसी

मौजूदा विश्व चैंपियन भारत को पहले मैच में बुरी तरह हारने के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैच की वनडे श्रृंखला को अगर जीवंत रखना है तो उसे शुक्रवार को यहां होने वाले दूसरे महिला एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बल्लेबाजी में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। टी20 श्रृंखला 2-1 से जीतने के बाद भारतीय टीम वनडे श्रृंखला की अच्छी शुरुआत नहीं कर पाई और ब्रिस्बेन में खेले गए पहले मैच में छह विकेट से हार गई। भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कभी भी द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला नहीं जीती है।

इस प्रारूप में इन दोनों देशों के बीच खेली गई श्रृंखलाओं में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा रहा है। दोनों टीमों के बीच अभी तक 11 द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला खेली गई हैं जिनमें सभी में ऑस्ट्रेलिया ने जीत हासिल की। इनमें 2024 में 3-0 से और सितंबर 2025 में 2-1 से जीत भी शामिल है। लेकिन भारत 2025 में महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया पर मिली पांच विकेट की जीत से प्रेरणा लेने की कोशिश करेगा। वर्तमान श्रृंखला के पहले मैच में भारतीय बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया की चुनौती का सामना करने में नाकाम रहे और पूरी टीम केवल 214 रन पर आउट हो गई। उप-कप्तान स्मृति मंधाना (58), कप्तान हरमनप्रीत कौर (53) और कासवी गौतम (43) को छोड़कर अन्य भारतीय बल्लेबाज बड़ी पारियां नहीं खेल सका। वे ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी के सामने संघर्ष करते हुए नजर आए।

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, रेणुका ठाकुर, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष, उमा छेत्री, अमनजोत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, काशवी गौतम, हरलीन देयोल, प्रतिका रावल।

ऑस्ट्रेलिया : एलिसा हीली (कप्तान), सोफी मोलिनी (उप-कप्तान), डार्सी ब्राउन, निकोला कैरी, एशले गार्डनर, किम गार्थ, अलाना किंग, फोबे लिट्चफील्ड, बेथ मूनी, ताहलिया मैकग्रा, एलिस पेरी, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

- ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरा मुकाबला आज सुबह 9:20 बजे से

रणजी ट्रॉफी फाइनल | कर्नाटक को फॉलोआन के खतरे में डाला, औकिब नबी ने तीन विकेट चटकाए

जम्मू-कश्मीर फिर इतिहास रचने को तैयार

खेल डेस्क

अमृत विचार। राष्ट्रीय क्रिकेट की श्रेष्ठता की प्रतीक रणजी ट्रॉफी में पहली बार फाइनल खेलने का अधिकार पाने के साथ ही इतिहास सृजित कर चुका जम्मू-कश्मीर एक बार फिर इतिहास रचने को तैयार है। इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है कि बल्लेबाजों के पराक्रम के बाद शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन से मेहमानों ने खिताबी मुकाबले में पूर्व चैम्पियन व मेजबान कर्नाटक को फॉलोऑन के खतरे में धकेल दिया है।

इस क्रम में यहां केएससीए हुबली क्रिकेट ग्राउंड पर तीसरे दिन का खेल समाप्त हुआ तो जम्मू-कश्मीर के विशाल स्कोर (584 रन) के जवाब में पेसर ऑकिब नबी (3-32) के सामने कर्नाटक का शीर्षक्रम ध्वस्त हो गया और टीम 69 ओवरों में 220 रनों पर पांच विकेट गंवाकर संकट में थी।

कर्नाटक पहली पारी के आधार पर 364 रन पीछे है और उसे फॉलोऑन बचाने के लिए अब भी 165 रनों की दरकार है। अब यह देखना दिलचस्प रहेगा कि चौथे दिन कर्नाटक के बचे बल्लेबाज फॉलोऑन बचा पाने में सफल हो पाते हैं अथवा नहीं। उल्लेखनीय है कि रणजी ट्रॉफी में 1959-60 में पदार्पण करने के बाद जम्मू-कश्मीर पहली बार फाइनल में पहुंची है।

ऑकिब नबी की बात करें तो उन्होंने लगातार नौ ओवर फेंककर भारतीय क्रिकेट के कुछ बड़े नामों को परेशानी में डाला। उन्होंने 12वें ओवर में 27 के योग पर लोकेश राहुल (13 रन) को आउट किया और फिर 18वें ओवर में लगातार गेंदों पर करुण नायर (0) व स्मरण रविचंद्रन (0) खाता खोलने तक नहीं दिया (4-57)। इसके पिछले ओवर में कप्तान देवदत्त पडिक्कल (11 रन) सुनील कुमार (1-45) के शिकार बन चुके थे।

पैवेलियन लौटते जम्मू-कश्मीर के कप्तान पारस डोगरा (बाएं) और अन्य खिलाड़ी। शतक लगाने के बाद जश्न मनाते मयंक अग्रवाल।

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड

जम्मू-कश्मीर	584/10
यश जम्मू-कश्मीर	220/5

नबी मौजूदा सत्र में ले चुके हैं 58 विकेट

गौरतलब है कि नबी ने पूरे सत्र में टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया है और मौजदू सत्र में उनके विकेटों की संख्या 58 हो गई है, जो उत्तराखंड के स्पिनर मयंक मिश्रा के 59 विकेट से सिर्फ एक कम है। गनीमत रही कि अनुभवी ओपनर मयंक अग्रवाल (नाबाद 130 रन, 207 गेंद, 17 चौके) ने मजबूत रक्षात्मक तकनीक का नजारा पेश करते हुए एक छोर संभाले रखा। उन्हें 124 रनों के स्कोर पर जीवनदान भी मिला। मयंक ने श्रेयस गोपाल (27 रन) संग पांचवें विकेट पर 105 रनों की साझेदारी की थी, तभी युद्धवीर सिंह (1-32) ने गोपाल को लौटाकर यह भागीदारी तोड़ी। इसके बाद मयंक, कृतिक के साथ क्रीज पर हैं।